THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 336 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.14 2079 रविवार, 19 फरवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

नीतीश की कांग्रेस को नसीहत

नेता जल्द फैसला लें, भाजपा 100 पर सिमटेगी

खुर्शीद बोले-पहले आई लव यू कौन कहेगा

पटना, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर विपक्षी एकता पर जोर दिया। पटना में शनिवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एमएल) के अधिवेशन में नीतीश ने कहा, अब कांग्रेस को निर्णय लेना होगा कि 2024 में क्या रणनीति होनी चाहिए और विपक्षी एकता को किस तरह से मजबूत करना चाहिए। यदि कांग्रेस इस बात पर तैयार हो जाए तो 2024 में भाजपा 100 सीटों के अंदर सिमट कर रह जाएगी।

नीतीश की सलाह पर कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार जी जो आप सोचते हैं, वो कांग्रेस भी सोचती है। बस बात इतनी सी है कि पहले आई लव यू कौन कहेगा। शनिवार को भाकपा माले के अधिवेशन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और माले के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाकपा-माले के मंच से कहा कि विपक्ष एकता की कवायद चल रही है। आप लोगों के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। कई पार्टियां एकजुट होने के लिए तैयार हैं। बस आपके फैसले का इंतजार है। देश के हित में सोचेंगे तो आपको ही फायदा होगा और दोस्त को भी फायदा होगा। नीतीश कुमार ने कांग्रेस से कहा कि हमको कुछ नहीं चाहिए। हम चाहते हैं सभी एकजुट होकर 2024 में भाजपा का सामना करें। हम पहले भी साथ चल रहे थे, आगे भी साथ चलेंगे। सलमान खुर्शीद सामने बैठे हैं। हम लोगों ने विपक्षी एकता के लिए जाकर दिल्ली में संदेश दे दिया था। अब हम लोग कांग्रेस का इंतजार कर रहे हैं। भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि आज देश में संविधान खतरे में है। ऐसे ऐसे में देश में जितनी विपक्षी पार्टियां हैं, उन सभी को एकजुट होना होगा और समय बहुत कम है। 2024 के चुनाव से पहले विपक्ष की एकता जरूरी है।

डिप्टी सीएम तेजस्वी ने कहा कि भाजपा मंदिर, मस्जिद, गाय की चर्चा करती रहती। नफरत की राजनीति फैलाने वाले लोग यह जान लें कि देश किसी के बाप का नहीं, जो मुसलमानों से वोटिंग का अधिकार छीन लें। भाजपा और आरएसएस मनुस्मृति और गोलवलकर की थ्योरी को संविधान बनाना चाहती, लेकिन देश की जनता इसे कभी पूरा नहीं होने देगी। उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कहा कि हम सभी कांग्रेस का इंतजार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले दिनों विपक्षी एकता को एकजुट करने की कवायद शुरू की थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के बिना भाजपा को हराया नहीं जा सकता है। इसके लिए कांग्रेस को अपनी विपक्षी एकता में शामिल करना ही होगा। कुछ लोगों ने सहमति जताई तो कुछ लोगों ने असहमति जताई थी। पिछले साल लालू यादव के साथ नीतीश कुमार मिलने कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी से मिलने दिल्ली गए थे, लेकिन सोनिया गांधी से मुलाकात नहीं हुई थी। तब ये कयास लगाई जाने लगी कि नीतीश कुमार के फार्मूला से कांग्रेस सहमत नहीं है।

नीतीश कुमार का क्या है फार्मूला :

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का फार्मूला यह है कि चुनाव से पहले प्रधानमंत्री पद को लेकर कोई भी विवाद नहीं होना चाहिए। किसी एक चेहरे पर चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल बस इस उद्देश्य से चुनाव लड़े कि भाजपा को हराना है और जब भाजपा हार जाएगी और विपक्षी एकता जीत जाएगी तो मिल बैठकर प्रधानमंत्री के चेहरे का फैसला कर लिया जाएगा। अब ऐसे में कांग्रेस इस बात को लेकर अपनी सहमति नहीं दी थी। नीतीश कुमार बार-बार कह रहे हैं कि कांग्रेस को फैसला लेना है और यदि कांग्रेस फैसला ले ले तो आगे का राह आसान हो जाएगा।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा समापन में नहीं गए थे नीतीश कुमार

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा समापन पर सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को निमंत्रण दिया गया था, लेकिन दोनों नेता इसमें शामिल नहीं हुए थे।

महाधिवेशन में भाग लेने लेखिका अरूंधति रॉय भी पटना आईं :

माले का 11वां राष्ट्रीय महाधिवेशन पटना के एसकेएम हॉल में चल रहा। 16 फरवरी से यह महाधिवेशन चल रहा है। 15 फरवरी को माले की ओर से पटना के गांधी मैदान मे बड़ी रैली की गई थी। महाधिवेशन में भाग लेने चर्चित लेखिका और सोशल एक्टिविस्ट अरूंधति रॉय भी पटना आईं। महाधिवेशन में दुनिया के 11 देशों से नेता पहुंचे। देश-दुनिया की वर्तमान समस्याओं के समाधान पर विस्तार से चर्चा हुई। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संकट पर भी मंथन हुआ।

उद्धव बोले-पीएम को भी बाला साहेब के चेहरे की जरूरत

समर्थकों से कहा, गली-गली जाकर बताओ चुनाव चिह्न तीर-कमान चोरी हो गया

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे ने शनिवार को अपने समर्थकों से कहा कि गली-गली में जाकर लोगों को बताइये कि पार्टी का चुनाव चिह्न 'तीर-कमान' चोरी हो गया है। सीएम एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि चोर को सबक सिखाने की जरूरत है। वह पकड़ा गया है। मैं चोर को तीर-कमान लेकर मैदान में आने की चुनौती देता हूं और हम एक जलती हुई मशाल से उसका मुकाबला करेंगे।

उद्धव ने कहा पीएम को लगता है वो शिवसेना को खत्म कर देंगे। शिवसेना कभी खत्म नहीं होगी। चुनाव आयोग पीएम का गुलाम है। आयोग ने वो किया है जो पहले कभी नहीं हुआ। उन्हें बाला साहेब ठाकरे का चेहरा चाहिए, उन्हें चुनाव चिन्ह चाहिए, लेकिन शिवसेना का परिवार नहीं। पीएम मोदी को महाराष्ट्र आने के लिए बाला साहेब ठाकरे के मास्क की जरूरत है, लेकिन राज्य के लोग जानते हैं कौन सा चेहरा असली है और कौन नहीं।

मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि अगर वे मर्द हैं तो चोरी का धनुष-बाण लेकर भी हमारे सामने आओ, हम मशाल लेकर चुनाव लड़ेंगे। यह हमारी परीक्षा है, लड़ाई शुरू हो गई है। उन्होंने अपने समर्थकों से धैर्य रखने और अगले चुनावों की तैयारी करने को कहा। ठाकरे यहां बांद्रा स्थित अपने आवास मातोश्री के बाहर पार्टी नेताओं की बैठक की अध्यक्षता करने से पहले अपने समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। बड़ी संख्या में ठाकरे के समर्थक मातोश्री के बाहर जमा हुए और एकनाथ शिंदे के खिलाफ और ठाकरे के समर्थन में नारे लगाए।

पुणे में शिंदे-ठाकरे समर्थकों में तनातनी

पुणे में एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट में तनानती हो गई। दोनों गुट आमने-सामने आ गए और एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों गुटों को शांत कराया। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने उद्धव को सलाह दी है कि चुनाव आयोग के फैसले को स्वीकार कर लें। >14

चुनाव आयोग के फैसले के बाद महाराष्ट्र की शिंदे सरकार के मंत्रियों ने अपनाया नया नाम-चिन्ह

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा अलग हुए गुट को मूल 'शिवसेना' नाम और 'धनुष-बाण' चुनाव चिह्न दिए जाने के एक दिन बाद, इसके कई नेताओं ने शनिवार को सोशल मीडिया प्रोफाइल पर नई पहचान अपना ली है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मंत्री शंभूराज देसाई, उदय सामंत, दीपक केसरकर, तानाजी सावंत, अब्दुल सत्तार और कई सांसद और विधायक अब अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर नए नाम-चिन्ह व लगा लिए हैं।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने शुक्रवार को शिंदे गुट को नाम-चिन्ह आवंटित किया, जिसे पहले 'बालासाहेबंची शिवसेना' का नाम 'दो तलवार और ढाल' निशान दिया गया था। इसने राज्य में राजनीतिक हंगामा खड़ा कर दिया था।

चुनाव आयोग के फैसले का कड़ा विरोध करते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता वाली शिवसेना (यूबीटी) ने घोषणा की कि वह इस फैसले को अदालत में चुनौती देगी। शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने भी ईसीआई के कदम की निंदा करते हुए इसे जल्दबाजी, अप्रत्याशित, अन्याय और लोकतंत्र की हत्या के बराबर करार दिया।

चूहों ने खाया सबूत के तौर पर रखा गांजा

तिरुवनंतपुरम, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य की राजधानी में दिसंबर 2016 में गांजा रखने के आरोप में एक व्यक्ति पर मुकदमा चल रहा है। आरोपी साबू को तिरुवनंतपुरम की छावनी पुलिस ने हिरासत में ले लिया और मामला दर्ज कर लिया गया। साबू के पास कथित तौर पर 125 ग्राम गांजा पाया गया था। इसमें से 100 ग्राम को वैज्ञानिक जांच के लिए भेजा गया और 25 ग्राम को मामले में सबूत के तौर पर तिरुवनंतपुरम मजिस्ट्रेट कोर्ट में स्थित एक अदालत कक्ष में रखा गया।

ट्रायल शुरू होने पर चीजें पूरी तरह से बदल गईं। प्रक्रिया के तहत जब कोर्ट रूम में रखे सबूतों की जांच की गई तो पाया गया कि आधे सबूत गायब हो गए थे और जब यह पूछा गया कि ऐसा कैसे हुआ, तो अभियोजन पक्ष ने कहा कि हो सकता है चूहों ने गांजा खा लिया हो। यह सबूत अदालत के लिए मायने रखता है, अब सवाल यह है कि क्या चूहो की वजह से साबू छूट जाएगा।

पूर्व चीफ जस्टिस यूयू ललित का कॉलेजियम पर बड़ा बयान

बोले सर्वसम्मति से ही भेजें दोबारा नाम

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को लेकर भारत के पूर्व चीफ जस्टिस यूयू ललित का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा, शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा की गई प्रारंभिक सिफारिश में सर्वसम्मत की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, इसे बहुमत से पास कर सकते हैं लेकिन अगर किसी नाम को दोबारा भेजा जा रहा है तो यह जरूरी है कि उस नाम पर सभी की सहमति हो।

कॉलेजियम को लेकर दिया था बयान :

इसके पहले 11 फरवरी को भी रिटायर्ड जस्टिस यूयू ललित का कॉलेजियम को लेकर बयान आया था। उनसे पूछा गया था कि क्या कॉलेजियम सिस्टम को बदलने की जरूरत है। इसपर उन्होंने कहा कि इसका उत्तर इतना आसान नहीं है। यदि आप इसके लिए कारण चाहते हैं तो मैं दस मिनट और लूंगा। हालांकि, समय की कमी के चलते वह अपना जवाब पूरा नहीं कर पाए। चीफ जस्टिस ने इसी कार्यक्रम में जजों पर सरकार के दबाव को लेकर पूछे गए सवाल का भी जवाब दिया था। उनसे पूछा गया था कि क्या उन्होंने सीजेआई के तौर पर काम करते हुए कार्यपालिका पर दबाव को महसूस किया है?

इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, बिल्कुल नहीं। चीफ जस्टिस के रूप में न्यायाधीश होने के अलावा आपने जो अतिरिक्त कार्यभार धारण किया है वह प्रमुख होने का है। उनके अनुसार, वह बेंचों का गठन कर सकते हैं। मामलों को सूचीबद्ध कर सकते हैं। यह उनका विशेषाधिकार है। प्रशासनिक पक्ष निश्चित रूप से कॉलेजियम की बैठक है।

शराब घोटाला मामला मनीष सिसोदिया से आज पूछताछ करेगी सीबीआई

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में आज रविवार को केंद्रीय अंवेषण ब्यूरो (सीबीआई) उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से पूछताछ करेगी। यह पूछताछ सीबीआई के दिल्ली स्थित मुख्यालय में होगी। इस खबर की पुष्टि सीबीआई के सूत्रों ने की है।

इसे लेकर मनीष सिसोदिया ने भी ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा, सीबीआई ने फिर बुलाया है। मेरे खिलाफ इन्होंने सीबीआई, ईडी की पूरी ताकत लगा रखी है, घर पर रेड, बैंक लॉकर तलाशी, कहीं मेरे खिलाफ कुछ नहीं मिला। मैंने दिल्ली के बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा का इंतजाम किया है। ये उसे रोकना चाहते हैं।

मैंने जांच में हमेशा सहयोग किया है और करूंगा। शराब घोटाला मामले में मनीष सिसोदिया से पहले भी कई बार पूछताछ हो चुकी है। इस मामले में ईडी भी जांच कर रही है और अब तक किसी भी आरोपपत्र में मनीष सिसोदिया का नाम नहीं आया है।

22 फरवरी को दिल्ली को मिलेगा महापौर

सीएम केजरीवाल के प्रस्ताव पर एलजी ने लगाई मुहर

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अगर सब कुछ ठीक रहा तो 22 फरवरी को दिल्ली को महापौर मिल जाएगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रस्ताव को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंजूरी दे दी है। केजरीवाल ने सुबह एलजी को लिखी थी चिट्ठी। जिसमें 22 फरवरी को चुनाव कराने के लिए कहा था। जिसे एलजी ने स्वीकार कर लिया है। 22 फरवरी को सुबह 11 बजे से एमसीडी सदन में महापौर, उपमहापौर और स्थायी समिति छह सदस्यों के लिए चुनाव होगा।

चार दिसंबर को हुए चुनाव, मेयर चुनाव के लिए महीने भर बाद पहली बैठक :

एमसीडी के चुनाव चार दिसंबर को हुए थे। वोटों की गिनती 7 दिसंबर को हुई थी। 250 वार्डों में से आम आदमी पार्टी को 134 वार्डों में जीत मिली। भाजपा ने 104 वार्ड जीते, जबकि कांग्रेस को केवल नौ सीटें मिलीं। चुनाव परिणाम आने के करीब महीने भर बाद छह जनवरी को मेयर चुनाव के लिए सदन की बैठक बुलाई गई। इस दिन मनोनीत पार्षदों को पहले शपथ दिलाने के पीठासीन अधिकारी के फैसले का आम आदमी पार्टी ने विरोध किया, सदन में हंगामा हुआ और पीठासीन अधिकारी ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। एलजी के आदेश से दोबारा 24 जनवरी को मेयर चुनाव के लिए सदन की बैठक बुलाई गई। इस दिन मनोनीत सदस्यों और पार्षदों की शपथ हो गई, लेकिन आप के एक पार्षद ने जैसे ही मंच पर चढ़कर निगम सचिव से बात करनी चाही, इसका भाजपा के पार्षदों ने जबरदस्त तरीके से विरोध किया। फिर से सदन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। आम आदमी पार्टी ने सदन में मीडिया के सामने हेड काउंट कर हाजिरी लगाई और बहुमत सिद्ध किया व सदन में ही धरना भी दिया। दूसरी तरफ भाजपा की मेयर प्रत्याशी रेखा गुप्ता ने भी उनके साथ बदसलूकी किए जाने का आरोप लगाया और वे भी सदन के बाहर धरने पर बैठी रहीं।

दो विधायकों की वोटिंग को लेकर हंगामा :

छह फरवरी को तीसरी बार मेयर चुनाव कराने के लिए सदन की बैठक बुलाई गई। पीठासीन अधिकारी सत्या शर्मा ने मेयर, डिप्टी मेयर और स्टैंडिंग कमेटी के छह सदस्यों के चुनाव एक साथ कराने की घोषणा की। साथ ही, मनोनीत पार्षदों के मेयर चुनाव में हिस्सा लेने की घोषणा की। इसका आप विधायक महेंद्र गोयल ने विरोध किया। दूसरी तरफ भाजपा पार्षद शिखा राय ने पीठासीन अधिकारी से कहा कि आप के दो विधायक अखिलेश पति त्रिपाठी और संजीव झा को कोर्ट से सजा मिल चुकी है, यह दोनों सदस्य मेयर चुनाव में वोट देने के योग्य नहीं हैं। पीठासीन अधिकारी ने उनका समर्थन किया और आप के दोनों विधायकों का सदन से बादर जाने के लिए कह दिया। इसके बाद हंगामा बढ़ गया और पीठासीन अधिकारी ने सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया।

चार बैठकें हो चुकीं नाकाम :

मेयर चुनाव के लिए 16 फरवरी को चौथी बार सदन की बैठक बुलाई गई, लेकिन इससे पहले ही आम आदमी पार्टी की मेयर प्रत्याशी शैली ओबेरॉय चुनाव का मामला लेकर कोर्ट पहुंच गईं। 15 फरवरी को ही यह तय हो गया था कि मेयर का 16 को चुनाव नहीं होगा। अब उम्मीद है कि मेयर चुनाव की नई तारीखों का ऐलान हो जाएगा। आम आदमी पार्टी ने ईस्ट पटेल नगर की पार्षद शैली ओबेरॉय और भाजपा ने शालीमार बाग-बी वार्ड की पार्षद रेखा गुप्ता को मेयर पद का उम्मीदवार बनाया है।

कर्नाटक में सरकार के खिलाफ 'कान पर फूल' लगाकर घूम रहे कांग्रेसी

बेंगलूरु, 18 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीति जंग तेज हो गई है। सत्ताधारी भाजपा के खिलाफ अब कांग्रेस ने अनोखे तरीके से प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। इसके लिए कांग्रेस ने 'कीवी मेले हूवा' यानी कान पर फूल अभियान शुरू किया है। सड़क से लेकर विधानसभा तक कांग्रेस कार्यकर्ता कान पर फूल लगाकर भाजपा सरकार का विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस ने एक नेता का कहना है कि कीवी मेले हूवा का मतलब यह है कि जनता को बेवकूफ बनाया गया है। कांग्रेस ने बेंगलुरू और दक्षिण कन्नड़ जिलों में भाजपा के पोस्टरों पर 'कीवी मेले हूवा' (कान पर फूल) चिपकाकर भाजपा के खिलाफ 'पोस्टर युद्ध' भी शुरू किया है।

भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस विधायक विधानसभा में भी कान पर फूल लगाकर पहुंचे थे। कांग्रेसी विधायकों का कहना है कि भाजपा ने चुनाव के दौरान लोगों से जो वादे किए थे, उसे पूरा नहीं किया। यही कारण है कि अब इस अभियान के जरिए लोगों को भाजपा सरकार की खामियों के बारे में बताया जाएगा। विधानसभा में भी कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर 2018 के अपने घोषणापत्र के 90 प्रतिशत वादों को पूरा करने में विफल रहने और 2022-2023 के बजट के आवंटित धन का केवल 56 प्रतिशत उपयोग करने के लिए निशाना साधा था। विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता सिद्धारमैया, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार और अन्य कांग्रेस विधायकों ने अपने कानों पर फूल रखकर आरोप लगाया कि बीजेपी लोगों को 'फूल' बना रही है। कांग्रेस ने अब सड़कों पर उतरकर 'कीवी मेले हूवा' अभियान को तेज कर दिया है। आज सुबह बेंगलुरू शहर और मैंगलोर के कई हिस्सों में 'किवी मेले हूवा' के पोस्टर भाजपा की 'अचीवमेंट वॉल' पेंटिंग और उनके कई पोस्टर पर देखे जा सकते हैं।

कांग्रेस ने राज्य के कई शहरों में 'कीवी मेले हूवा' का पोस्टर लगवा दिया है। इसमें भाजपा के पोस्टर में उनके कान पर फूल लगाए हुए हैं। भाजपा के पोस्टरों पर कांग्रेस का पोस्टर दिखाई दिया जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, उनके पूर्ववर्ती बी एस येदियुरप्पा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील के कानों में फूल लगा हुआ दिखाया गया है।

अभिनेता तारकरत्ना नहीं रहे

पदयात्रा के दौरान हो गये थे बेहोश

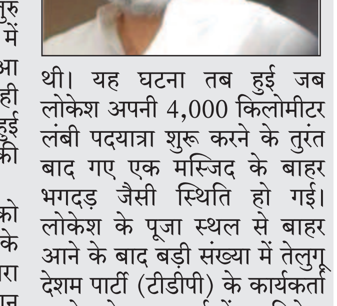

अमरावती, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टॉलीवुड अभिनेता नंदमुरी तारकरत्ना का निधन हो गया है। पिछले जनवरी महीने की 27 तारीख को कुप्पम में उन्हें गंभीर दिल का दौरा पड़ा था और वह पिछले कुछ हफ्तों से मौत से जूझ रहे थे। उनका इलाज बेंगलुरु नारायण हृदयालय अस्पताल में चल रहा है। हालांकि खबरें आ रही थी कि आज सुबह से ही उनकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई थी। अब डॉक्टरों ने घोषणा की कि तारकरत्न नहीं रहे।

गौरतलब है कि 27 जनवरी को आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के कुप्पम में टीडीपी महासचिव नारा लोकेश की पदयात्रा के दौरान टॉलीवुड अभिनेता नंदमुरी तारक रत्ना बेहोश हो गए थे। तारक रत्न को अस्पताल ले जाया गया था और उनकी हालत स्थिर बताई गई थी। यह घटना तब हुई जब लोकेश अपनी 4,000 किलोमीटर लंबी पदयात्रा शुरू करने के तुरंत बाद गए एक मस्जिद के बाहर भगदड़ जैसी स्थिति हो गई। लोकेश के पूजा स्थल से बाहर आने के बाद बड़ी संख्या में तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के कार्यकर्ता आगे बढ़े। हाथापाई में, अभिनेता गिर गया था और बेहोश हो गया था। स्थानीय तेदेपा नेता उन्हें कुप्पम के एक निजी अस्पताल ले गए। >14

रिकॉर्ड से 'गायब' है डॉ. आंबेडकर का इस्तीफा

प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर राष्ट्रपति सचिवालय तक ने खड़े कर दिए हाथ

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। आजाद भारत के पहले कानून मंत्री डॉ. भीमराव आंबेडकर ने हिंदू कोड बिल पर मतभेद के कारण वर्ष 1951 में कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफा 11 अक्टूबर, 1951 को मंजूर भी हो गया था। लेकिन अब वह त्यागपत्र रिकॉर्ड से गायब है। प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर राष्ट्रपति सचिवालय तक ने हाथ खड़ा कर दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशांत नाम के एक व्यक्ति ने सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा स्वीकार की गई डॉ. आंबेडकर के त्याग-पत्र की प्रमाणित प्रति मांगी थी। प्रशांत ने अपनी याचिका में यह जानकारी भी मांगी थी कि आखिर डॉ. आंबेडकर ने कानून मंत्री के पद से इस्तीफा क्यों दिया था? प्रशांत के आरटीआई आवेदन की यात्रा प्रधानमंत्री कार्यालय से शुरू हुई। पीएमओ ने याचिका को कैबिनेट सचिवालय भेजा और याचिकाकर्ता को बताया कि डॉ. आंबेडकर का इस्तीफा 11 अक्टूबर, 1951 को स्वीकार हुआ था। डॉ. आंबेडकर के त्यागपत्र की कॉपी मिलने पर प्रशांत ने सीआईसी (केंद्रीय सूचना आयोग) के समक्ष अपील दायर की। सीआईसी ने कहा कि भारत के पहले कानून मंत्री का रेजिग्नेशन लेटर प्रधानमंत्री कार्यालय या राष्ट्रपति सचिवालय के रिकॉर्ड में होना चाहिए। इसके पीछे उन्होंने तर्क दिया कि इन्हीं दो कार्यालयों के पास मंत्रिमंडल के किसी मेंबर के इस्तीफे को स्वीकार या अस्वीकार करने का एकमात्र प्राधिकारी हैं। पीएमओ के सीपीआईओ ने याचिका को राष्ट्रपति सचिवालय में भेजते हुए यह कहा कि मंत्रियों के त्याग-पत्रों की स्वीकृत या अस्वीकृत करने का काम भारत के राष्ट्रपति का होता है। यह उनके संवैधानिक कामकाज के अंतर्गत आता है। इसके बाद कैबिनेट सचिवालय के सीपीआईओ ने कहा दिया कि अपील में मांगी गई कोई सूचना कैबिनेट सचिवालय के पास नहीं है।

हमने इसके लिए संवैधानिक मामलों के अनुभाग में खोजबीन की लेकिन याचिकाकर्ता द्वारा मांगा गया दस्तावेज नहीं मिला। रिकॉर्ड पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। पीएमओ और राष्ट्रपति सचिवालय का जवाब मिलने बाद 10 फरवरी को मुख्य सूचना आयुक्त वाईके सिन्हा ने आदेश पारित किया और कहा कि यहां से आगे अब आयोग कोई और हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

कांग्रेस विधायक आरएस बाली की माता का निधन, एम्स दिल्ली में ली अंतिम सांस

शिमला, 18 फरवरी (एजेंसियां)। नगरोटा बगवां से कांग्रेस विधायक रघुवीर सिंह बाली की माता किरण बाली का शनिवार को निधन हो गया। सुबह सात बजे एम्स दिल्ली में उन्होंने अंतिम सांस ली। किरण बाली बीते कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थीं। दो दिन पहले रघुवीर बाली ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी शेयर की थी। इसके चलते उन्होंने सभी सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिए थे। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और अन्य कैबिनेट मंत्रियों ने किरण बाली के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

चुनाव आयोग पर भड़के संजय राउत, बोले

बदले की भावना से शिवसेना को खत्म करने की कोशिश

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग द्वारा शुक्रवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट को 'असली' शिवसेना बताए जाने पर उद्धव गुट के सांसद संजय राउत भड़के नजर आए। राउत ने चुनाव आयोग के फैसले को गलत बताते हुए जमकर निशाना साधा। राउत ने कहा कि एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना के तौर पर मान्यता देने का निर्वाचन आयोग का फैसला 'लोकतंत्र की हत्या' है। इसके खिलाफ उनकी पार्टी लोगों के पास जाएगी। राउत ने आगे कहा, आयोग का यह फैसला 'राजनीतिक हिंसा' का काम है। इसका उद्देश्य डर, बदले की भावना से शिवसेना को खत्म करना है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी राजनीतिक दलों को चुनाव प्रहरी से राजनीतिक दल की परिभाषा पूछने की जरूरत है। राउत ने महाराष्ट्र के

सिंधुदुर्ग जिले के कंकावली में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'चुनाव आयोग का आदेश शिवसेना को खत्म करने के लिए एक तरह की राजनीतिक हिंसा है। यह डर और बदले की भावना से किया गया है।' उन्होंने शिवसेना का जिक्र करते हुए कहा कि एक पार्टी है जो 50 साल से अधिक पुरानी है और जिसके कुछ विधायक और सांसद दबाव में दलबदल कर गए हैं। उन्होंने चुनाव आयोग के फैसले को कानून, संविधान और लोगों की इच्छा का उल्लंघन बताया। राउत ने कहा, 'पार्टी और लोग उद्धव ठाकरे के साथ हैं और कानूनी लड़ाई जारी रहेगी।'

शिंदे गुट को आयोग ने दे दिया है शिवसेना

भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को शिंदे गुट को शिवसेना नाम दिए जाने का आदेश दिए। आयोग ने कहा कि एकनाथ शिंदे की पार्टी द्वारा चुनाव चिह्न तीर और कमान बरकरार रखा जाएगा। गौरतलब है कि शिवसेना के दोनों धड़े (एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे) पिछले साल शिंदे (महाराष्ट्र के वर्तमान मुख्यमंत्री) द्वारा ठाकरे के खिलाफ विद्रोह करने के बाद से पार्टी के तीर-कमान के चुनाव चिह्न के लिए लड़ रहे हैं। आयोग (ईसीआई) ने कहा कि शिवसेना का मौजूदा संविधान अलोकतांत्रिक है। बिना किसी चुनाव के पदाधिकारियों के रूप में एक मंडली के लोगों को अलोकतांत्रिक रूप से नियुक्त किया गया है। इस तरह की पार्टी संरचनाएं भरोसा पैदा करने में विफल रहती हैं। चुनाव आयोग ने पाया कि 2018 में संशोधित शिवसेना का संविधान भारत के चुनाव आयोग को नहीं दिया गया। 1999 के पार्टी संविधान में लोकतांत्रिक मानदंडों को पेश करने के अधिनियम को संशोधनों ने रद्द कर दिया था, जिसे आयोग के आग्रह पर दिवंगत बालासाहेब ठाकरे द्वारा लाया गया था। आयोग ने यह भी कहा कि शिवसेना के मूल संविधान के अलोकतांत्रिक मानदंड, जिन्हें 1999 में आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया गया था, को गोपनीय तरीके से वापस लाया गया, जिससे पार्टी एक जागीर के समान हो गई। आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को लोकतांत्रिक लोकाचार और पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र के सिद्धांतों को प्रतिबिंबित करने और नियमित रूप से अपनी संबंधित वेबसाइटों पर अपनी पार्टी के आंतरिक कामकाज के पहलुओं का खुलासा करने की भी सलाह दी, जैसे कि संगठनात्मक विवरण, चुनाव आयोजित करना, संविधान की प्रति और पदाधिकारियों की सूची।

पटना एयरपोर्ट से चार जोड़ी नई फ्लाइट

पटना-भुवनेश्वर की सीधी उड़ान, 41 जोड़ी विमानों का शेड्यूल जारी

पटना, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पटना एयरपोर्ट प्रशासन ने 41 जोड़ी विमानों का विंटर शिड्यूल जारी किया है. यह 25 मार्च तक प्रभावी रहेगा. पहले पटना एयरपोर्ट से 37 जोड़ी विमानों का परिचालन हो रहा था. पटना से दिल्ली के लिए अब पहली फ्लाइट इंडिगो की सुबह 8.25 बजे है, जबकि आखिरी इंडिगो की ही रात 9.25 बजे है. दिल्ली-पटना- दिल्ली बीच सबसे अधिक 15 जोड़ी फ्लाइट है. मुंबई के लिए 5 विमान जबकि बेंगलुरू व कोलकाता के लिए 3- 3, हैदराबाद, अहमदाबाद, पुणे व गुवाहाटी के लिए 2-2 है. वहीं, अमृतसर, चेन्नई, रांची, लखनऊ, चंडीगढ़ व भुवनेश्वर के लिए एक-एक विमान है. 41 जोड़ी फ्लाइटों में सबसे अधिक इंडिगो की 24 जोड़ी इंडिगो की है जबकि स्पाइसजेट की 6 जोड़ी, गोएयर की 5 जोड़ी, एयर इंडिया की 3 जोड़ी, विस्तारा की दो जोड़ी और फ्लाइबिग की एक जोड़ी विमान है. पटना से भुवनेश्वर के लिए इंडिगो की सीधी फ्लाइट शुरू हो गई है. इस विमान के शुरू हो जाने से पटना से पुरी स्थित जगन्नाथपुरी मंदिर में दर्शन करना आसान हो जाएगा. पहले ये सेवा थी, लेकिन दिसंबर में इसे बंद कर दिया गया था. चंडीगढ़-पटना-भुवनेश्वर के बीच ऑपरेट होने वाली इंडिगो की यह नई फ्लाइट 6 ई 6394 का पटना एयरपोर्ट पर आगमन सुबह 9.25 बजे और प्रस्थान 9.55 बजे है.

छह महीने में ममता बनर्जी को 9 लोकसभा सीटों का झटका

कोलकाता, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को करारी शिकस्त देने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लोकसभा में भी टीम मोदी को रोकने की पूरी तैयारी में जुटी हैं, लेकिन उनकी रणनीति काम आती नहीं दिख रही है. ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, दो सर्वे के नतीजों के आंकड़े ये बता रहे हैं. दोनों सर्वे छह महीने के भीतर किए गए हैं जिसमें ममता बनर्जी को 9 लोकसभा सीटों का झटका लगता दिख रहा है. लोकसभा चुनाव को लेकर अब करीब एक साल ही रह गए हैं. अगले आम चुनाव में पुराने प्रतिद्वंद्वी बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने हैं तो कई क्षेत्रीय धुरंधर भी बड़ा दांव खेलने को तैयार हैं. ममता

बनर्जी भी इनमें से ही हैं. लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीत चुकीं ममता बनर्जी का नाम बीच-बीच में पीएम पद के लिए भी उछलता रहा है. ऐसे में अगर लोकसभा चुनाव में अच्छी सीटें झटकने में टीएमसी कामयाब हुई और परिस्थितियां बनीं तो दांव लग भी सकता है, लेकिन सर्वे के आंकड़े इस पर संकट के बादल दिखा रहे हैं.

2019 में क्या रहा था रिजल्ट

2019 को लोकसभा चुनाव में राज्य की 42 में से 22 सीटें ममता बनर्जी की टीएमसी को मिली थीं. बीजेपी ने बढ़िया प्रदर्शन करते हु 18 सीटों पर कब्जा जमाया था. बीजेपी के प्रदर्शन ने राज्य में ममता बनर्जी की टेंशन बढ़ा दी थी. हालांकि, दो साल बाद हुए विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने प्रचंड बहुमत से तीसरी बार सरकार बनाई. टीएमसी ने विधानसभा की 284 में से 211 सीट पर कब्जा जमाया था.

सर्वे में बढ़ी एनडीए की सीटें

लोकसभा चुनाव में एनडीए को 20 सीटें मिलती दिखाई दे रही हैं. सर्वे में एनडीए की सीटें पिछली बार के मुकाबले बढ़ती दिखाई दे रही हैं. ऐसा ही एक सर्वे टाइम्स नाउ ने छह महीने पहले किया था जिसके मुताबिक तब टीएमसी को 27 से 31 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया था. 2019 से तुलना करें तो टीएमसी को छह महीने पहले के सर्वे में 9 सीटों का फायदा होता दिख रहा था जो अब नजर नहीं आ रहा है. जाहिर है ममता बनर्जी के लिए ये सर्वे टेंशन बढ़ाने वाले ही होंगे. खास तौर पर जब सी वोटर के ताजा सर्वे में पीएम कैंडिडेट के रूप में उन्हें पसंद करने वालों की संख्या बढ़ी है. जनवरी 2023 के सर्वे में 20 फीसदी लोगों ने मोदी के मुकाबले ममता बनर्जी को विपक्ष के नेता के रूप में पसंद किया है.

पुंछ जिले के मेंढर में चला तलाशी अभियान, संदिग्धों की सूचना के बाद इलाके में पहुंचे सुरक्षाबल

पुंछ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पुंछ जिले के मेंढर में सुरक्षाबलों ने शनिवार को बड़े क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। इस बीच कई लोगों से पूछताछ भी की गई। एक अधिकारी ने बताया कि संदिग्धों के मौजूद होने की जानकारी के बाद अभियान चलाया गया।

एक बेटी ऐसी भी! बीमार पिता को दी नई 'जिंदगी'

17 साल की उम्र में दान कर दिया लीवर

कोच्चि, 18 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के कोच्चि में एक 17 वर्षीय लड़की ने पिता-पुत्री के रिश्ते को गौरवान्वित करने का काम किया है. केरल हाईकोर्ट से इजाजत मिलने के बाद लीवर की बीमारी से जूझ रहे अपने पिता को बचाने के लिए 17 वर्षीय लड़की ने अपने लीवर का एक हिस्सा दान कर दिया है, जिसे देश में इस तरह का पहला मामला माना जा रहा है. अस्पताल ने जानकारी देते हुए बताया कि 9 फरवरी को राजागिरी अस्पताल में सर्जरी की गई. बता दें कि साल 2022 में केरल हाईकोर्ट ने उसे लीवर दान करने की मंजूरी दी थी. और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 2014 की धारा 18 के तहत

निर्धारित डोनर होने की उम्र में छूट की मांग की थी. केरल के त्रिशूर जिले की देवानंदा की याचिका को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया था. न्यायमूर्ति वीजी अरुण ने 20 दिसंबर, 2022 के अपने आदेश में कहा था कि यह जानकर खुशी हो रही है कि देवानंदा की अथक लड़ाई आखिरकार सफल हो गई. नाबालिग लड़की के पिता प्रतीश पीजी फैटी लीवर डिजीज से पीड़ित थे. देवानंदा के लिए पिता को बचाने का एकमात्र तरीका लिवर ट्रांसप्लांट के जरिये क्षतिग्रस्त यकृत को बदलना था. मरीज के परिजनों में से सिर्फ उनकी बेटी का लीवर मैचिंग पाया गया था. देवानंदा अपने पिता को बचाने के लिए अपने अंग दान करने को तैयार थी. लेकिन उसकी कम उम्र बाधा बन रही थी. नियम के तहत नाबालिग को अंग दान की इजाजत नहीं है. अदालत ने केरल राज्य अंग ऊतक प्रत्यारोपण संगठन द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट पर विचार करते हुए निर्णय दिया था. इस समिति को देवानंदा के मामले का अध्ययन करने का निर्देश दिया गया था. देवानंदा ने याचिका दायर कर अस्पताल प्रबंधन को निर्देश देने की मांग की थी कि अगर वह चिकित्सकीय रूप से दाता बनने के लिए फिट है तो उसके साथ व्यस्क की तरह व्यवहार किया जाए.

अब्बास अंसारी को कासगंज में सता रहा जान का खतरा

जेल बदलने की मांग, पीएस को लिखा लेटर

कासगंज, 18 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के बेटे और विधायक अब्बास अंसारी को कासगंज जेल में जान का खतरा सता रहा है. भाई उमर अंसारी ने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर अब्बास की सुरक्षा की मांग की है. उन्होंने कासगंज जेल में बंद कुंटू सिंह के जरिए अब्बास अंसारी की हत्या करवाने की साजिश की भी आशंका जताई है. उमर अंसारी ने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर कासगंज से अब्बास अंसारी की जेल बदलने के लिए कहा है. उन्होंने मांग की है कि कासगंज जेल से अब्बास अंसारी का ट्रांसफर उत्तर प्रदेश की सीमा में मौजूद किसी अन्य जिला जेल या केंद्रीय कारागार में किया जाए. लखनऊ के चर्चित अजीत सिंह हत्याकांड में ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह मास्टरमाइंड बताया गया था. अजीत सिंह हत्याकांड के साथ बसपा के पूर्व विधायक सर्वेश उर्फ सीपू सिंह की 2013 में दिनदहाड़े गोली मारकर की गई हत्या में भी कुंटू सिंह का नाम आया था. बता दें कि वर्तमान में कुंटू सिंह कासगंज जेल में बंद है.

कर्नाटक के बजट की खूब सराहना

एचएम सुधाकर बोले- सभी को मिलेगा विकास का 'अमृत'

बेंगलूरू, 18 फरवरी (एजेंसियां)। चुनावी राज्य कर्नाटक में चेक एंड बैलेंस का खेल जारी है. मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने सदन में राज्य का बजट पेश किया, जिसकी बीजेपी नेताओं ने खूब तारीफें की. अब राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने बजट की सराहना करते हुए बजट को लोगों का कल्याण करने वाला बजट बताया. उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा बजट है जिसके 'विकास का अमृत' सभी लोग चख सकेंगे. बोम्मई कैबिनेट में स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने कहा, "बजट में सीएम बसवराज बोम्मई का 'नव भारत के लिए नवकर्नाटक' का विजन साफ नजर आता है और समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं को पंख देता है." उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने इस काल को 'कर्तव्य काल' करार दिया है और

इसके लिए हम सीएम बोम्मई के विजन और विकास के अमृत को जन-जन तक पहुंचाएंगे.

स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे को किया जा सकेगा मजबूत

कर्नाटक के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री के सुधाकर ने शुक्रवार को कहा कि बजट फाइनेंशियल प्रूडेंस और लोगों के कल्याण के बीच एक अच्छा संतुलन बनाता है और यह सभी को "विकास का अमृत" देगा. उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट पर काफी जोर दिया गया है. बागलकोट, यादगिरि, रामनगर और अन्य जिला अस्पतालों में क्रिटिकल केयर ब्लॉक स्थापित करने की घोषणा, राज्य भर में मस्तिष्क स्वास्थ्य पहल के विस्तार के लिए 25 करोड़ रुपए का आवंटन, डायलिसिस सेवा को 1 लाख चक्र तक बढ़ाना, 6 साल से कम उम्र के बच्चों की स्क्रीनिंग के लिए 'वात्सल्य' योजना और जिला केंद्रों में प्रयोगशालाओं की स्थापना, आकांक्षी ब्लॉकों के लिए 720 करोड़ रुपए का आवंटन, राज्य में स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा.

सिल्क सेक्टर पर कर्नाटक सरकार का जोर

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा, "सिडलगट्टा एशिया का दूसरा सबसे बड़ा सिल्क बाजार है. मुख्यमंत्री ने अपने बजट में घोषणा की है कि 75 करोड़ रुपए की लागत से एक उच्च तकनीक वाला सिल्क कोकून बाजार बनाया जाएगा. इससे कोलार और चिक्काबल्लापुर के किसानों का बहुत फायदा होगा." बजट में 32 नई रीलिंग इकाइयों के लिए 10 करोड़ रुपए, श्रेडर के लिए 12 करोड़ रुपए और सिल्क सेक्टर के लिए कई प्रगतिशील पहलों का आवंटन किया गया है." उन्होंने कहा, "मैं रेशम क्षेत्र पर नए सिरे से जोर देने के लिए सीएम को धन्यवाद देता हूं."

पाक तस्करों और बीएसएफ जवानों के बीच मुठभेड़

पाइप से कर रहे थे नशा तस्करी

गुरदासपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अंतराष्ट्रीय भारत पाकिस्तान सीमा पर स्थित बीओपी डेरा बाबा नानक रोड पर शनिवार सुबह बीएसएफ की 113 बटालियन के जवानों और पाकिस्तानी तस्करों के बीच फायरिंग हुई। हालांकि इस दौरान तस्कर धुंध का फायदा उठाते हुए मौके से भागने में सफल हो गए। फायरिंग के बाद बीएसएफ के जवानों की ओर से इलाके की सर्च की गई। जिसमें जवानों को पाइप के जरिए भारत में भेजी गई 20 पैकेट हेरोइन, 2 पिस्तौल, 242 कारतूस और 6 मैगजीन बरामद हुए हैं। डीआईजी प्रभाकर जोशी ने बताया कि सुबह करीब साढ़े पांच बजे गश्त कर रहे जवान को सीमा पर हरकत सुनाई दी। जिसके बाद जवान की ओर से ललकारने के बाद तस्करों की ओर से फायरिंग की गई। जवाब में जवान की ओर से भी कई रौंद फायर किए गए। जिसके बाद बीएसएफ की ओर से सर्च अभियान छेड़ा गया। जिसमें उन्हें सरहद पर कंटीली तार के पास 12 फीट लंबी पाइप मिली। इसी के जरिए हेरोइन की खेप को पार करवाया जा रहा था। हेरोइन व हथियार की खेप को लंबे कपड़े में लपेटा गया था।

फरवरी में ही गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड, मार्च में क्या होगा?

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों ने सरकार, आम जनता और किसानों की टेंशन बढ़ा दी है। जिससे पता चल रहा कि इस बार मार्च में ही गर्मी रिकॉर्ड तोड़ेगी। इससे लोगों को परेशानी तो होगी ही, साथ ही गेंहू की फसल को भी ज्यादा नुकसान होगा।

ये गर्मी अन्य फसलों को भी नुकसान पहुंचाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक आईएमडी के ग्रिडिड डेटासेट से पता चलता है कि देश के कुछ राज्यों में गर्मियां तय वक्त से पहले शुरू हो गई हैं। फरवरी में गर्म मौसम से साफ है कि मार्च में ज्यादा गर्मी पड़ेगी। अधिकतम तापमान पहले से ही 7 राज्यों में मध्य मार्च के स्तर पर है।

पंजाब भी प्रभावित

रिपोर्ट के मुताबिक सात राज्यों में पंजाब भी शामिल है, जो देश में गेहूं का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। पिछले हफ्ते में कम से कम एक दिन औसत अधिकतम तापमान मार्च के मध्य में सामान्य रूप से देखे गए स्तर पर पहुंच गया। अगर टॉप 10 राज्यों की बात करें तो उसमें उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश भी शामिल हैं, जो गेंहू के सबसे बड़े उत्पादक राज्यों में से एक हैं। इस शुरुआती गर्मी का कारण इस साल सर्दियों की बारिश की कमी है।

बारिश की कोई उम्मीद नहीं

16 फरवरी को जारी आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक अगले दो हफ्तों में भी देश के अधिकांश हिस्सों के लिए कोई राहत नहीं है। अगर ये रुझान नहीं बदलते हैं, तो इस वर्ष की सर्दियों की फसल विशेष रूप से गेहूं पर इनका बुरा प्रभाव पड़ेगा।

ये रहे आंकड़े

आईएमडी के मुताबिक भारत में 16 फरवरी को खत्म हफ्ते में औसत अधिकतम तापमान 27.52 डिग्री सेल्सियस था। ये हफ्ते के लिए 1981-2010 के औसत से 0.39 डिग्री ज्यादा है, जिसे 'सामान्य' माना जाता है। पिछले साल इस हफ्ते में औसत अधिकतम 25.4 डिग्री सेल्सियस था। पिछले साल की तुलना में ही काफी ज्यादा तापमान बढ़ा है। वहीं देश के कुछ हिस्सों में गर्मियों की शुरुआत दूसरों की तुलना में तेजी से हो रही है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में इस वर्ष 16 फरवरी को खत्म हफ्ता 1951 के बाद सबसे गर्म, दूसरा सबसे गर्म और तीसरा सबसे गर्म था। राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, ओडिशा और मिजोरम में, ये 10 सबसे गर्म स्थानों में से एक था। पंजाब, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड और तमिलनाडु में भी गर्मी रिकॉर्ड तोड़ रही।

टॉलीवुड एक्ट्रेस को युवक ने वॉट्सऐप पर भेजा डर्टी पिक्चर और मैसेज, एफआईआर दर्ज

कोलकाता, 18 फरवरी (एजेंसियां)। वॉट्सऐप पर डर्टी पिक्चर और मैसेज भेजने का आरोप एक युवक पर लगा है. अभिनेत्री ने युवक के खिलाफ बैरकपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है. अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि उसके नहीं मानने पर उसकी निजी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई.

उन्होंने कहा कि वह पूरी घटना से डरी हुई हैं. प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी पेशे से जिम ट्रेनर है. एक्ट्रेस ने शिकायत की कि युवक कई दिनों से उनके व्हाट्सएप पर तरह-तरह की अश्लील तस्वीरें भेज रहा था और गलत मैसेज दे रहा था. एक्ट्रेस ने दावा किया कि उन्होंने पहले नंबर ब्लॉक किया और फिर युवक उन्हें छेड़ता रहा. एक्ट्रेस ने आगे आरोप लगाया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर दूसरे नंबर से मैसेज भेजे. युवक ने प्रपोजल नहीं मानने पर फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी. मालूम हुआ है कि वह शख्स एक्ट्रेस का कजिन है. इसके बाद उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज करायी.

आखिरकार सामने आ ही गया निक्की यादव और साहिल की शादी का सबसे बड़ा 'सबूत',

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। गुड़गांव से सटे नजफगढ़ में कथित तौर पर लिव-इन पार्टनर की हत्या के मामले में मुख्य आरोपित साहिल गहलोत के पिता वीरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है. पिता पर उनके बेटे की प्रेमिका निक्की यादव की हत्या के मामले में आपराधिक साजिश रचने का आरोप है. साथ ही दिल्ली पुलिस के एक सिपाही को भी पकड़ा गया है. दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए, विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध शाखा) रवींद्र सिंह यादव ने कहा कि जांच अधिकारियों को पता चला कि पिता वीरेंद्र सिंह को इस बात की जानकारी थी कि उनके बेटे ने निक्की की हत्या कर दी. इसके चलते वीरेंद्र सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है. अपराध में गहलोत की मदद करने के आरोप में दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल नवीन को भी गिरफ्तार किया गया है. सिपाही गहलोत का रिश्तेदार है. क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले कहा था कि मामले में साहिल गहलोत के दो दोस्तों और दो चचेरे भाइयों से पूछताछ की जा रही है. क्योंकि उन्हें "हत्या के बारे में जानकारी थी". पुलिस ने कहा कि पांच सह-आरोपियों ने पुलिस से तथ्य छिपाए और गहलोत को कानूनी कार्रवाई से बचने और सबूत नष्ट करने में मदद की थी. जांच के दौरान एक और जानकारी सामने आई है कि साहिल गहलोत ने 2020 में ग्रेटर नोएडा के एक 'आर्य समाज' मंदिर में निक्की यादव से शादी की थी,

कुरियर कंपनी की गाड़ी रोक 3.88 करोड़ रुपये के आभूषण लूट ले गए बदमाश

अहदाबाद, 18 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले से बड़ी खबर आ रही है। यहां एक कुरियर कंपनी की गाड़ी से 3.88 करोड़ रुपये के चांदी और नकली आभूषण बदमाशों ने लूट लिए। ये घटना राजकोट-अहमदाबाद पर सायला कस्बे के पास हुई। सुरेंद्रनगर जिले के पुलिस अधीक्षक हरेश दुधत ने कहा कि लुटेरे तीन कारों में आए और शुक्रवार देर रात राजकोट-अहमदाबाद राजमार्ग पर सायला कस्बे के पास कुरियर कंपनी का वैन रोक लिया। दुधात ने कहा, 'हमलावर 3.88 करोड़ रुपये के आभूषण लूटने के बाद अपने वाहनों में भाग गए। हमने अपराधियों को पकड़ने के लिए 15 टीमों का गठन किया है।' कूरियर कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि वैन में जो गहने रखे थे, उसे देशभर के अलग-अलग हिस्सों में भेजना था। हमारी वैन हर दिन राजकोट से अहमदाबाद हवाई अड्डे पर कीमती सामान पहुंचाती है। वैन चालक ने शुक्रवार देर रात किसी और के मोबाइल से हमें फोन किया और हमें सूचित किया कि कुछ लोगों ने उसे पीटने के बाद आभूषण पार्सल लूट लिए हैं।

जमशेदपुर में मालगाड़ी बेपटरी, जमीन पर दौड़ने लगी ट्रेन

जमशेदपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के टाटानगर रेलवे स्टेशन से तीन किलोमीटर दूर सालगाझुड़ी वेस्ट केबिन के पास शनिवार सुबह मालगाड़ी के बेपटरी हो गई। इस घटना से टाटा-हावड़ा- मुंबई मार्ग ठप पड़ गया है। रेलवे के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच कर रेल ट्रैक खाली कराने का प्रयास कर रहे हैं। जमशेदपुर के टाटानगर रेलवे स्टेशन से हावड़ा जाने वाली रूट पर सालगाझुड़ी वेस्ट केबिन के पास मालगाड़ी बेपटरी होकर जमीन पर दौड़ने लगी, जिसके कारण विपरीत दिशा से आ रही दूसरी मालगाड़ी से ये ट्रेन टकरा गई। हालांकि चालक की सूझबूझ से समय रहते गाड़ी पर नियंत्रण किया जा सका है। जिससे घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी रेस्क्यू टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद

सुविचार: रौशनी तक पहुंचने के लिए आपको अंधेरे से गुजारना ही पड़ता है..

खम्मम व वारंगल के लोगों की वंदे भारत एक्सप्रेस में दिलचस्पी

यात्रियों बता रहे है रेल सेवा का एक बेहतर माध्यम

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे की सबसे प्रतिष्ठित ट्रेन-वंदे भारत एक्सप्रेस 15 जनवरी को सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम के बीच शुरू की गई है और इस एक महीने की अवधि के दौरान रेल उपयोगकर्ताओं से भारी प्रतिक्रिया मिली है। ट्रेन चार मध्यवर्ती स्टेशनों अर्थात वारंगल, खम्मम, विजयवाड़ा और राजमुंदरी पर रुकती है। इन मध्यवर्ती स्टेशनों पर भी इस ट्रेन का संरक्षण बहुत अच्छा रहा है और बहुत आशावादी तरीके से प्रगति कर रहा है।

खम्मम तेलंगाना का एक बहुत ही महत्वपूर्ण शहर है और दिन के समय इस प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत ने इस क्षेत्र के लोगों के लिए यात्रा का अच्छा अवसर प्रदान किया है। पिछले एक महीने की अवधि के दौरान, 1,182 यात्रियों ने खम्मम से वारंगल और सिकंदराबाद की यात्रा की है, अन्य 2,768 यात्रियों ने विजयवाड़ा, राजमुंदरी और विशाखापत्तनम की यात्रा की है। दूसरी ओर, विशाखापत्तनम की ओर से खम्मम में 1,274 यात्री आए हैं, जबकि अन्य 1,806 यात्रियों ने सिकंदराबाद की ओर से खम्मम की यात्रा की है। दूसरे शब्दों में, खम्मम स्टेशन से प्रतिदिन औसतन 95 लोग वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार हुए हैं, जबकि अन्य 106 यात्री प्रतिदिन खम्मम स्टेशन से ट्रेन से उतरे हैं।

राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय (माली) संघ
कोलसावाडी, बेगम बाजार, हैदराबाद
विशेष साधारण सभा
आज रविवार दि. 19-2-2023
राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली समाज के सभी बन्धुओं को सूचित किया जाता है कि 'समाज की विशेष साधारण सभा' रविवार दि. 19-2-2023 को दोपहर 1:15 बजे से राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली संघ, (पंवार हॉल, तीसरा माला) कोलसावाडी, बेगम बाजार, हैदराबाद में रखी गई है। संघ में पार्किंग के विषय पर माननीय कोर्ट के द्वारा संघ के पक्ष में आए फैसले पर तथा संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के चुनाव पर सभा द्वारा चर्चा की जायेगी। अन्य विषय पर अध्यक्षजी की अनुमति से चर्चा की जायेगी। सभी समाज बन्धुओं से निवेदन है कि ठीक समय पर पधारकर सभा को सफल बनाए।
-: निवेदक :-
रामपाल देवड़ा अध्यक्ष फोन : 91777 72140
प्रकाश साँखला मंत्री फोन : 9885058889
नानूराम कच्छवाहा कोषाध्यक्ष फोन : 9391087270

कंटी वेलुगु योजना गरीबों के लिए वरदान

इजाल से बदल रही है जिन्दगी

कंटी वेलुगु शिविरों में आए लोगों ने दी बेहतर प्रतिक्रिया

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गांवों में कई लोग आंखों की समस्या से पीड़ित हैं और कंटी वेलुगु योजना ऐसे लोगों के लिए वरदान साबित हुई है। लोग आंखों की जांच करवा रहे हैं। साथ ही आर्थिक तंगी के कारण अस्पताल नहीं जा पाने वाले कई लोगों को इन केंद्रों के माध्यम से उचित इलाज मुहैया करा रहे हैं। दवाईयां व चश्मा नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाता है। जिन्हें इसकी जरूरत है, उन्हें ऑपरेशन के लिए चुना जा रहा है। आंखों की जांच कराने के बाद मैंने चश्मा भी लगवाया। चश्मे की क्वालिटी अच्छी है। बहुत से लोग जिन्हें पहले आँखों की समस्या नहीं थी, उन्हें इन परीक्षणों के माध्यम से समस्या हो रही है। बिना एक पैसा खर्च किए बेहतर सेवाएं प्रदान की जाती हैं। परीक्षा केंद्र पर आने वालों के लिए खास इंतजाम किए गए हैं, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। मुफ्त में चश्मा दिया गया। आंखों की रोशनी बेहतर दिखती है। नलगोंडा जिले के दिहाड़ी मजदूर मोहम्मद नसीम और श्याम चंद्र ने कहा कि कंटी वेलुगु योजना बहुत अच्छी है। हम यहां इसलिए आए क्योंकि हमारे उद्योग में काम करने वाले हमारे साथी कर्मचारियों ने हमें बताया कि वे कंटी वेलुगु योजना में सभी को मुफ्त नेत्र परीक्षण और चश्मा प्रदान कर रहे हैं, क्योंकि आंखों की रोशनी अच्छी नहीं है। आंखें अब पहले से ज्यादा साफ हैं क्योंकि डॉक्टरों ने आंखों की जांच की है और नजर कमजोर होने का पता चलने पर मुफ्त चश्मा दिया है। आंखों का चश्मा भी बहुत अच्छा होता है।

इस योजना से हम जैसे गरीबों को बहुत लाभ होगा। ऐसा लगता है कि कंटी वेलुगु योजना के साथ एक नया रूप सामने आया है। चिमाला लिंगास्वामी वेलिमिनेडु गांव, नलगोंडा जिले के रहने वाले है। कंटी वेलुगु लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है। मैं नेत्र चिकित्सा शिविर में अपनी आंखों की जांच कराने आया था। डॉक्टर ने आंखों की जांच की और चश्मा लगाने को कहा। अब दृष्टि अच्छी दिख रही है।

राष्ट्र की एकता और अखंडता को बहाल करेगी बीआरएस : कविता

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के. कविता ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कुछ ताकतों को दूर रखने के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की शुरुआत की है, जो देश की शांति और प्रगति के लिए खतरा बन गई हैं। एमएलसी कविता ने शनिवार को महा शिवरात्रि उत्सव के अवसर पर आलमपुर में बाल ब्रह्मेश्वर स्वामी मंदिर और गडवाल जिले में श्री जोगुलाम्बा अम्मावरी मंदिर का दौरा किया और पीठासीन देवताओं की पूजा की। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए, बीआरएस एमएलसी ने कहा कि कुछ विभाजनकारी ताकतें देश को सांप्रदायिक आधार पर विभाजित करने और समाज में शांति भंग करने का काम कर रही हैं। कविता ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर अस्वास्थ्यकर राजनीतिक माहौल पैदा करने वाली विभाजनकारी ताकतों से चिंतित, के चंद्रशेखर राव ने देश में एकता और अखंडता को बहाल करने के लिए बीआरएस लॉन्च किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री जोगुलम्बा अम्मावरी मंदिर के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने वादा किया कि वह आने वाले दिनों में मंदिर की शान बढ़ाने की कोशिश करेंगी।

भले ही आलमपुर कृष्णा और तुंगभद्रा नदियों के पास स्थित है, संयुक्त आंध्र प्रदेश में क्रमिक सरकारों द्वारा सिंचाई और पेयजल उपलब्ध कराने में इस क्षेत्र की उपेक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद मिशन भागीरथ के माध्यम से सभी घरों में पेयजल की आपूर्ति की जा रही है और परियोजनाओं को सुदृढ़ कर सभी कृषि क्षेत्रों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

नगर में बढा तापमान, फरवरी के मध्य में 'मार्च की हीट'

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जैसे-जैसे हैदराबाद में तापमान बढ़ता जा रहा है, निवासी फरवरी के मध्य में 'मार्च हीट' के प्रभाव को महसूस कर रहे हैं। हाल के दिनों में पारा 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के साथ, शहर असामान्य रूप से तेज गर्मी के लिए तैयार हो रहा है। अचानक गर्म मौसम की स्थिति ने कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है, क्योंकि सर्दियों का मौसम आमतौर पर फरवरी के अंत तक रहता है। शहर के उपनगर हयातनगर में शनिवार को तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आने वाले हफ्तों में हैदराबाद में तापमान और बढ़ने की उम्मीद है, गर्मी के चरम महीनों के दौरान तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार करने की उम्मीद है। इस बीच, शहर में अगले चार दिनों में रातें आरामदायक रहने की उम्मीद है, न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहेगा।

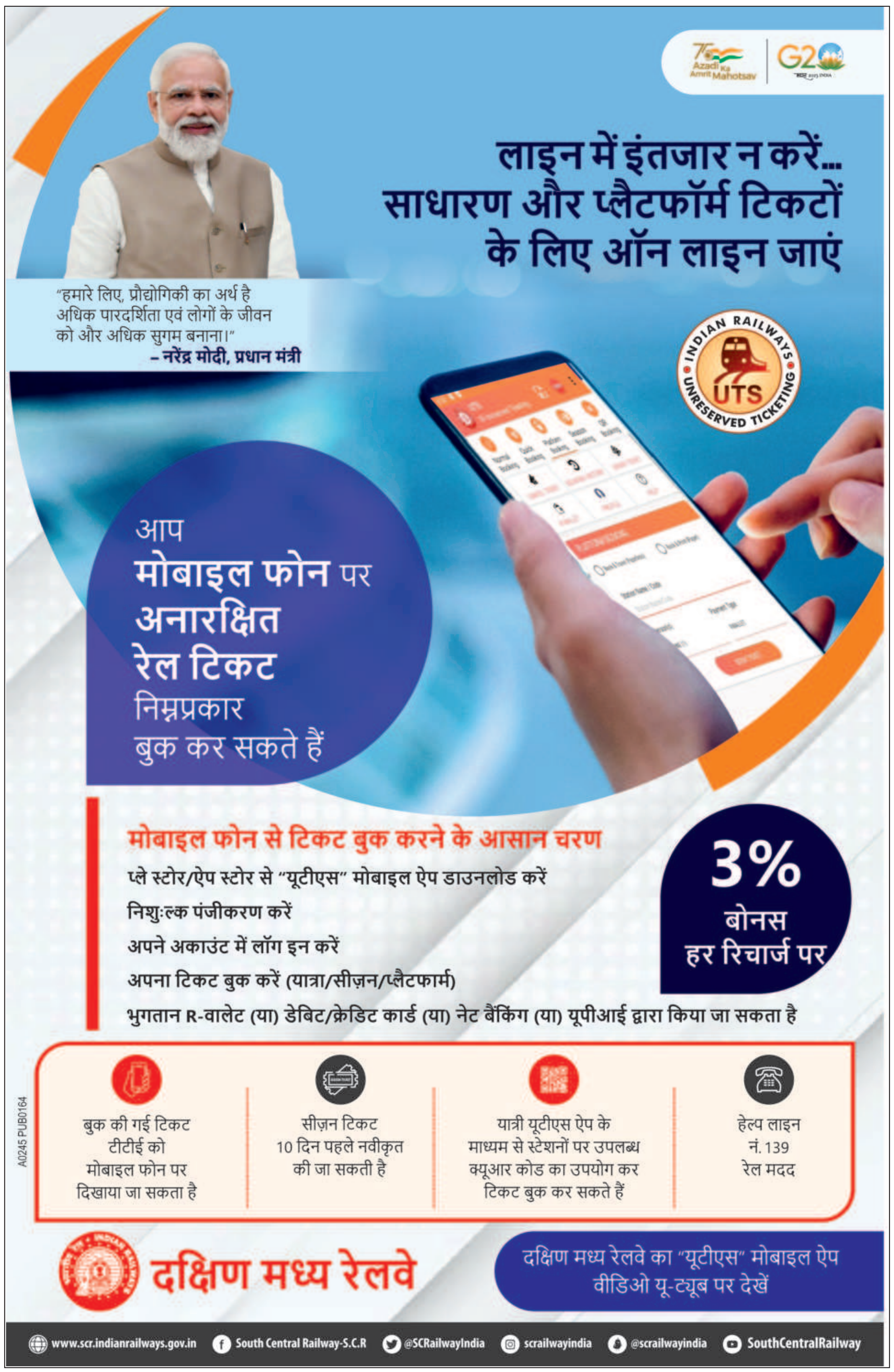

राज्यभर के मंदिरों में भक्तों की भीड़

प्रातःकाल से ही मंदिरों में गुंजायमान रहे 'ओम नमः शिवाय' के जयकारे

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को तेलंगाना राज्य के मंदिरों में महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर पूजा-अर्चना करने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी। ओम नमः शिवाय के जयकारे से मंदिर गुंजायमान रहे। महा शिवरात्रि सबसे शुभ हिंदू त्योहारों में से एक है जिसे पूरे भारत में मनाया जाता है। इस दिन राज्य के सभी हिस्सों में हर-हर महादेव के जयकारे सुने जाते हैं। तेलंगाना में वेमुलावाड़ा राजन्ना मंदिर, हजार खंभे मंदिर, कीसरा रामलिंगेश्वर मंदिर, रामप्पा मंदिर और एडुपायलु वाना दुर्गामाता मंदिर में भारी भीड़ देखी गई। कई लोग कीसरगुट्टा के ऊपर प्रसिद्ध रामलिंगेश्वर मंदिर में भी बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और प्रार्थना की। लगभग सभी मंदिरों में रस्में सुबह 4.30 बजे से ही शुरू हो गईं, जिसमें पुजारियों ने विशेष पूजा की एक श्रृंखला की। इस बीच, बंदोबस्ती मंत्री ए इंद्रकरन रेड्डी ने शनिवार को वेमुलावाड़ा में श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर में शुरू हुई महा शिवरात्रि जतारा के अवसर पर भगवान शिव को रेशमी वस्त्र भेंट किए। मंत्री के साथ जिला परिषद अध्यक्ष न्यालाकोंडा अरुणा, वेमुलावाड़ा नगरपालिका अध्यक्ष रामतीर्थपु माधवी, कलेक्टर अनुराग जयंती, एसपी अखिल महाजन और अन्य लोगों ने राज्य सरकार की ओर से पीठासीन देवता को रेशमी कपड़े भेंट किए। इससे पहले, टीटीडी के उप कार्यकारी अधिकारी हरिनाथ ने सदियों पुरानी परंपरा को जारी रखते हुए राजराजेश्वर स्वामी को रेशमी कपड़े भेंट किए। मंदिर में इंद्रकरन रेड्डी ने भी शिवार्चन का उद्घाटन किया। तीन दिवसीय महा शिवरात्रि जतारा में भाग लेने के लिए मंदिर आने वाले भक्तों के मनोरंजन के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। दूसरी ओर, एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने उत्सव के अवसर पर आलमपुर के बाला ब्रह्मेश्वर मंदिर में विशेष पूजा की। वित्त मंत्री टी हरीश राव ने मेडक जिले के एडुपायलु में वाना दुर्गामाता मंदिर का दौरा किया और राज्य सरकार की ओर से देवी को रेशमी कपड़े भेंट किए। हर साल शिवरात्रि पर्व के अवसर पर मंदिर में जतारा का आयोजन किया जाता है। पंचायत राज मंत्री एर्राबेल्ली दयाकर राव ने वारंगल जिले के श्री पालकुर्थी सोमेश्वर लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर में पूजा अर्चना की, जबकि विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुकेंदर रेड्डी ने नलगोंडा जिले के तिप्पर्थी मंडल में श्री महादेव मार्कंडेय मंदिर में विशेष पूजा की। आदिम जाति कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने महबूबाबाद जिले के कुरावी मंडल में वीरा भद्र स्वामी मंदिर में विशेष पूजा में भाग लिया।

किशन ने 29वीं अखंड ज्योति यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज बरखटपुरा के यादाद्रि भवन में 29वीं अखंड ज्योति यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा का समापन यादगिरि गुट्टा मंदिर में होगा। उन्होंने इस अवसर पर यदाद्री मंदिर के पीठासीन देवता श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी की विशेष पूजा भी की। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, किशन रेड्डी ने कहा कि वह 2004 से बिना किसी ब्रेक के यात्रा में भाग ले रहे हैं और कहा कि वह इतने लंबे समय तक यात्रा में भाग लेने के लिए भाग्यशाली हैं। यह कहते हुए कि यात्रा यादगिरिगुट्टा मंदिर तक पहुँचती है, उन्होंने कहा कि यात्रा को हर साल शिवरात्रि उत्सव के दिन हरी झंडी दिखाई जाती है और कहा कि यात्रा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी ब्रह्मोत्सवम के शुभारंभ की नींव रखेगी। उन्होंने नरसिम्हा स्वामी के भक्तों को यदागिरि गुट्टा के रास्ते में यात्रा में भाग लेने की सलाह दी। अपने मंदिरों को विकसित करना हिंदू समाज की संस्कृति का हिस्सा बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सभी हिंदुओं की जिम्मेदारी है कि वे मौजूदा मंदिरों के अलावा मंदिरों का निर्माण भी करें। उन्होंने कहा कि उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार की ओर से केदारनाथ और बद्रीनाथ मंदिरों का जीर्णोद्धार किया था और कहा कि उन्होंने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन कॉरिडोर भी बनाया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने भक्तों की सुविधा के लिए श्रीशैलम मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में बुनियादी सुविधाएं विकसित की हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि वे केंद्र सरकार के फंड से तेलंगाना राज्य के जोगुलम्बा मंदिर का विकास कर रहे हैं।

उन्होंने याद किया कि उन्होंने हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों से भद्राचलम सीताराम स्वामी मंदिर और रामप्पा मंदिर में विभिन्न विकास कार्यक्रमों की नींव रखी थी।

सीएम केसीआर ने दी महाशिवरात्रि की बधाई

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने शनिवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर राज्य और देश के लोगों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपवास, रात्रि जागरण, भक्ति भाव से शिव के नाम का जाप और अभिषेक करने जैसी आध्यात्मिक गतिविधियों से सभी के जीवन में आत्मशुद्धि और परिवर्तन आएगा। केसीआर ने लोगों से शिवरात्रि पर्व को भक्ति और उत्साह के साथ मनाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों पर भगवान शिव की कृपा बनी रहने की प्रार्थना की। सीएम केसीआर ने कामना की कि महादेव के आशीर्वाद से सभी का जीवन फले-फूले, जिन्हें हिंदुओं द्वारा लयकारा और अर्धनारीश्वर भी कहा जाता है।

सिकंदराबाद छावनी बोर्ड के चुनाव को मिली हरी झंडी

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड के चुनाव की बाधाएं दूर हो गई हैं। अंत में संयुक्त रक्षा सचिव राकेश मित्तल ने सिकंदराबाद छावनी बोर्ड चुनाव के लिए अधिसूचना जारी की है। चुनाव 30 अप्रैल को होंगे। सिकंदराबाद छावनी में कुल 8 वार्ड हैं। सिकंदराबाद को छोड़कर सभी 57 छावनियों में मतदान होगा। केंद्रीय रक्षा विभाग के तहत सिकंदराबाद छावनी शासी परिषद के लिए 2015 में चुनाव हुए थे। 8 वार्डों के लिए चुने गए 8 सदस्य उनमें से एक को बोर्ड की गवर्निंग काउंसिल के उपाध्यक्ष के रूप में चुनते हैं। गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों को फरवरी 2015 में शपथ दिलाई गई थी। आंध्र, तेलंगाना (आंध्र तेलंगाना) उप क्षेत्र कमांडर सेना से संबंधित है वे अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहा है। पांच साल का कार्यकाल फरवरी 2020 में समाप्त हो गया। हालांकि, रक्षा विभाग ने चुनाव नहीं कराया। छह माह तक इसी गवर्निंग काउंसिल को चालू रखने का आदेश जारी किया है। बाद में, गवर्निंग काउंसिल के कार्यकाल को और छह महीने के लिए बढ़ाने के आदेश जारी किए गए। इस तरह पुरानी गवर्निंग बॉडी फरवरी 2021 तक चलती रही।

लगभग 9 महीने तक बिना छावनी चुनाव कराए रक्षा विभाग खामोश रहा, सबकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। नवंबर 2021 में अन्य छावनियों के साथ सिकंदराबाद छावनी के लिए एक नागरिक मनोनीत सदस्य नियुक्त किया गया है। फरवरी 2022 में मनोनीत सदस्य का कार्यकाल एक बार फिर बढ़ाया गया। इसमें कहा गया है कि छावनी अधिनियम संशोधन विधेयक संसद में लंबित है और विधेयक को मंजूरी मिलने के बाद चुनाव होंगे। फिर अगस्त 2022 में मनोनीत सदस्य का कार्यकाल बढ़ाया गया। जैसा कि स्पष्ट है कि नया कानून लागू होने पर भी गवर्निंग काउंसिल के चुनाव नहीं होंगे, छावनी के राजनीतिक हलकों को संसद में लंबित बिल का इंतजार है। अब सभी बाधाएं दूर हो गई हैं और सिकंदराबाद छावनी बोर्ड के चुनाव की तैयारी की जा रही है। छावनी अधिनियम के अनुसार, अब तक बोर्ड की गवर्निंग काउंसिल के चुनाव बिना राजनीतिक दलों और बिना पार्टी चिन्हों के होते थे। हालांकि नेता संबंधित राजनीतिक दलों के समर्थन से बोर्ड चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन वे मान्यता प्राप्त चुनाव चिन्ह आवंटित नहीं कर रहे हैं।

654 भारतीय मछुआरे और 51 भारतीय नागरिक पाकिस्तान की हिरासत में

नई दिल्ली, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत ने पाकिस्तान से उसकी हिरासत में मौजूद भारतीय कैदियों, लापता रक्षा कर्मियों और मछुआरों को उनकी नावों सहित जल्द रिहा करने और स्वदेश भेजने की मांग की है। विदेश मंत्रालय के अनुसार पाकिस्तान ने स्वीकार किया है कि 654 भारतीय मछुआरे और 51 भारतीय नागरिक कैदी उसकी हिरासत में हैं।

भारत और पाकिस्तान हर साल एक जनवरी और एक जुलाई को एक दूसरे देश की जेलों में बंद असैनिक कैदियों और मछुआरों की सूची साझा करते हैं। इस समय 339 पाकिस्तानी कैदी और 95 मछुआरे भारत की हिरासत में हैं। केन्द्र सरकार ने पाकिस्तान से 631 भारतीय मछुआरों और दो भारतीय असैनिक कैदियों को शीघ्र रिहा करके स्वदेश वापस भेजने के लिए कहा है, जिनकी सजा पूरी हो चुकी है और राष्ट्रीय की पुष्टि हो चुकी है।

इसके अलावा पाकिस्तान को भारतीय माने जाने वाले शेष 30 मछुआरों और पाकिस्तान की हिरासत में मौजूद 22 असैनिक कैदियों का तत्काल कोंसली एक्सेस प्रदान करने के लिए कहा गया है। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार ऐसा माना जाता है कि युद्धबंदियों सहित 83 भारतीय रक्षाकर्मी पाकिस्तान की हिरासत में मौजूद है, लेकिन अभी तक पाकिस्तान ने उनके बारे में कोई पुष्टि नहीं की है। उन्होंने कहा कि सरकार लापता रक्षा कर्मियों की रिहाई और प्रत्यावर्तन के मामले को लगातार राजनयिक माध्यमों से पाकिस्तान के साथ उठाती रही है। इस मामले को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग ने इस साल एक जनवरी को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के साथ फिर से उठाया है। अधिकारियों ने बताया कि 2014 से अब तक 58 भारतीय असैनिक कैदियों, 2160 भारतीय मछुआरों और मछली पकडने वाली 57 भारतीय नौकाओं को पाकिस्तान से वापस लाया गया है। इसमें पांच भारतीय असैनिक कैदी और 40 भारतीय मछुआरे शामिल है जिन्हें 2022 में पाकिस्तान से वापस लाया गया है।

वेमुलावाड़ा मंदिर को 400 करोड़ आवंटित करने के वादे को पूरा करने में विफल रहे केसीआर : बंडी

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा बंदी संजय ने शिवरात्रि उत्सव के अवसर पर जिले की अपनी यात्रा के दौरान वेमुलावाड़ा में श्री राजा राजेश्वर स्वामी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर में पूजा करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने सीएम केसीआर पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सीएम मंदिर के विकास के लिए 400 करोड़ रुपये मंजूर करने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने अपना वादा पूरा न करके भगवान शिव को धोखा दिया है और कहा कि भगवान शिव केसीआर को वादा पूरा करने में विफल रहने के लिए एक करारा सबक सिखाएंगे। मंदिर में भक्तों को हो रही समस्याओं पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भक्तों के पास मंदिर में पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भक्तों की गालियां सुनने के बाद भी केसीआर को शर्म नहीं आई और कहा कि वे अपने जीवन में सीएम को कभी नहीं भूलेंगे।

आगे बोलते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने यह दावा नहीं किया कि राज्य ने कहा कि उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार की प्रसादम योजना के तहत वेमुलावाड़ा मंदिर के विकास के लिए उनके बार-बार अनुरोध के बावजूद केंद्र को कोई प्रस्ताव नहीं भेजा। उन्होंने कहा कि मंदिर के विकास के लिए फंड लाने के उनके वादे का राज्य सरकार पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि उन्होंने तेलंगाना में केसीआर के शासन को समाप्त करने के लिए मंदिर के पीठासीन देवता से प्रार्थना की है।

वेमुलावाड़ा मंदिर को 50 करोड़ रुपये से विकसित किया जाएगा : इंद्रकरण

धर्मस्व मंत्री ने वेमुलावाड़ा में राजराजेश्वर स्वामी को रेशमी कपड़े भेंट किए

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मस्व मंत्री ए. इंद्रकरन रेड्डी ने शनिवार सुबह वेमुलावाड़ा के श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर में महाशिवरात्रि जतारा के अवसर पर भगवान शिव को रेशमी वस्त्र भेंट किए। मंत्री के साथ जिला परिषद अध्यक्ष न्यालाकोंडा अरुणा, वेमुलावाड़ा नगरपालिका अध्यक्ष रामतीर्थपु माधवी, कलेक्टर अनुराग जयंती, एसपी अखिल महाजन और अन्य लोगों ने राज्य सरकार की ओर से पीठासीन देवता को रेशमी कपड़े भेंट किए। इससे पहले, टीटीडी के उप कार्यकारी अधिकारी हरिनाथ ने सदियों पुरानी परंपरा को जारी रखते हुए राजराजेश्वर स्वामी को रेशमी कपड़े भेंट किए। शुक्रवार रात परिवार के सदस्यों के साथ मंदिर पहुंचे मंत्री ने तीन दिवसीय महा शिवरात्रि जतारा में भाग लेने के लिए मंदिर आने वाले भक्तों के मनोरंजन के लिए आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम शिवार्चन का उद्घाटन किया।

मंत्री मंत्री ने कहा कि भक्तों को अधिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए 50 करोड़ रुपये के साथ श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर, वेमुलावाड़ा में और विकास कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, इंद्रकरन रेड्डी ने भक्तों को महाशिवरात्रि की बधाई दी। वेमुलावाड़ा को सबसे बड़ा शिव मंदिर बताते हुए उन्होंने कहा कि यह गरीबों का भी पसंदीदा मंदिर है। आईटी मंत्री केटी रामाराव और स्थानीय विधायक सी रमेश बाबू के सहयोग से तीर्थयात्रियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देश के आधार पर, कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के माध्यम से मंदिर के टैंक को गोदावरी के पानी से भर दिया गया है। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि जतारा के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए सभी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं।

पूर्व विधायक पतपति सर्राजू का 72 साल की उम्र में निधन

भीमावरम, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेशराज्य क्षत्रिय निगम के अध्यक्ष और पूर्व विधायक पटापति सर्राजू का शुक्रवार रात यहां दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं।

सर्राजू 2004 में उंडी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर चुने गए थे। उन्हें जगन सरकार द्वारा क्षत्रिय निगम के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था। वह शुक्रवार की रात भीमावरम में एक शादी में शामिल होने गया था और घर लौटने के बाद उसे दिल का दौरा पड़ा। परिजन आनन-फानन में कस्बे के एक निजी अस्पताल में ले गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

चंद्रबाबू नायडू घायल पार्टी कार्यकर्ताओं से अस्पताल में मिले

विजयवाड़ा, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने उस अस्पताल का दौरा किया जहां अनपार्थी में पुलिस लाठीचार्ज में घायल तेदेपा कार्यकर्ताओं का इलाज चल रहा है। अपने दौरे के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों का सरकार के प्रति विरोध देखने के लिए पुलिस को उकसाया गया। उन्होंने सवाल किया कि जो पाबंदियां जगमपेट और पेद्दापुरम में नहीं थीं, वे अनापार्थी में ही क्यों आ गईं। इसके बावजूद, नायडू ने घोषणा की कि असहयोग जारी रहेगा।नायडू ने घायल कार्यकर्ताओं के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और कहा कि तेदेपा पार्टी हर संभव तरीके से उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह उनके खिलाफ अवैध मामलों को कानूनी रूप से लड़ेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने स्थिति से निपटने के सरकार के तरीके की भी आलोचना की और दावा किया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अनुचित बल का प्रयोग किया।

मंत्री रोजा ने रिक्शे से की काशी की सैर

विजयवाड़ा, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पर्यटन मंत्री, आरके रोजा ने हाल ही में काशी (वाराणसी के रूप में भी जाना जाता है) में सबसे प्रसिद्ध भगवान शिव के मंदिरों में से एक का दौरा किया और विशेष प्रार्थना करके पीठासीन देवता का विशेष अनुष्ठान किया। अपनी यात्रा के दौरान, मंत्री ने काशी शहर को देखने के लिए एक तरीका निकाला। उनको सड़कों पर रिक्शा की सवारी का आनंद लेते हुए देखा गया, जैसा कि एक वायरल वीडियो में कैद है जो वर्तमान में इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। फुटेज में, वह काशी में होने वाले विभिन्न अनुष्ठानों का पालन करती हुई दिखाई दे रही है, जिसमें गंगा आरती समारोह भी शामिल है। आरती गंगा नदी की पूजा करने के लिए किया जाने वाला एक दैनिक अनुष्ठान है।

गोदावरी नदी में तीन युवकों के डूबने की आशंका

एलुरु, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पट्टीसीमा में शनिवार को महाशिवरात्रि समारोह के दौरान गोदावरी में तीन युवकों के डूबने की आशंका जताई जा रही है। खबरों के मुताबिक, त्योहार के दिन सात लोग गोदावरी नदीमें डुबकी लगाने गए थे और उनमें से तीन, जिनकी पहचान पूर्वी गोदावरी जिले के दोसापुडु के निवासियों के रूप में हुई है, लापता हो गए हैं। एक बचाव दल ने तुरंत जगह पर तलाशी अभियान शुरू किया।

CLASSIFIEDS

WANTED

FAST MANAGEMENT WANTED . MARKAYTIG FILD OFFICERS SECURITY GUARD HOUSKIPIG MANPAWAR SUPPLY CALL ME NUMBER 9247383030 9393656543

3 व्हीलर, 4 व्हीलर वाहन चलाने के लिए के लिए ड्राइवर चाहिए, वेतन 12,000, रूम और भोजन फ्री। उम्र 35 के अंदर। यूपी, बिहार और छत्तीसगढ़ लोगों को मुख्य रूप से। सिकंदराबाद स्टेशन के पास। संपर्क : 9652421196, 040- 27503331

CHANGE OF NAME

I, NIKHAT SULTANA, R/o, 19-4-418/1/12, Bahadurpura,Behind Metro Theatre, Hyd-64, have change name as NIKHATH SULTANA W/o KHALID BIN FARAJ MISRI

I, Aedla Mamatha, R/o.4-9-559/2, Plot No.18, Vinayak Nagar cly, Hayath Nagar, Rachakonda, T.S, changed my name as Aedla Mamatha Reddy W/o. Aedla Santosh Reddy.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से स्थित समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जगनान्ना कॉलोनियों में गुणवत्तापूर्ण घरों के निर्माण पर ध्यान दें : जगन

अमरावती, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने अधिकारियों को सीमेंट, स्टील और ईंटों के परीक्षण के लिए राज्य भर में पहले से स्थापित 36 प्रयोगशालाओं का उपयोग करके जगनान्ना कॉलोनियों में घरों के निर्माण में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित आवास की समीक्षा बैठक में कहा कि घर का होना गरीबों का सपना होता है और गुणवत्तापूर्ण घरों का निर्माण ही गरीबों को खुश रखेगा। उन्होंने कहा कि पूर्ण किए गए ले-आउट में प्राथमिकता के आधार पर पानी, बिजली और जल निकासी जैसे बुनियादी ढांचे को उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाने चाहिए, इसके स्वरूपवा में ग्राम और वार्ड सचिवालयों की महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। जब अधिकारियों ने उन्हें बताया कि विभिन्न जिलों में अदालती मामलों के कारण 30,000 लोगों के घरों के निर्माण में देरी हो रही है, तो उन्होंने अधिकारियों को उनके लिए आवास स्थल वितरित करने के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने उन्हें सूचित किया कि अदालतों में लंबित मामलों के कारण उन्होंने पहले ही प्रकाशम और अनंतपुरम जिलों में दो लेआउट के लिए वैकल्पिक भूमि का चयन कर लिया है। मुख्यमंत्री ने टिडको आवासों के निर्माण का भी जायजा लिया और कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में सरकार ने इनके निर्माण और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने पर 8,734 करोड़ रुपये खर्च किए जबकि 5 साल के टीडीपी शासन में व्यय केवल 8015 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को अतिरिक्त रूप से 10,339 करोड़ रुपये का लाभ मिला क्योंकि सरकार ने उनके योगदान को माफ करने के बाद उन्हें 300 वर्ग फुट का घर भी मुफ्त दिया है। इसके अलावा सरकार ने 365 और 430 वर्गफीट क्षेत्र में बन रहे आवासों के लिए हितग्राहियों के अंशदायी भुगतान में 482 करोड़ रुपये की सब्सिडी भी प्रदान की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पंजीकरण शुल्क को माफ कर 1200 करोड़ रुपये भी खर्च किए हैं, उन्होंने कहा कि टीआईडीसीओ घरों पर अब तक खर्च किया गया कुल खर्च 20,745 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सरकार गरीबों के लिए घरों के निर्माण पर कुल 1,05,886.61 करोड़ रुपये खर्च कर रही है, जिसमें पानी, नाली और बिजली के बुनियादी ढांचे पर खर्च किए गए 32,909 करोड़ रुपये का खर्च शामिल है।

केंद्रीय विद्यालय, एफएस बेगमपेट न्यू बोइनपल्ली, हैदराबाद-500011

केंद्रीय विद्यालय, एफएस बेगमपेट और बोइनपल्ली में अंशकालिक संविदात्मक आधार पर पीजीटी/टीजीटी/पीआरटी/कम्प्यूटर इंस्ट्रक्टर्स,कोचेस फार स्पोर्ट्स/योगा/डाक्टर/नर्स/काउंसेलर/ डेटा एंट्री आपरेटर पदों हेतु वाक-इन-इंटरव्यू तिथि 25 फरवरी, 2023 को सुबह 9.00 बजे आयोजित है।

अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइट्स - www.begumpetafs.kvs.ac.in, www.bowenpally.kvs.ac.in देखें।

फोन - 040-27751560 संपर्क करें।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्वीट @SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे की निविदा सूचनाओं की जानकारी हमारे वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

प्रपत्र 10-01 सार्वजनिक अधिसूचना

एतद्वारा निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है :

सेक्शन : यार्डों की सार्वजनिक डुलाई के लिए, सेडम स्टेशन, सिकंदराबाद डिवीजन, विकाराबाद-वाड़ी सेक्शन से वासवदत्ता सीमेंट साइडिंग को उतारना।

ट्रैक्शन मास्ट लोकेशन से: दक्षिण मध्य रेलवे के सेडम स्टेशन, विकाराबाद -वाडी सेक्शन, सिकंदराबाद डिवीजन पर वासवदत्ता सीमेंट के 36/39 (सी.एच.केएम 36/893.00एम) से न्यू ट्रैक्शन स्ट्रक्चर नं. वीडीसी/3133(सीएच.केएम 3/466.40एम) सहित तत्संबंधित प्लांट या सर्वथ के चार लाइन्स के आरएंडडी यार्ड, रोड नं. 3,6 एवं 7 पर फुल वायरिंग तथा रोड नं. 1, 19,2,4,5,8, तथा 9पर टाप-अप वायरिंग (आरकेएम: 3.893 केएम तथा टीकेएम: 12.014केएम) कार्य व्यवस्था।

तत्संबंधित कार्य के उपलक्ष्य में उपरोक्त सेक्शन के 25केवी, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को दि.20-0-2023 को या इसके बाद उर्जित (एनर्जाइज) किया जायेगा। अतः निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइन्स को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के निकट न पहुंच सकेगा न कार्य ही कर सकेगा।

एसी 25 केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ प्रपत्र 10-02 सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

आम जनता को एतद्वारा निम्न सेक्शन के तहत 25 केवी ए.सी. इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में अधिसूचित किया जाता है कि, सेक्शन : यार्डों की सार्वजनिक डुलाई के लिए, सेडम स्टेशन, सिकंदराबाद डिवीजन, विकाराबाद -वाडी सेक्शन से वासवदत्ता सीमेंट साइडिंग को उतारना।

ट्रैक्शन मास्ट लोकेशन से: 36/39 (सी.एच.केएम 36/893.00एम) से न्यू ट्रैक्शन स्ट्रक्चर नं. वीडीसी/3133(सीएच.केएम 3/466.40एम) सहित तत्संबंधित प्लांट या सर्वथ के चार लाइन्स के आरएंडडी यार्ड, रोड नं. 3,6 एवं 7 पर फुल वायरिंग तथा रोड नं. 1, 19,2,4,5,8, तथा 9पर टाप -अप वायरिंग कार्य।

अतः अत्यधिक ऊंचाई के भार के संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन वायर्स (संपर्क वायर्स) के खतरनाक निकटता की रोकथाम के लिए सभी लेवल क्रासिंग पर सड़क के स्तर से उपर 4.%8 मीटर्स की स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई के साथ हाइट गेजेस लगाए गए हैं।

आम जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि, लदान करने वाले वाहनों के प्रति उक्त निर्दिष्ट ऊंचाई का कड़ाई से पालन करें और इसका पूरा ध्यान रखें कि, किसी भी परिस्थिति में सड़क वाहनों में लदान किए गए भार, हाइट गेज का उल्लंघन कतई न करता हो।

अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे निम्न प्रकार हैं -

हाइट गेज के लिए खतरा और सड़क के साथ-साथ रेलवे लाइन के लिए रुकावट।

मेटेरियल या उपकरण को खतरा या तत्संबंधित वाहन में लदान किये गये उपकरण के लिए खतरा।

कंडक्टर्स के संपर्क में आने या खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा तथा जिंदगी का जोखिम।

A0257 वरिष्ठ मंडलीय बिजली अभियंता,टीआरडी, सिकंदराबाद

महाशिवरात्रि पर तय हुई कपाट खुलने की तिथि

25 अप्रैल को खुलेंगे बाबा केदार के द्वार

रुद्रप्रयाग, 18 फरवरी (एजेंसियां)। महाशिवरात्रि पर केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय हुई। 25 अप्रैल को प्रातः 6 बजकर 20 मिनट पर बाबा केदारनाथ के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। ओंकारेश्वर मंदिर में सुबह चार बजे से महाभिषेक पूजा शुरू हो हुई। मंदिर के पुजारी शिव शंकर लिंग, बागेश लिंग, गंगाधर लिंग और शिव लिंग द्वारा गर्भगृह में धार्मिक परंपराओं के तहत सभी पूजा-अर्चना की गई। सुबह 8:30 बजे भगवान केदारनाथ की आरती की गई और भोग लगाया गया। इसके बाद सुबह नौ बजे से पंचकेदार गद्दीस्थल में मंदिर समिति के आचार्यों की पंचांग गणना के लिए बैठे। इस अवसर पर केदारनाथ के रावल भीमाशंकर के प्रतिनिधि के तौर पर केदार लिंग मौजूद रहे। 9:30 बजे पंचांग गणना के आधार पर केदारनाथ के कपाट खुलने का दिन तय कर उसे घोषित किया गया। पूरे दिनभर ओंकारेश्वर मंदिर परिसर में विद्यापीठ के छात्र-छात्राओं व मंदिर समिति के कर्मियों व महिला मंगल दलों द्वारा भजन-कीर्तन होते रहेंगे। रात्रि आठ बजे मंदिर में चार पहर की विशेष पूजाएं शुरू होंगी। मंदिर व पंचकेदार गद्दीस्थल को आठ क्विंटल गेंदा के फूलों से सजाया गया है। बता दें, विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट भी इस वर्ष 27 अप्रैल को सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर खुलेंगे। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर टिहरी में नरेंद्रनगर के राजमहल में धाम के कपाट खुलने की तिथि तय की गई।

समारोह में पंचांग गणना के बाद विधि विधान के साथ कपाट खुलने की तिथि तय की गई। वहीं, गाडू घड़ा की तेल कलश यात्रा 12 अप्रैल को निकाली जाएगी। इस अवसर पर टिहरी राजपरिवार सहित बदरी-केदार मंदिर समिति, डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

2022 की यात्रा में करीब 46 लाख से अधिक तीर्थयात्री पहुंचे चारधाम

2022 में कोरोनाकाल के दो साल बाद बिना बंदिशों के चली चारधाम यात्रा ने पिछले साल नया रिकॉर्ड बनाया। पहली बार चारों धामों में करीब 46 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए। 19 नवंबर को बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ ही चारधाम यात्रा का समापन हो गया था। बता दें कि पिछले वर्ष बदरीनाथ धाम में 17 लाख 60 हजार 646 श्रद्धालु पहुंचे थे। वहीं, रिकॉर्ड संख्या में गंगोत्री धाम में 624451 तीर्थ यात्री पहुंचे जबकि यमुनोत्री धाम में 485635 तीर्थ यात्रों दर्शनों के लिए पहुंचे। केदारनाथ यात्रा में रिकॉर्ड 15 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे। जबकि यात्रा से 211 करोड़ का कारोबार हुआ था।

पति ने पत्नी और बेटे को चाकू मारकर उतारा मौत के घाट

अवैध संबंधों का था शक

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर पश्चिम दिल्ली के शकूरपुर इलाके में बृजेश नामक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बेटे की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना से पूरे इलाके में सनसनी मच गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया, जिसके बाद उसे सुभाष प्लेस थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने अवैध संबंध के शक में पत्नी की हत्या की है। आरोपी होल्डर पैकिंग का काम करता है। मृतका पत्नी की पहचान अंजलि के रूप में हुई है और बेटा डेढ़ साल का है।

बीजेपी और कांग्रेस के घोषणापत्रों पर सवाल से राजनीतिक दलों के वादों की सच्चाई आ रही सामने

भोपाल, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमलनाथ अपने चुनावी घोषणापत्र को लेकर सवाल उठा रहे हैं। दोनों एक दूसरे से वादों से मुकर जाने को लेकर आरोप लगा रहे हैं। दोनों के खुलासों ने राजनीतिक दलों की घोषणाओं की सच्चाई को जनता के सामने लगा दिया हैं। दोनों नेता लगातार सवाल पूछ रहे हैं। इससे साफ पता चलता है कि भाजपा और कांग्रेस के चुनाव से पहले किए वादे अधूरे रह गए। राज्य में पहली बार हुआ है कि पांच सालों में दोनों ही राजनीतिक दलों ने सरकार बनाई हैं। शिवराज सिंह चौहान और कमलनाथ दोनों ही एक दूसरे से लगातार सवाल पूछ रहे है। इससे साफ है कि दोनों ही दलों ने 2018 के सत्ता में आने से पहले किए वादे अधूरे रह गए।

श्रमिक महिलाओं के लिए रैन बसेरे क्यों नहीं खोले

अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि कमलनाथ जी से सिर्फ इतना ही कहता हूं कि झूठी घोषणाएं न करें। फिर से जनता को न भ्रमायें। आपने पुराने वचन नहीं निभायें। आपने कहा था मध्य प्रदेश की श्रमिक महिलाओं के लिए रैन बसेरे खोले जाएंगे। सवा साल में एक भी नहीं खोला।

झूठे वादे के लिए माताओं-बहनों से माफी मांगेंगे

वहीं, पूर्व सीएम और पीसीसी प्रमुख कमलनाथ ने सीएम को जवाब देते हुए कहा कि मुख्यजमंत्री जी, अभिमान बहुत बुरी चीज हैं। जनता को दुख देना भी बहुत बुरी बात हैं। रात दिन झूठ बोलते रहने से ज्यादा पाप की बात क्या हो सकती हैं? आपने अपने दृष्टि पत्र में वादा किया था सूचना प्रौद्योगिकी से महिला सशक्तिकरण मिशन का सृजन करेंगे और इसके अंतर्गत 20 लाख महिलाओं को प्रशिक्षित करेंगे। क्या आपने इस झूठे वादे के लिए आप मध्य प्रदेश की माताओं बहनों से माफी मांगेंगे।

रंजिश में गैस सिलेंडर मारकर की दोस्त की हत्या, फरार हुआ

सूरत, 18 फरवरी (एजेंसियां)। हजीरा पुलिस थाने ने हत्या का मामला दर्ज किया गया है. जानकारी के अनुसार बगल में रहने वाले दोस्त ने ही रंजिश में अपने दोस्त पर गैस सिलिंडर से वार कर मौत के घाट उतार दिया. मकान मालिक 55 वर्षीय बालू पटेल ने पुलिस को बताया वह हजीरा फलिया जोगणी माता मंदिर क्षेत्र में रहता है. अपने मकान का एक रूम रामनाथ दिग को दिया था. 14 फरवरी से 16 फरवरी के बीच रामसुंदर गुरचरण यादव ने रामनाथ दिगू पासवान की गैस सिलिंडर मारकर हत्या कर दी. उसके सिर हाथ और कान पर गहरी चोट के निशान थे. शिकायतकर्ता ने बताया कि 45 वर्षीय रामनाथ पासवान के बेटे मिथिलेश ने 16 फरवरी को फोन कर बोला उसके पिता रामनाथ 2 दिन से फोन नहीं उठा रहे हैं. जिसके बाद रामनाथ को देखने के लिए वो स्वयं उसके कमरे पर गया. खिड़की से कपड़ा हटाया और देखा कि कोई व्यक्ति सोया है. जिसके पैर दिख रहे थे और रूम से बहुत दुर्गंध आ रही थी. शिकायतकर्ता ने अपने बेटे जयेश को फोन किया और आसपास के लोगों को इकट्ठा कर पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया. रामसुंदर के घर का ताला तोड़कर अंदर देखा तो नजारा ही कुछ और था. रामनाथ की लाश पड़ी थी. उस पर चादर ढकी थी. बाजू में ही एक गैस सिलिंडर पड़ा था. रामनाथ पासवान मूल बिहार का रहने वाला है. बगल के रूम में रामसुंदर रहता है. दोनों एक ही गांव के है.

'... उन्हें अल्लाह ने सजा दी है'

तस्लीमा नसरीन ने क्यों कही ये बात, बोलीं- रुश्दी ने तो माफी मांगी

ढाका, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेशी मूल की लेखिका तस्लीमा नसरीन अपने लेखन को लेकर हमेशा से कट्टरपंथियों के निशाने पर रही हैं. उनके लिखे से कट्टरपंथी इतना तिलमिलाए कि उन्हें अपना मुल्क छोड़ना पड़ा. फिलहाल वह भारत में निर्वासित जीवन जी रही हैं. उनकी तुलना कभी-कभी विख्यात लेखक सलमान रुश्दी से भी की जाती है, लेकिन तस्लीमा खुद इस तुलना को गलत मानती हैं इंटरव्यू में उन्होंने इसकी वजह भी बताई है हाल ही में तस्लीमा नसरीन ने एक मीडिया संस्थान को इंटरव्यू दिया जिसमें उन्होंने अपने साथ हुए मेडिकल क्राइम और जिंदगी को लेकर बात की. उन्होंने बताया कि वह घुटने का इलाज करा रही थीं,

लेकिन कूल्हे की हड्डियों को काटकर अलग कर दिया गया. इसके चलते वह बिस्तर पर कैद होकर रह गई हैं.

क्या हुआ था?

तस्लीमा ने बताया कि जनवरी में वह लड़खड़ाकर गिर गई थी जिसके चलते उनके घुटने में चोट आई थी. वह इलाज कराने के लिए गईं, जहां उन्हें ऑपरेशन की सलाह दी गई. जब ऑपरेशन हुआ तो पता चला कि घुटने की जगह उनके कूल्हे ही हटा दिए गए हैं.

कट्टरपंथी दे रहे ये नसीहत

इस घटना के बाद तस्लीमा नसरीन के खिलाफ सोशल मीडिया पर कुछ कट्टरपंथियों ने खुशी भी जताई. तस्लीमा ने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बारे में लिखा तो मेरा गलत ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर को बधाई दी जाने लगी. कट्टरपंथियों को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी मानते हैं कि उन्हें अल्लाह ने सजा दी है. यही नहीं, उन्हें 'अपने गुनाहों के लिए' माफी मांगने को भी कहा जा रहा है. तस्लीमान नसरीन ने बताया कि उन्हें आज भी कट्टरपंथियों से खतरा रहता है.

सलमान रुश्दी ने माफी मांगी

इस दौरान जब उनके लेखन को लेकर सलमान रुश्दी से तुलना हो गई तो उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया. तस्लीमा ने कहा कि सलमान रुश्दी और उनके लेखन में कोई समानता नहीं है. उन्होंने सलमान रुश्दी को फिक्शन लेखक बताते हुए कहा कि वह महिला अधिकारों का हिमायती लेखन करती हैं. उन्होंने कहा कि अपने लिखे के लिए उन्होंने कभी माफी नहीं मांगी है, लेकिन सलमान रुश्दी ने माफी मांगी.

नौगांव में डीजे लेकर दुल्हन के घर पहुंचा दूल्हा

काजी ने निकाह पढ़ाने से ही कर दिया इनकार

छतरपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छतरपुर में डीजे के साथ दूल्हा जब दुल्हन के घर पहुंचा तो काजी ने निकाह पढ़ाने से ही इनकार कर दिया। काफी देर बाद दोनों पक्षों ने सार्वजनिक माफी मांगी, तब जाकर काजी ने निकाह पढ़ाया। मामला छतरपुर जिले के नौगांव का है। डीजे के साथ ढोल-ताशे बजाने के कारण एक काजी ने निकाह पढ़ाने से ही मना कर दिया। दरअसल, जिले की मुस्लिम समाज की कमेटियों ने आपसी सहमति बनाकर निकाह में डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगाया है। बावजूद इसके भी डीजे बजाते हुए दूल्हा बरात लेकर दुल्हन के घर पहुंच गया। इस पर काजी साहब बिफर गए। उन्होंने निकाह पढ़ाने से मना कर दिया। करीब चार घंटे चले मान-मनव्वल के बाद काजी एक शर्त के साथ मान गए। शर्त के अनुसार दुल्हन और दूल्हा पक्ष को स्टेज पर जाकर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी थी। इसके बाद देर रात डेढ़ बजे काजी ने निकाह पढ़ाया। जामा मस्जिद काजी मुनव्वर रजा कादरी साहब ने बताया कि उन्होंने शादी में फिजूलखर्च रोकने के लिए तंजीम चलाई है। शादी में डीजे बजाने और नाचना गाना इस्लाम में हराम है। शरीयत इसके लिए मना करता है। डीजे पर शराब पीकर नाचते हैं। हुड़दंग करते हैं। देर रात डीजे से आसपास में रहने वाले लोगों को भी परेशानी होती है। बच्चे पढ़ नहीं पाते।

कलयुगी पिता से बेटी की इज्जत बचाने को पत्नी ने की पति की हत्या

झांसी, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मऊरानीपुर थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक मां ने अपनी बेटी की इज्जत अपने पति से बचाने के लिए पति को मौत के घाट उतार दिया। अपना जुर्म कबूल करते हुए आरोपित पत्नी ने पूरी घटना स्वयं बताई। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही शुरू कर दी। एक तरफ जहां महाशिव रात्रि को लेकर लोग मंदिरों में जाकर अपने परिवार की खुशहाली की कामना कर रहे हैं। तो वहीं मऊरानीपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भदरवारा निवासी 35 वर्षीय काशीराम पुत्र नरवत अहिरवार शराब पीने का आदी था। पति-पत्नी में शराब को लेकर आए दिन झगड़े होते थे। बीती रात भी उसने शराब पी थी। जिसके बाद दोनों पति-पत्नी में झगड़ा हुआ और दोनों के बीच मारपीट हुई। जिसमें पति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की मां ने आरोप लगाया कि उसकी बहू और नातिन ने मिलकर बेटे की हत्या की है। वहीं हत्यारोपित लाड़कुवर ने बताया कि उसकी शादी 17 साल पहले हुई थी। शादी के बाद से उसका पति काशीराम शराब पीकर आए दिन मारपीट करता था। बीती रात जब पड़ोस में शादी थी। तभी वह शराब पीकर आया और लाड़कुवर के साथ मारपीट करने लगा। इसके बाद उसने अपनी बेटी को अपनी हवस का शिकार बनाने का प्रयास किया। इस पर लाड़कुवर अपना आपा खो बेटी और बेटी को हैवानियत से बचाने के लिए उसने लाठी डंडों से पति के ऊपर हमला कर दिया। हमले में वह अचेत होकर गिर गया और उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद मां बेटी शव के पास रोने बिलखने लगे। वहीं रोने की आवाज सुनकर गांव के लोग एकत्र हो गए और घटना की सूचना पुलिस को दी। वहीं मौके पर पहुंचीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही शुरू कर दी। उक्त घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

इंदौर से छतरपुर जा रही बस सागर में पलटी चार की मौत, 35 से अधिक घायल

सागर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सागर जिले के शाहगढ़ छानबीला थाना अंतर्गत निवार घाटी पर दर्दनाक हादसा हुआ है। इंदौर से छतरपुर जा रही स्लीपर बस अनियंत्रित होकर पलटी। मौके पर चार यात्रियों की मौत हो गई। 35 यात्री घायल बताए जा रहे हैं, जिसमें सात की हालत गंभीर है। घटना की जानकारी लगते ही प्रशासनिक अमला, बचाव दल मौके पर पहुंचे। तहसीलदार एलपी अहिरवार, बंडा तहसीलदार कुलदीप सिंह सहित पुलिस बल ने बचाव कार्य किया। यह बस घाट पर कैसे पलटी, इसका पता अभी नहीं चल पाया है। घायलों को शाहगढ़ स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। कुछ गंभीर यात्रियों को सागर रैफर किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। गोल्डन ट्रैवल्स की बस क्रमांक एमपी16पी 1286 इंदौर से छतरपुर जा रही थी। सुबह करीब पौने छह बजे निवार के घाट पर मुड़ते समय वह पलट गई। हादसे के वक्त बस में यात्री सो रहे थे। घाट पर बस पलटने से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। कुछ यात्री बस में फंस गए थे, जिन्हें निकालने के लिए हाइड्रा और जेसीबी जैसे संसाधनों की मदद ली गई।

सूख रही फसल को पानी दे रहे थे किसान

पुलिस ने दो लोगों पर दर्ज किया एफआईआर

शहडोल, 18 फरवरी (एजेंसियां)। शहडोल जिले के दो किसानों पर नहर से पानी लेने को लेकर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। यह एफआईआर जल संसाधन विभाग के द्वारा कराई गई है। किसानों का बस इतना सा कसूर था कि अपने खेतों में लगी फसलों को वह पानी देने के लिए नहर से पंप के सहारे पानी ले रहे थे, जिसकी जानकारी जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को लगी, जिस पर दो अलग-अलग स्थानों पर किसानों पर मामला दर्ज कर लिया गया है। दरअसल, पानी के बिना सुख रही फसल में पानी देने के लिए दो अलग-अलग किसानों ने नहर से पानी ले लिया था, जिस पर जल संसाधन विभाग के एसडीओ ने किसानों पर पानी चोरी का आरोप लगाते हुए दो किसानों पर अलग-अलग थानों में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने दोनों किसानों पर मामला दर्ज कर लिया है। पोगरी निवासी किसान शेष नारायण यदाव और ग्राम पडरिया मानपुर के किसान शकील द्वारा अपने खेत में पानी सिंचाई के लिए जल संसाधन की नहर से बिना बताए पानी लेकर सिंचाई करने पर जल संसाधन के एसडीओ राजेंद्र सिंह ने बिना जानकरी दिए नहर से पानी लेने व नहर को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए दोनों किसानों के खिलाफ सोहागपुर थाना और सिंहपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। एसडीओ की शिकायत पर दोनों थाने की पुलिस ने किसानों पर मामला दर्ज कर लिया है। जल संसाधन के एसडीओ राजेंद्र सिंह की शिकायत पर सोहागपुर पुलिस ने पहला मामला पोंगरी निवासी किसान शेष नारायण यादव के ऊपर धारा- 294, 427, 430 और 506 भारतीय दंड विधान की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस से पूछकर शादी कर रहे लोग बाल विवाह के खिलाफ तेज होगा अभियान- सीएम सरमा

गुवहाटी, 18 फरवरी (एजेंसियां)। असम में बाल विवाह के खिलाफ चल रहे अभियान को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बड़ा बयान दिया है. सीएम सरमा ने कहा है कि इस अभियान को और तेज किया जाएगा और राज्य सरकार 2026 तक बाल विवाह को पूरी तरह खत्म कर देगी. उन्होंने कहा कि इस सामाजिक बुराई के खिलाफ अभियान को और तेज किया जाएगा. इस संबंध में मैंने राज्य भर के जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों से बातचीत की है. सीएम सरमा ने दावा किया कि जिन लोगों ने इस तरह की शादियां करने की योजना बनाई थी, उन्होंने अब उन्हें रद्द कर दिया है. यह निश्चित रूप से बाल विवाह के खिलाफ हमारी दो सप्ताह तक चली कार्रवाई का सकारात्मक प्रभाव है. उन्होंने कहा कि अब लोग आ रहे हैं और पुलिस से पूछ रहे हैं कि क्या वे शादी की व्यवस्था कर सकते हैं, क्योंकि दुल्हन 18 साल दो महीने या तीन महीने की हो गई है. इससे साफ पता चलता है कि अब लोगों में बाल विवाह को लेकर बहुत जागरूकता है."

अभियान के तहत 3031 लोग हुए थे गिरफ्तार

सीएम सरमान ने आगे बताया कि ऐसे मामलों में अब तक केवल 98 लोगों को जमानत मिली है और राज्य इस प्रथा को रोकने के लिए कड़े कदम उठाएगा. तीन फरवरी को शुरू हुई कार्रवाई में मंगलवार तक 4225 मामले दर्ज कर 3031 लोगों को पकड़ा गया था. इन लोगों को अस्थायी जेलों में रखा गया है. विपक्षी दलों ने अभियान चलाने के तौर तरीकों को लेकर इसकी आलोचना की और नाबालिग पतियों और परिवार के सदस्यों की गिरफ्तारी को राजनीतिक लाभ के लिए कानून का दुरुपयोग करार दिया. उन्होंने इसकी तुलना लोगों को आतंकित करने के लिए की जाने वाली पुलिस कार्रवाई से की.

तृणमूल नेता व पूर्व फुटबॉलर पर लगा दुष्कर्म का आरोप, मामला दर्ज

कोलकाता, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सत्ता पक्ष पार्टी तृणमूल कांग्रेस के एक नेता व पूर्व फुटबॉलर पर पार्टी की महिला कार्यकर्ता की ओर से उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में महिला ने अपने वकील के साथ मिलकर राजारहाट थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। तृणमूल महिला कार्यकर्ता का आरोप है कि तृणमूल नेता ने उसे बेहोश कर उसके साथ दुष्कर्म किया है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया है कि वर्ष 2021 में महिला कार्यकर्ता की मुलाकात एक कार्यक्रम के दौरान तृणमूल नेता से हुई थी। देखते देखते उनकी मुलाकात घनिष्ठ रिश्ते में परिवर्तित हो गई। इसी का फायदा उठाकर तृणमूल नेता उसे राजारहाट के एक फ्लैट में ले गया और इसके खाने में कुछ नशीला पदार्थ मिला दिया। नशीला पदार्थ मिला हुआ खाना खाने के बाद वह बेहोश हो गई और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। महिला ने यह भी कहा कि तृणमूल नेता ने उसके साथ एक बार नहीं बल्कि कई बार इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया। उन्होंने आगे कहा कि जब शादी का दबाव बढ़ा तो आरोपियों नेता उससे इधर-उधर की बात करने लगा और उसके साथ रिश्ता तोड़ने की कोशिश की। महिला ने दावा किया कि उसे तृणमूल नेता के विवाहित होने की जानकारी नहीं थी। महिला के वकील ने बताया कि सारी जानकारी व सबूत थाने में जमा करा दिए हैं। वही मामले में आरोपित नेता ने महिला तृणमूल कार्यकर्ता की ओर से लगाए गए सभी आरोपों को सिरे से नकार दिया और कहा कि उन्हें बदनाम करने के लिए उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि महिला उनसे बदला लेने के लिए उन पर आरोप लगा रही है क्योंकि उन्होंने उसे अपने कार्यालय में प्रवेश करने नहीं दिया।

1600 मीटर की रेस दौड़ रहा था युवक

अचानक चक्कर आया... फिर हार गया जिंदगी की रेस पुलिस बनने का सपना अधूरा रह गया

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस भर्ती कार्यक्रम में 1600 मीटर की दौड़ पूरी करने के बाद वाशिम के एक व्यक्ति की मौत हो गई. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुंबई में पुलिस भर्ती अभियान वर्षीय शख्स की शारीरिक जांच के दौरान 1600 मीटर की रेस दौड़ने के बाद शुक्रवार को मौत हो गई. बताया गया कि पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान गणेश उत्तम उगले 1600 मीटर की दौड़ लगा रहे थे कि अचानक उन्हें चक्कर आ गया और वे जमीन पर गिर पड़े. इसके बाद उनकी मौत हो गई. पुलिस ने इसके बारे में एक मामला दर्ज किया और जांच चल रही है. मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना शुक्रवार सुबह 11 बजे मुंबई विश्वविद्यालय के विद्यानगरी कैंपस मैदान में हुई. गणेश उगले मुंबई से करीब 550 किलोमीटर दूर वाशिम जिले के निवासी हैं. 1600 मीटर की दौड़ पूरी करने के बाद उगले ने चक्कर आने की शिकायत की और इसके बाद जमीन पर गिर पड़े. उन्हें सांताक्रूज के नागरिक वीएन देसाई अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. पुलिस में नौकरी हासिल करने का इच्छुक गणेश उगले का भाई भी उसके बगल में दौड़ रहा था. गणेश उगले की मौत का सही कारण अभी सामने नहीं आ सका है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद उगले की मौत का कारण साफ हो पाएगा. उनके परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है और उनके पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए वाशिम ले जाया जाएगा. पुलिस ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स पुलिस थाने में दुर्घटनावश मौत की एक रिपोर्ट दर्ज की है.

कम पेट्रोल भरने पर आपत्ति की तो पेट्रोलपंपकर्मियों ने डाक्टर को पीटा

इंदौर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर में एक पेट्रोलपंप के कर्मचारी उस समय गुंडागर्दी पर उतर आए, जब पंप पर पेट्रोल भरवाने आए एक डाक्टर ने कम पेट्रोल डालने पर आपत्ति ली तो नाराज कर्मचारियों ने डंडे से डाक्टर क पिटाई कर दी। सिर पर डंडे के वार से डाक्टर को गंभीर चोट आई। पुलिस के अनुसार गुमाश्ता नगर निवासी अविनाश विश्वानी एक निजी अस्पताल में डाक्टर है। वे अपने परिवार के साथ होटल में खाना खाने गए थे। वहां से लौटते समय उन्होंने देवास नाका पर पेट्रोल भरवाने के लिए कार रोकी। कम पेट्रोल भरने की बात पर अविनाश की कहासूनी पेट्रोल भर रहे कर्मचारी से हो गई।

नाबालिग से संबंध बनाना चाहता था सिरफिरा आशिक

मना करने पर दी खौफनाक सजा

रामनगर (कर्नाटक), 18 फरवरी (एजेंसियां)। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि कर्नाटक के रामनगर जिले में पुलिस ने कनकपुरा शहर में एक नाबालिग लड़की पर तेजाब से हमला करने वाले 22 वर्षीय एक व्यक्ति को पकड़ने के लिए कोशिशें तेज कर दी हैं. पुलिस के मुताबिक, पीड़िता को बेंगलुरु के मिंटो आई अस्पताल में भर्ती कराया गया है और डॉक्टरों ने कहा है कि उसकी एक आंख की रोशनी जा सकती है. आरोपी की पहचान कनकपुरा के कुरुपेटे के रहने वाले मैकेनिक सुमंत के रूप में हुई है. घटना शुक्रवार को कनकपुरा में नारायणप्पा लेक बाईपास रोड के पास हुई थी. प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने पीड़िता को फोन किया था और उसे इलाके में आने के लिए कहा था. जब वह आई, तो उसने उसे अपने साथ संबंध बनाने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन लड़की नहीं मानी. इसके बाद आरोपी ने उसके चेहरे पर वाहनों के इंजन को साफ करने के लिए इस्तेमाल किए गए तेजाब से हमला कर दिया. इस घटना में आंख समेत चेहरे का बायां हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया.

बाईं आंख में अंदर तक गया एसिड

मिंटो अस्पताल की निदेशक डॉ. सुजाता ने कहा है कि पीड़िता के चेहरे के बायें हिस्से और बायीं आंख में जली चोटों का इलाज किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि एसिड उसकी आंख की तीन परतों में घुस गया है और इस तरह के मामलों में दुर्लभ मामलों में दृष्टि वापस आ जाती है. हालांकि दाहिनी आंख को कोई नुकसान नहीं हुआ है.

लड़का-लड़की एक साल से प्यार में थे

पुलिस ने बताया कि दोनों एक साल से प्यार में थे. पुलिस ने बताया कि दोनों एक साल से प्यार में थे. हाल ही में उनका झगड़ा हुआ था और लड़की ने आरोपी से अपना रिश्ता तोड़ लिया था. पुलिस ने आरोपी व्यक्ति को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया है. कनकपुरा टाउन पुलिस ने पॉक्सो एक्ट और आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है.

पीएम-सीएम से भी ऊपर है नगालैंड का 'जीबी सिस्टम'

रेप किया हो या मर्डर, राजा की इजाजत के बिना नहीं हो सकती गिरफ्तारी

27 फरवरी को नगालैंड में विधानसभा चुनावों के लिए वोटिंग है। मौजूदा समय में 60 विधानसभा सीटों वाले नगालैंड में सभी विधायक सत्ता में हैं, विपक्ष है ही नहीं। यहां के गांवों में रिजल्ट आने से पहले ही तय हो जाता है कि चुनाव कौन जीतेगा। इसके अलावा देश में कोई भी पीएम हो, राज्य में कोई भी सीएम हो, नगालैंड के कुछ हिस्सों में उन्हें वहां के राजा के आदेश का पालन करना होगा। नगालैंड की राजधानी कोहिमा से 50 किमी दूर दीमापुर के सुहोई गांव के जिओ सीपी येप्थो जब विलेज हेड की परंपरा के बारे में बता रहे थे, तो गर्व से उनका चेहरा चमक रहा था। वे बिना हिचके कहते हैं- 'कोई भी प्रधानमंत्री हो, सीएम हो, लेकिन हमारे लिए हेड जीबी या गांव बोरा ही हमारा राजा है। उसके कहे शब्द, हमारे लिए पत्थर की लकीर हैं। यहां से निकलकर अगर कोई सीएम भी बन जाए, तो गांव लौटने पर उसे भी राजा का आदेश मानना ही पड़ेगा।'

जिओ सीपी येप्थो बताते हैं कि यहां एक राजा (हेड जीबी) और उसका 4 लोगों का मंत्रिमंडल (असिस्टेंट जीबी) होता है। 50 साल के जिओ खुद भी सुहोई गांव के असिस्टेंट जीबी हैं। वे कहते हैं, 'यहां इलेक्शन से पहले ही हम मिलकर तय कर लेते हैं कि किसे वोट करना है। ऐसा नहीं है कि लोग अपनी पसंद के कैंडिडेट को वोट नहीं दे सकते, लेकिन हम लोगों को यह बताते हैं कि अगर गांव में रोड, बिजली या फिर पानी लाना है तो हमें किसी एक व्यक्ति को चुनना होगा।' इस बार गांव में चार में से दो असिस्टेंट जीबी बीजेपी के सपोर्ट में हैं और बाकी दो दूसरी पार्टियों के समर्थक हैं। ऐसे में पूरे गांव को इकठ्ठा कर जानेंगे कि किसके पक्ष में ज्यादा लोग हैं। जिसकी संख्या ज्यादा होगी, उसके आधार पर हेड जीबी ये तय करेंगे कि सभी लोगों को इस बार किसे वोट करना है।' वे कहते हैं- 'जीते जो भी, गांव में जीबी ही सुप्रीम पावर होता है। यहां जो नया काम होगा, उस पर अंतिम मुहर सिर्फ हेड जीबी ही लगाते हैं।' जिओ कहते हैं- 'ये नियम-कानून हमारे पूर्वजों ने बनाए थे, हम सिर्फ उनमें संशोधन कर सकते हैं। हम सुमी ट्राइब के लोग हैं, हमारे लिए हमारे हेड जीबी के शब्द ही कानून हैं। हमारी तरह ही कोनियक ट्राइब में भी जीबी का आदेश सबसे ऊपर होता है।' असिस्टेंट जीबी जिओ के बाद सुहोई गांव के राजा तोकुहो नेहो सुहोई से मिलने पहुंचा। हालांकि, वे उस इमेजरी में फिट नहीं होते, जैसे राजाओं को हम उत्तर भारत में देखते हैं। वे बेहद शालीन हैं। तोकुहो बताते हैं- 'यहां किंगशिप (राजशाही) की परंपरा काफी पहले से है। ये गांव 1963 में बना, तब से हमारा परिवार इसका हिस्सा है। हम लोग इसे 'अतकाव' बोलते हैं।' तोकुहो आगे बताते हैं- 'जब मैं नहीं रहूंगा तो मेरा बड़ा बेटा इस गांव का हेड जीबी बनेगा। हमारे गांव में कुल 4 असिस्टेंट जीबी हैं। उन्हें भी यह पद पैतृक रूप से मिलता है। उनके मरने के बाद उनका बेटा या भाई इस गद्दी का हकदार होता है।'

तोकुहो के मुताबिक, हर गांव में एक 'विलेज काउंसिल' और 'विलेज डेवलपमेंट बोर्ड' होता है। इसके बाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन, स्पोर्ट्स काउंसिल और कल्चरल काउंसिल होती है। ये सभी पांचों जीबी के अंडर में ही काम करते हैं। तोकुहो कहते हैं- 'सुहोई में 280 घर हैं और यहां 1000 से ज्यादा लोग रहते हैं। हमसे पूछे बिना गांव में कोई फैसला नहीं लिया जा सकता।'

तोकुहो बताते हैं- 'यहां एक काउंसिल हॉल (दरबार) है। यहां काउंसिल और दूसरी समितियों की मीटिंग होती हैं। इनमें लिए गए फैसले पहले कैबिनेट के पास जाते हैं और फिर उन्हें मेरे पास लाया जाता है। कई बार कैबिनेट, जो फैसले नहीं ले पाती, वो सीधे मेरे पास आते हैं। मैं चारों काउंसिल सेक्रेटरी और चेयरमैन के साथ मिलकर उन पर फैसला लेता हूं। यहां मेरा फैसला ही आखिरी है।' गांव के विकास के लिए पैसे मिलने के सवाल पर तोकुहो बताते हैं- ' हमारे यहां फंड आमतौर पर 'रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम' के तहत आता है। जितना फंड आता है, विलेज कमेटी उसके हिसाब से काम करती है और उसका फाइनल अप्रूवल भी मैं ही देता हूं।'

तोकुहो आगे बताते हैं- 'गांव के अपने नियम-कानून और संविधान है। वक्त और जरूरत के हिसाब से हम हर साल इनमें संशोधन भी करते हैं। हेड जीबी के घर पर काउंसिल (मंत्रिमंडल) की बैठक होती है और उसमें नियम-कानून बनाए और संशोधित किए जाते हैं। इसमें हम 5 लोगों के अलावा किसी का दखल नहीं होता।'

तोकुहो बताते हैं- 'क्राइम होने पर पहले काउंसिल सजा पर फैसला लेती है। अगर इस फैसले पर ऐतराज होता है, तो आखिरी फैसला हेड जीबी लेता है। ये फैसला नहीं मानने पर दोषी को 3, 5 या जुर्म के आधार पर कई साल के लिए गांव और कम्युनिटी से निकाल दिया जाता है। ऐसे लोगों पर जुर्माना भी लगाया जाता है। 'क्राइम अगर हमारे गांव की सीमा में हुआ है, तो उस पर फैसले का अधिकार भी हमारा ही है। गंभीर अपराध के मामलों में भी मेरी अनुमति के बिना पुलिस किसी को अरेस्ट नहीं कर सकती। जमीन या दूसरे दीवानी और फौजदारी मामले भी ज्यादातर हेड जीबी ही सुलझा लेते हैं।' 'गांव बनने के बाद से एक भी केस यहां के पुलिस स्टेशनों में दर्ज नहीं किया गया है। गांव में पुलिस सिर्फ गश्त के लिए आती है। हम गांव के हर व्यक्ति को बराबर की सजा देते हैं। हमारे पास हर जमीन का रिकॉर्ड भी रहता है। दो गांवों में होने वाले विवाद को एक जिले में मौजूद जीबी की ऑर्गेनाइजेशन सुलझाती है।'

तोकुहो बताते हैं- 'हमारे यहां अलग सिस्टम है। इन चुनावों के लिए भी हमारे यहां एक मीटिंग होगी, इसी में गांव के लोग तय करेंगे कि 27 फरवरी को किसे वोट देना है। यहां गांव के आधे लोग एक पार्टी और आधे दूसरी पार्टी में नहीं भागते। हम जो तय करेंगे सभी लोग उसे ही वोट करते हैं।'हेड जीबी तोकुहो दीमापुर में बीजेपी के डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट भी हैं। ऐसे में यह पहले से तय माना जा रहा है कि इस गांव के लगभग सभी वोट बीजेपी को ही जाने वाले हैं।

नगालैंड देश का इकलौता ऐसा राज्य है, जहां साल 2013 में 90% से ज्यादा वोटिंग हुई थी। हालांकि, बाद में सामने आया कि राज्य में बड़ी संख्या में फर्जी वोटिंग होती रही है। इलेक्शन कमीशन ने यहां सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में वोटिंग और कड़ी मॉनिटरिंग के इंतजाम भी किए हैं। फर्जी वोटिंग के सवाल पर तोकुहो बताते हैं- 'अब चुनाव आयोग सख्त हो गया है, इसलिए ऐसी चीजें अब नहीं होती हैं।' हालांकि, वे मानते हैं कि पहले ऐसा कल्चर रहा है और अभी भी टाउन के इलाकों में ये होता है। फर्जी वोटिंग पर नगालैंड में कांग्रेस की मीडिया कोऑर्डिनेटर महिमा सिंह बताती हैं- '5 साल पहले राज्य के युवाओं ने 'Where's my Vote' नाम से कैंपेन शुरू किया था। यहां पर बड़े लेवल पर बूथ कैप्चरिंग और फर्जी वोटिंग की घटनाएं सामने आती रही हैं। अब युवा इससे नाराज हैं।'

महिमा बताती हैं- 'बीजेपी और नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (NDPP) के राज में बूथ कैप्चरिंग और फर्जी वोटिंग का कल्चर बहुत ज्यादा बढ़ा है। हमने इस बारे में राज्य के डीजीपी को एक लेटर भी लिखा है। उसमें हमने डीटेल में बताया है कि कैसे यहां चुनाव के नियमों का मजाक बना दिया गया है। डीजीपी ने कहा है कि हम इसके खिलाफ जल्द कार्रवाई भी करेंगे और कैमरों की निगरानी में वोटिंग होगी।' महिमा कहती हैं- 'ये सच है कि लोग आज भी अपने राजा के कहने पर वोटिंग करते हैं। यह पहले से चला आ रहा है, लेकिन अब ये बदल रहा है। सरकार को सतर्कता कैंपेन चलाकर लोगों को इसके खिलाफ जागरूक करना चाहिए।'

सुहोई गांव के हेड जीबी तोकुहो भले ही अपनी परंपराओं को सही ठहरा रहे थे, लेकिन करप्शन के सवाल पर उनके भी सुर बदले नजर आए। भ्रष्टाचार के सवाल पर वे कहते हैं- 'नगालैंड में बिना पैसे के कुछ नहीं होता। यहां डेवलमेंट नहीं होने का असल कारण भी यही है।' अगर नेता पैसे नहीं देंगे तो जनता वोट ही नहीं देती। गांव में हर शख्स तक वोट देने के बदले पैसा पहुंचाना पड़ता है। चर्च की काउंसिल संडे को होने वाली प्रेयर में 'क्लीन इलेक्शन' की बात भले ही कहे, लेकिन सब जानते हैं कि सबको पैसा मिला है।' हेड जीबी से मिलकर लौटते हुए कियलहो मिल जाते हैं। वे एक सरकारी स्कूल में मैथ्स के टीचर हैं। मुझे देखकर वे रुक जाते हैं, मैं बातों-बातों में उनसे पूछता हूं कि क्या जिओ और तोकुहो जैसा बता रहे थे, लोग उतना ही उनकी बातें मानते हैं?

कियलहो बताते हैं- 'हमारे लिए जीबी बहुत महत्वपूर्ण है। हम लोग अपने राजा के खेतों में फ्री में जाकर खेती-बाड़ी भी करते हैं। हेड जीबी के खेत में हम लोग 5 दिन, उनके नीचे सीनियरिटी के हिसाब से आने वाले असिस्टेंट जीबी के खेतों में 4, 3, 2 दिन खेती करते हैं। इस तरह से हम हर साल अपने जीबी के खेतों में कुल 12 दिन फ्री में काम करते हैं।'

स्टूडेंट लीडर गुनातियों नियो से हुई। मैं उनसे इस जीबी सिस्टम पर सवाल करता हूं तो वे कहते हैं- 'अब का समय थोड़ा बदल गया है। 60-70 के दशक में तो जीबी की बातें टाल ही नहीं सकते थे, सजा मिलती थी। अब उतनी सख्ती नहीं है। अब वह कोई तानाशाह नहीं है, हम एक लोकतांत्रिक देश हैं। हालांकि, गांव के इस सिस्टम से किसी को खास कोई दिक्कत नहीं है। सरकारों में बहुत करप्शन है।'

सुहोई गांव की 100% आबादी ईसाई है। यहां एक बड़ा चर्च है और हर संडे को यहां पूरा गांव प्रेयर के लिए आता है। हर बड़े फैसले का ऐलान भी इसी चर्च से किया जाता है। इसके अलावा गांव में एक कम्युनटी हॉल, कम्युनिटी किचन भी है। इसमें कभी-कभी पूरे गांव के लिए खाना बनता है। गांव में एक म्यूजियम भी है, जहां पूर्वजों की विरासत को संजोकर रखा गया है। इसके अलावा गांव में इंटरनेट, मोबाइल कनेक्टिविटी के लिए मोबाइल टावर भी लगे हैं। गांव में स्कूल, फूड मार्केट और हॉस्पिटल भी मौजूद है। हालांकि, अस्पताल में सिर्फ 3 दिन ही बाहर से डॉक्टर आता है। गांव में बिजली और पानी का कनेक्शन हर घर में है।

साफ पानी के लिए गांव में 5 वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भी लगे हैं। 'जिले के हर गांव में अपना नियम और संविधान होता है। गांव में जब भी कोई नियम बदलता है तो पूरे गांव की राय ली जाती है।' 'गांव में बिकने वाली फल-सब्जियों के दाम भी विलेज काउंसिल ही तय करती है। यहां आपको हर गांव में सब्जियों और फलों का अलग रेट मिलेगा। दीमापुर में भले ही कोई दाम हो, हमारे गांव में उसी रेट पर मिलेंगी, जो काउंसिल ने तय किया है।' नगालैंड में 1978 में विलेज काउंसिल एक्ट लागू हुआ था। इसके तहत हर गांव में एक विलेज काउंसिल बनाई गई। एक्ट में लिखा है कि काउंसिल में गांववालों की ओर से चुने सदस्य शामिल होंगे। पुश्तैनी तौर पर बनने वाले जीबी या ग्राम बोरा भी काउंसिल में शामिल रहेंगे और उन्हें वोटिंग का अधिकार होगा। इस एक्ट से जीबी सिस्टम को कानूनी मान्यता मिल गई।

काव्य कुंज

मृत्यु रहस्य

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

जीवन और मृत्यु एक है
एक सिक्के के दो पहलू हैं
एक धागे के दो छौर है
तुम घर से उद्यान जाते हो
सैर की, कुछ फूल सुधे
कुछ कसरत की, लंबी सांसे ली
घर लौट आते हो, तुम अपनी दुनिया मैं
परिवार में रम जाते हो , यही क्रम जीवन मृत्यु का है
सारा दिन सूर्य देव, तुम्हें आलौकिक करते हैं
नई जीवन ऊर्जा देते हैं, सांझ आई तो अपने
नए लोग चले जाते हैं, चंद्रदेव तुम्हें अपनी
शीतल किरणों से , तुम्हें पूर्ण विश्राम दे देते हैं
सुषुप्ति मैं तुम अपना, पूआभास खो देते हो ।।

कैसी पहेली

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

कैसी पहेली है
ये खुदबखुद कोई आता पास है।
कल तक जो साथ था
आज नहीं आस पास है।।
कोई दिल तोड़े तो
क्या कर सकता है कोई ।
कोई मालिक है तो कोई बना दास है।।
किसी के गुनाहों से बेख़बर,जिंदगी देते रहे ।
पर्दा उठा गुनाह का मन में आई खटास है।।
पाकीज़ा मोहब्बत में भी लग गए इल्जाम।
कैसे बताएं रुक रुक के चल रही सांस है।।
रूह से रूह नाता न समझे कलयुगी इंसान।
तन से तन का नाता ही बन रहा खास है।।
ईश्वर तेरी दुनिया से मुक्ति कब मिलेगी।
जीता जागता इंसान यहां बन रहा लाश है।।
कोई काम छोड़कर अचानक ही चला गया।
किसी किसी की पूरी नहीं होती तलाश है।।

भूकंप

टी तारासिंह
हैदराबाद

हुए बेघर अपनों से अपने अलग हुए
जलजला ने ली बहुतों की जाने
प्रकृति की विपत्ति तुर्की सीरिया को रूलाई
दुनिया अभी भी दहशत में है सदमे में है
समय कभी किसी पर भी भारी पडता
कोई तो दे तस्सली थोड़ी सी सान्थवना
सब देश फसे है आर्थिक स्थिति में
कोई भी देश ना बढाया सहायता का हाथ
हमारा देश भारत देश पहला कदम उठाया
सहायता की दवाईयों से खाध्य पदार्थो से
कोई किसी की मदद करे या जिंदगी बचा ले
तो वो आजीवन हमारा ऋणी रहता
भविष्य में वैज्ञानिक भूकंप रोकने की खोज करे ।।

तु सब जानती हैं।

डॉ डी डी देसाई

बच्चों के मन की दुविधा हो,
या सास – ससुर की सुविधा हो,
काम हो या घर संवारना हो,
न जाने कैसे संभालती हैं।
हे नारी.... तु सब जानती हैं।
पति का प्यार हो या दुलार हो,
शक हो या शिकायतें हजार हो,
अश्क़ हो या सिसकियाँ बेशुमार हो,
बिना टूटे रिश्ते निभाती हैं।
उजड़ा आँगन हो या टूटी दिवार हो,
महल हो या हुजरे में दरार हो,
सर पर हाथ हो या किसी का साथ हो,
बिना थके आशियाना चलाती हैं।
रसोई में हो या रईसी में हो,
अंतः कृन्दन में हो या ख़ामोशी में हो,
टूटे ख्वाब हो या चूल्हे में सुलगती ख्वाहिशें हो,
न जाने कैसे संभरण करती हैं।
शिक्षित हो या अनपढ़ गँवार हो,
मुश्किलों में जीना या किसी के लिए मरना हो,
कुछ पाना या अपना सब कुछ खोना हो,
न जाने खुद को कैसे आजमाती हैं।
हे नारी...तु सब जानती हैं।

जल है तो कल है, जीवन जिससे निर्मल है

कुमुद बाला,
हैदराबाद

उम्मीद पे कायम जीवन का ,
जल ही एक सहारा है
पंचतत्व की अलख जगाकर ,
जीवन सबका सँवारा है
सत्य है - जल है तो कल है
जीवन जिससे निर्मल है।
जल की लहरों से मन के भाव ,
दिल में हिलोरे लेते हैं
जीवन की आपाधापी में सुलझन की दही बिलोते हैं
धरती पर उगते अंकुर को जब जल की बूँदें भिगोती हैं
आह्लादित मन के आँगन में संतोष के करवट होते हैं
स्वच्छ जल.दर्पण ने दिल के रिश्तों में प्रेम उभारा है
पंचतत्व की अलख जगाकर , जीवन सबका सँवारा है
सत्य है - जल है तो कल है जीवन जिससे निर्मल है।
जल है एक अनमोल धरोहर इसका , सम्मान करना चाहिए
पर्यावरण के स्वस्थ विचारों का आह्वान करना चाहिए
जीवन की प्यास बुझाने वाले जल से क्यों इतनी शत्रुता
मनुष्यता मिटने से पहले मनुज गुणगान करना चाहिए
अंकित कर जीवन को जल ने दुख से हमें उबारा है
पंचतत्व की अलख जगाकर , जीवन सबका सँवारा है
सत्य है - जल है तो कल है जीवन जिससे निर्मल है।
वेद - ऋचाएँ रचने वालों ने इसका महत्व पहचाना था
नव जल को सुरक्षित रखने का दायित्व उन्होंने जाना था
सभी नदियों को माता कह ऋषियों ने ही तो पुकारा था
मैली नदिया - मैला आँचल प्रकृति का घनत्व भी जाना था
बंजर धरती और संस्कृति पर जल है तो उजियारा है
पंचतत्व की अलख जगाकर , जीवन सबका सँवारा है
सत्य है - जल है तो कल है जीवन जिससे निर्मल है।

थाम तिरंगा...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जिस दिन आपने खुल करके ..जिंदगी जी ली
बस वही त्यौहार..बाकी सब कैलेंडर तारीखें हैं
जो आया सो चलसी सबको आई वारिये
करें चिंतन मनन,अन्यथा खंडहर झरोखें हैं
किया वादा माँ से सारी दुनिया तेरे क़दमों में
बीच चौरस्ते शांत, मुट्ठी में क़ैद अंधेरे हैं
मृगतृष्णा की प्यास तो अच्छी लगती है
आँखें जब खुलेंगी तब ध्वस्त किनारें हैं
जितना कष्ट कंटकों में है,जिनका जीवन..
अक्षरशः सही,वरना छींके से लटके हैं
यह भी मेरा वह भी मेरा जो दिखे सब मेरा
संध्या हुई,चलें,अश्रुपूरित अर्थी पर अकेले हैं
माना सत्य तोड़ा मरोड़ा निचोड़ा जाता है
चित्रगुप्त दरबार,दिशदिंगत दीप्त सवेरें हैं
पूछा गया, ऊपर से भारत कैसे लग रहा है
सारे जहां से अच्छा,हसीं तबीयत के जज़्बे हैं
कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी
थाम तिरंगा,वंदे मातरम,दुर्गम पर्वत अपने हैं

उनके आने से

डॉ माध्वी बोरसे!
रावतभाटा कोटा

एक सफर थम सा गया था,
हृदय में, गम सा भरा था,
जीवन तन्हा और अकेला मन,
कैसे देखे, नम आंखें टूटे स्वप्न।
थमते सफर को ऐसा चलाया,
जीवन का जर्रा जर्रा महकाया,
कहने लगे, बनजाओ मेरी हमसफर,
नए सफर से भरने दो हर एक लहर।
डर और घबराहट ने रोका रास्ता,
पर दिया उन्होंने जब, रब का वास्ता,
कहां उस पर विश्वास करो और मेरी हो जाओ,
इस जिंदगी को मेरे साथ और हसीन बनाओ।
मुद्दत बाद ही सही मिले तो,
शूल के बाद जीवन में फूल खिले तो,
हर जन्म तुम ही मिलो, यही गुजारिश है,
ऐसा लगता है,अब जाकर पूरी हुई बरसों की ख्वाहिशें।।

देवों के देव महादेव

लवली आनंद,
बिहार

आंग पे भस्म वो लगा रहे है।
तन को मृग छाल से सजा रहे है।
गले मे सर्प की पिरो कर माला
अपनी जटा को बांध रहे है।
धर रूप विचित्र अपना वो दिगंबर,
भक्तों के मन को लुभा रहे है।
भूत,प्रेत,गण, असुर,देवता,
शिव की बारात सब सजा रहे है।
बजे नगाड़े ढोल मृदंग भी
तीनों लोक सब झूम रहे है।
लग गई हल्दी-उपटन सारे,
सखियां सोहर अब गाने लगी है।
हाथ मे मेंहदी सोभ रही है।
गेसु गजरे से महक उठी है।
माथे पे बिंदियां ऐसे सोहे,
जैसे सोलह चाँद जड़ें है।
आँख में कजरा कारी बदरी सी,
शिव की राह वो टूक टूक तके है।
लाल जोड़ें में बैठी शैला,
शिव के रंग में आज रंगी है।।

वसंत

मोनिका राज
माधेपुरा, बिहार

एक निरंतर साझेदारी से
जब जीवन चलने लगता है
तब अचानक उससे
विलगाव की अनुभूति,
झकझोर जाती है हमें
फिर भी खुद को संभालते
और समेटते हुए
चलना होता है सबको निरंतर
क्योंकि वक़्त रुकता नहीं, एक नए सृजन के लिए
प्रकृति चलती रहती है अनवरत, एक से बिछोह और
दूजे से मिलन की आस में, यह चक्र चलता हीं रहता है
पुराने पर्ण त्यागकर तरु नव पल्लव और पुष्पों से
लदने को तैयार होने लगते है,वह थम कर थूंठ हो चुके
शाखाओं को देखग़मी नहीं मनाते क्योंकि,
जीवन थम जाने का नहीं चलते रहने का नाम है,
शायद इसलिए वसंत परिचायक है विलगाव और
नव जीवन निर्माण का।

ओ कैलाश के निवासी

मदन वर्मा, इंदौर

ॐ नमः शिवाय, हरिओम बोलें,
शिवभक्ति में अपना तनमन डोलें !
शिवा बाबा, का डमरु डमडम बाजे,
शिवभक्ति में हमारा रोम-रोम नाचे !
शिव की जटा में पावन गंगा विराजे,
बाबा नीलकंठ सर्प की माला धारी !
चंद्रमा शोभित होवे बाबा जटाधारी,
बाबा जटाधारी करें नंदी की सवारी !
तन पर भभूति रमाये, बाबा भोलानाथ रे,
ॐ नमः शिवाय, बोलें ॐ नमः शिवाय रे !
बाबा प्रजापालक, त्रिपुंडधारी, तेरी कृपा
सब पर, तेरी स्तुति करें, तेरी बलिहारी रे !
डमडम-डमडम,
डमडिमाक डमरू बाजे,
ओ कैलाश के निवासी, ओ त्रिशूल धारी !
मां पार्वती संग तेरी जोड़ी निराली ओबाबा,
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय, विश्वनाथ रे !

शिव ही सुंदर है

गजानन पाण्डेय

सत्य ही शिव है
शिव ही सुंदर है
शिव जीवन के रक्षक हैं
वे ' मानव ' के पथ - प्रदर्शक हैं ।
दुर्जनों का संहार करते
सज्जनों का दुख वे हरते
वे नीलकंठ कहलाते हैं ।
वे देवों के देव महादेव हैं
हम सब के प्रतिपालक हैं ।
ये जागरण की रात है
' शिव जी ' हमारे साथ हैं
' शिव ' को खुद में जगाएं
दिव्यता की ओर बढे
जीवन को ' शिवमय ' बनाएं ।

शिव शिव जपो

सविता राज,
मुजफ्फरपुर बिहार

सृष्टि का संरक्षण ,
प्रायः किया शिव ने।
अमृत मंथन में
सुरों को दे अमृत,
हलाहल का पान किया शिव ने।
तन हुआ नीला,
नीलकंठ तब नाम धरा शिव ने ।
गौरी को खुद में समाहित कर,
अर्धनारीश्वर रूप लिया शिव ने।
भक्तों के प्यारे,
भक्त उनके प्यारे,
एक फरियाद पे भक्त की,
दिया मनवांछित फल शिव ने।
शिव शिव जपो,
मिल जाओगे अंत में शिव में।
बेड़ा पार होगा तेरा भी,
जाने कितनों को पार लगाया है शिव ने।

उसकी प्रेम की भाषा समझ लेता हूँ

जब वह मौन हो कर भी बैठी हो पास में,
मैं उसकी मौन की भाषा समझ लेता हूँ।
जब वह मंद मुस्कान से देखती है मुझे,
मैं उसकी मुस्कान की भाषा समझ लेता हूँ।
जब नैनो से मेरे मन को मोह लेती है,
मैं उसकी नैनों की भाषा समझ लेता हूँ।
जब वह अपनी चेहरे पर शिकन लाती है,
मैं उसकी शिकन की भाषा समझ लेता हूँ।
जब वह मेरे इंतजार में करवटें लेती है,
मैं उसकी इंतजार की भाषा समझ लेता हूँ।
जब उसका दिल कभी होता है गम में ,
मैं उसकी दिल की भाषा समझ लेता हूँ।
जब वह मधुर ध्वनी निकालती है मुख से,
मैं उसकी ध्वनी की भाषा समझ लेता हूँ।
जब उसकी पग मेरी ओर बढ़ने लगती है
मैं उसकी पग की भाषा समझ लेता हूँ ।
जब आ कर पास मुझे वह गले लगाती है,
मैं उसकी आलिंगन की भाषा समझ लेता हूँ
उसे सुकून देता है घंटो मेरे गले लगे रहना,
मैं उसकी सुकून की भाषा समझ लेता हूँ।
जब मेरे बाहों में आ कर झपकी लेती है,
मैं उसकी खुशी की भाषा समझ लेता हूँ।
जब वह प्रेम से मेरे साथ होना चाहती है,
मैं उसकी प्रेम की भाषा समझ लेता हूँ।

- नृपेन्द्र अभिषेक नृप,छपरा , बिहार

ओम नमः शिवाय

हे महेश, महेश्वर, महेश्वराय,
हे गिरिजेश, गिरिजाशंकर,
हे नंदीश्वर, पर्वत कैलाशवासी,
हे गंगेश्वर, गंगाधारी ओम नमः शिवाय !
हे बारह ज्योतिर्लिंगों में तेरी महिमा,
करें जग का उद्धार हे कैलाश के निवासी,
तेरे दर्शन, तेरी पूजा करे देव, गंधर्व, पृथ्वीवासी,
हे महादेव, हे शंकर, हे भूतेश्वर, हे महाकालेश्वर !
भोले भंडारी, सभी पर रहे कृपा तुम्हारी,
कण कण में बसती हस्ती तुम्हारी ओ त्रिपुरारी,
हे जबरेश्वर, हे मनकामेश्वर, भोले भंडारी,
सारा जग करे अर्चना-पूजन दिव्यशक्ति तुम्हारी !
बोलो ओम नमः शिवाय, ओम नमः शिवाय,
डमरू बाजे डमडम, बोलो ओम नमः शिवाय,
त्रिपुंडधारी, त्रिपुरारी, गाये सब आरती तुम्हारी,
नीलकंठेश्वर, भोला भंडारी ओम नमः शिवाय !

- नेहा ठाकुर नेह , इंदौर, मध्यप्रदेश

शिवरात्रि

रेणुका अग्रवाल

शिव शिव बम बम बोले ।
हरहर महादेव क्यों न बोले ।
शीश गंग, नीलकंठ संग त्रिशूल है।
शिवकृपा से बनते शूल भी फूल है।
एक लोटा जल चढ़ाओ ।
मन इच्छा फ़ल पाओ।
बेलपत्र आक धतूरा ,
गेंदा चमेली भी ले आओ।
अबीर गुलाल हो पूजा में,
फ़ूल गुलाब हो पूजा में,
कमल भी जरूर लाना ,
सफेद आक भूल न जाना।
शिव संग शक्ति बिराजे।
हाथ में डमरू भी साजे।
गल में विषधर भयँकर,माथे चन्द्रमा भी साजे।
जो चाहो मांग लो मन में।
रहे क्लेश न कभी तन में।
कीजै नित कोटि कोटि प्रणामा।
नाम जपो बिन विश्रामा। रुद्र रूप है सुहाना।
मृत्युंजय नाम तुम्हारा।
बारह ज्योतिर्लिंगों में विराजे,
काशी विश्वनाथ में है साजे।
उज्जैन के महाकाल तुम हो।
परली के बैद्यनाथ तुम हो।
एलोरा के घृष्णेश्वर तुम हो।
सौराष्ट्र के सोमनाथ तुम हो।
श्री शैल के मल्लिकार्जुन हो।
खंडवा के ओम्कारेश्वर तुम हो।
हे शिव भीमाशंकर भी तुम हो।
नासिक में त्रयंबकेश्वर भी तुम हो।
उत्तर के केदारनाथ तुम हो।
गुजरात के नागेश्वर तुम हो।
दक्षिण में रामेश्वर कहलाये,
तेरी माया समझ न आये।
रंग रंग के फ़ूल चढ़ाकर।
एक लोटा जल अर्पण कर।
देते महादेव इच्छा फ़ल है।
इनकी सृष्टि इनका ही पल है।
जो समय के पार अविनाशी।
गंगा इनकी,इनकी ही काशी।
तन इनके भस्म लिपटी है।
रुद्र रूप में चढ़ी भृकुटि है।
जब कोई संकट आवे। सहर्ष मृतुन्जय जाप करावे।
टले मृत्यु सम कष्ट मानव के।
वर भी पूरे करते दानव के।
ये अपने भोले भण्डारी। किरपा करते सब पे भारी।
सोमवार शिव का दिन है। कुछ नहीं शिव के बिन है।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

दिवाली तक रहेगा दूध का संकट

घरों में आता 3 तरह का दूध फटने से बचाने को हो रही मिलावट; यही बना हेल्थ रिस्क

फरवरी 2022 से फरवरी 2023 के बीच राजस्थान में सरस का फुल क्रीम मिल्क 58 से बढ़कर 64 रुपए प्रति लीटर हो गया और टोन्ड मिल्क 46 रुपए से 50 रुपए लीटर तक पहुंच गया। मध्य प्रदेश में भी सांची का फुल क्रीम मिल्क 57 रुपए से 63 रुपए लीटर हो चुका है और टोन्ड मिल्क भी 48 रुपए से बढ़कर 54 रुपए लीटर बिक रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में भी टोन्ड मिल्क 48 रुपए से 54 रुपए लीटर हो गया और फुल क्रीम दूध 58 से 66 रुपए लीटर हो गया। दूध का महंगा होना घर के बजट पर असर डालता है। लेकिन जो दूध हम पी रहे हैं, उसका हमारी सेहत पर क्या असर हो रहा, यह समझना भी जरूरी है।

मार्केट के जानकारों ने 2023 की दिवाली तक दूध के महंगे होने का अनुमान लगाया है। ऐसा तब है जब भारत हाल ही में दुनिया में सबसे ज्यादा मिल्क प्रोडक्शन करने वाला देश बना है। आज भारत में दुनिया का करीब 24% मिल्क प्रोडक्शन होता है। 7 फरवरी को पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने लोकसभा में बताया कि 2014 से लेकर अब तक दूध का उत्पादन 51% बढ़ा है। 2014 में 38 रुपए लीटर मिलने वाला टोन्ड मिल्क आज 54 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गया है।

तीन वजहों से दूध महंगा हो रहा है

इंडियन डेयरी एसोसिएशन के अध्यक्ष आरएस सोढ़ी बताते हैं दूध की कीमत बढ़ने की तीन वजहें हैं। कोविड के बाद दूध ज्यादा महंगा हुआ उत्पादकों के पास जानवरों के लिए चारे की कमी हो गई। लंपी वायरस के कारण देश भर में 1 लाख से ज्यादा जानवरों की मौत हो गई, इसका भी असर दूध उत्पादन पर पड़ा। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण मिल्क प्रोडक्ट्स का रेट इंटरनेशनल लेवल पर बढ़ा। भारत बड़ी मात्रा में मिल्क प्रोडक्ट्स आयात करता है। 2020-21 में भारत का इम्पोर्ट पिछले साल के मुकाबले दोगुना करीब 40 करोड़ रुपए का रहा।

घरों में इस्तेमाल हो रहा तीन तरह का दूध

दूध को मोटे तौर पर तीन हिस्सों में बांट सकते हैं। पहला रॉ मिल्क यानी गाय-भैंस का दूध जो सीधा आपके पास आता है। दूध की दूसरी वैराइटी है- आधा या एक लीटर की प्लास्टिक थैलियों में आने वाला दूध, जिसे पॉश्चराइज्ड मिल्क कहते हैं। तीसरी तरह का दूध है- ट्रेटा पैक में आने वाला दूध, जो इन दोनों के मुकाबले जल्दी खराब नहीं होता। पैकेट खोलने के बाद फ्रिज में रखना जरूरी होता है। अब इन तीनों तरह के दूध की खासियत और इनमें अंतर को जानते हैं-

क्या रॉ मिल्क का इस्तेमाल करना चाहिए?

देश में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला दूध, दूधियों के जरिए घरों में पहुंचता है, जिसे उबालकर पिया जाता है। इसे रॉ मिल्क भी कहते हैं। कस्बों और शहरों में थैली वाले दूध यानी पॉश्चराइज्ड मिल्क की मांग ज्यादा है। लेकिन वहां भी कई लोग रॉ मिल्क लेते हैं। सीनियर कंसल्टेंट डॉ. हर्षपाल सिंह सचदेव रॉ मिल्क पीने से मना करते हैं। उबालने के बाद भी इसमें कई कमियां रह जाती हैं। वह इसकी वजह गिनाते हैं-

गाय के चारे में भी कई तरह के केमिकल्स मिले होते हैं। ये केमिकल्स दूध में पहुंचते हैं। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) की जांच में दूध में केमिकल्स पाए गए हैं। जनवरी 2023 में गुरुग्राम में जहरीले चारे से 30 भैंसों की मौत हो गई थी। FSSAI के अनुसार, 93 तरह के एंटीबायोटिक्स मवेशियों को दिए जा रहे हैं। इनमें कई बैन हैं। दूध में इनका असर दिखता है जो पेट को इंफेक्शन दे सकता है। साफ-सफाई न हो तो खतरनाक बैक्टीरिया गाय-भैंस के दूध से शरीर में पहुंच सकते हैं। ट्यूबरक्लोसिस (TB) का बैक्टीरिया इसी तरह दूध में आता है।

भारत में गर्मी काफी ज्यादा रहती है। रॉ मिल्क के जल्दी खराब होने की आशंका रहती है। दूध को फटने से बचाने के लिए दूधिये या बिचौलिए प्रिजर्वेटिव्स मिलाते हैं। रॉ मिल्क के बाद शहरी घरों में पैकेट बंद दूध यानी पॉश्चराइज्ड मिल्क ज्यादा यूज होता है। पॉश्चराइज्ड दूध तैयार करने का तरीका और उसके फायदे-नुकसान भी जानते हैं।

पॉश्चराइज्ड मिल्क यानी थैली वाले दूध की तीन कैटिगरी हैं, इसमें टोन्ड मिल्क, डबल टोन्ड मिल्क और फुल क्रीम मिल्क आते हैं। ये तीनों कैटिगरी दूध में मिलने वाले फैट के हिसाब से अलग बांटी जाती हैं। टोंड और डबल टोंड मिल्क में 400 से अधिक फैटी एसिड्स होते हैं। दूध में मौजूद फैट की मात्रा से टोन्ड और डबल टोन्ड तय होता है। दोनों ही तरह के दूध कोलेस्ट्रॉल और फैट से बचाते हैं। डाइटीशियन डॉ. विजयश्री बताती हैं कि जिन्हें कम फैट वाला दूध चाहिए वो डबल टोन्ड मिल्क ले सकते हैं। इस दूध में फैट कम होने के अलावा बाकी सभी दूसरे न्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं। फुल क्रीम मिल्क में 8 से 9 फीसदी तक फैट होता है।

क्या स्किम्ड मिल्क पिया जा सकता है?

जिस दूध में से फैट को पूरी तरह निकाल लिया जाता है उसे स्किम्ड मिल्क कहा जाता है। कई बार लोगों को लगता है कि स्किम्ड मिल्क पीने लायक नहीं रहता, जबकि ऐसा सोचना गलत है। इसमें फैट बिल्कुल नहीं होता लेकिन इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन जैसे न्यूट्रिएंट्स रहते हैं। इसे पीने में कोई रिस्क नहीं रहता। रॉ मिल्क और पॉश्चराइज्ड मिल्क के बाद तीसरी तरह के दूध टेट्रा पैक मिल्क की मांग भी घरों में तेजी से बढ़ी है।

ट्रेटा पैक या स्टरलाइज्ड मिल्क

टेट्रा पैक मिल्क स्टरलाइज्ड होता है। इसे होमोजेनाइज्ड मिल्क भी कहा जाता है। इसे 135 डि. से. से अधिक तापमान पर गर्म करके तैयार किया जाता है। इसमें न्यूट्रिशनल वैल्यू अधिक होती है। इस प्रक्रिया में फैट मोलिक्यूल्स टूट जाते हैं। यह दूध जल्दी डाइजेस्ट होता है। यह दूध लंबे समय तक सुरक्षित रहता है। कई बार डॉक्टर बच्चों को टेट्रा पैक दूध पीने की सलाह देते हैं। कंपनियों का दावा है कि टेट्रा पैक दूध में प्रिजर्वेटिव्स नहीं होते। विशेषज्ञ भी कंपनियों के दावे को सही मानते हैं। मगर साथ ही वो यह भी कहते हैं कि दूधिये के घर से कंपनी तक पहुंचने के दौरान दूध को खराब होने से बचाने के लिए इसमें औसतन तीन जगह प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जा रहे हैं, जो सेहत पर बुरा असर डालते हैं।

1- कलेक्शन सेंटर पर पहुंचने से पहले एजेंट प्रिजर्वेटिव्स मिलाते हैं

2- कलेक्शन सेंटर पर आने के बाद दोबारा प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं

3- कलेक्शन सेंटर से शहर जाने के बीच यह प्रकिया तीसरी बार होती है

डेयरी में पहुंचने पर भी क्वालिटी चेक में इन प्रिजर्वेटिव्स की पहचान नहीं हो पाती। कई बार डिमांड और सप्लाई के प्रेशर की वजह से अनदेखी तक हो जाती है। कुछ ही डेयरी में प्रिजर्वेटिव्स की जांच हो पाती है।

प्रिजर्वेटिव्स मिला दूध स्वास्थ्य के लिहाज से सुरक्षित नहीं रहता। दूध में हाइड्रोजन परऑक्साइड, सोडियम बाइकॉर्बोनेट, फॉर्मलडिहाइड, बोरिक एसिड, सोडियम बेंजोएट जैसे प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जा रहे हैं। इनकी कुछ बूंदों से ही दूध को 16 से 17 घंटे तक प्रिजर्व रखा जा सकता है। शैंपू, एंटीसेप्टिक और कॉस्मेटिक्स में इस्तेमाल होने वाले फॉर्मलडिहाइड या फॉर्मेलिन को भी दूध में मिलाया जाता है। ऐसा दूध लंबे समय तक इस्तेमाल करने से किडनी, लिवर और हार्ट के डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है।

टेट्रा पैक दूध का फ्लेवर खराब होता है?

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी के शोध में बताया गया है कि दूध को प्लास्टिक या कार्टन में पैक करने पर इसका टेस्ट खराब होने लगता है। टेट्रा पैक में जिस पेपर बोर्ड का इस्तेमाल होता है उसका फ्लेवर दूध में घुल जाता है। इसी तरह पॉली बैग या प्लास्टिक के बर्तन में दूध रखने पर उसका फ्लेवर इसमें आ जाता है। नतीजा दूध का अपना टेस्ट नहीं रहता।

दूध में सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, जिंक, कॉपर, मैग्नीज, आयोडीन, सेलेनियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है। लेकिन टेट्रा पैक मिल्क में कई मिनरल्स का बैलेंस असंतुलन बिगड़ जाता है। पोटैशियम और सोडियम के लेवल में गड़बड़ी होती है। अल्ट्रा हाई टेंपेरेचर पर दूध को गरम करने के बाद भी इसमें बैक्टीरिया के रहने का डर रहता है। पोटैशियम और सोडियम में गड़बड़ी से मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं। पैरालाइसिस और हाई ब्लड प्रेशर का भी रिस्क रहता है। टेट्रा पैक में पॉश्चराइज्ड दूध के मुकाबले न्यूट्रिएंट्स की मात्रा अधिक होती है। सेकेंड के 100वें हिस्से पर 135 से 140 डिग्री सेल्सियस पर दूध को गर्म किया जाता है। इसमें केमिकल रिएक्शंस कम होते हैं। जबकि दूध में मौजूद जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। इस दूध को लंबे समय तक रूम टेंपेरेचर पर सुरक्षित रख सकते हैं। वहीं टेट्रा पैक दूध पॉली बैग मिल्क के मुकाबले इको फ्रेंडली भी है। इसमें प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं किया जाता। टेट्रा पैक बायोडिग्रेडेबल है। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता। इसे रिसाइकिल किया जा सकता है।

क्या देसी गाय का दूध ऑर्गेनिक है

आजकल ऑर्गेनिक मिल्क बोतलों में भरकर बेचा जा रहा है। यह एक मिथ है कि देसी गाय का दूध ऑर्गेनिक होता है। ऑर्गेनिक दूध के कई स्टैंडर्ड हैं। इसमें देखा जाता है कि गाय को जो चारा दिया जा रहा है वो ऑर्गेनिक है या नहीं। इसे सर्टिफाइड किया गया है या नहीं। इसी तरह गाय के बीमार पड़ने पर उसे कौन सी दवा दी गई, क्या एंटी बायोटिक्स दी गई है? कई दवाओं का प्रभाव अधिक समय तक रहता है। दूध को कंप्लीट फूड कहा जाता है। काम की भागदौड़ में एक गिलास दूध पीकर जॉब पर निकलने वाले भी बहुत हैं। लेकिन आज दूध के दाम आम आदमी की जेब पर असर करने लगे हैं, जिसकी वजह से दूध का गिलास छोटा होता जा रहा है। टेंशन इस बात की है कि दूध की बढ़ती कीमतें कम से कम हमें सेहत की बेफिक्री तो दें।

3 हजार करोड़ की दूल्हा-दुल्हन ढूंढने की इंडस्ट्री

पहली मैट्रिमोनियल वेबसाइट 2000 में आई, प्रेमी लेखक ने खोला था दुनिया का पहला मैरिज ब्यूरो

वैलेंटाइंस वीक निकल गया। जिनकी जोड़ी नहीं बनी, वो संन्यास नहीं लेंगे। घर वाले, रिश्तेदारों-दोस्तों या फिर किसी ऐप से सहारे अपना घर बसाने की सोचेंगे। कहीं अगुआ, कहीं 'बर्तुहार' तो कहीं नाई-पंडित से लेकर फूफा-मौसा-ताऊ और प्रोफेशनल एजेंट तक इस काम में लगाए जाएंगे। नई पीढ़ी, नई टेक्नॉलजी के सहारे घर बसाने का बंदोबस्त करेगी। संयोग है कि 'प्रेम सप्ताह' बीतने के तुरंत बाद शादियों का लग्न शुरू हो रहा है। जिन्हें फरवरी में उनका वैलेंटाइन नहीं मिला या मिली, उनके लिए शादियों का ये सीजन सौगात बनकर आएगा। लेकिन सवाल यह भी है कि उनके लिए रिश्ते कैसे ढूंढे जाएंगे? बहुत पुरानी बात नहीं है, जब दीवारों पर 'दुल्हन वही जो पाठक जी दिवलाएं' जैसे इश्तेहार लगे रहते थे। आज भी ढेर सारे ऐप और मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स मनचाहा रिश्ता दिलाने का वादा कर रही हैं। पुराने समय में ये जिम्मेदारी बुजुर्गों के कंधे पर होती। आज हम आपको मैच मेकिंग के बदलते रूप से रुबरू कराएंगे। यह भी जानेंगे कि कहां दूल्हों का मेला लगता है और कभी रिश्ते ढूंढने का जो काम नाई करते थे, कूरियर के जमाने में वे आज भी शादी का कार्ड लोगों के घर देने जाते हैं। लेकिन पहले बात करते हैं आज के दौर की-

केन रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक देश में ऑनलाइन मैचमेकिंग इंडस्ट्री का बिजनेस 3 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का है। इसमें बड़ा हिस्सा मंझोले और छोटे शहरों का है। गांवों में भी ऑनलाइन मैचमेकिंग के जरिए रिश्ता ढूंढने का चलन बढ़ा है। बड़े शहरों से ऑपरेट होने वाली मैचमेकिंग साइट्स गांव-देहात के लोगों की जरूरतों और मान्यताओं का बखूबी ख़याल रखती हैं। जाति-धर्म से लेकर गोत्र मिलाने तक के ऑप्शन मौजूद होते हैं।

साल 2000 के आसपास देश में पहली मैट्रोमोनियल साइट लॉन्च हुई। इससे पहले मैरिज ब्यूरो की वेबसाइट्स तो बन गई थीं, लेकिन वो केवल अपना विज्ञापन करती थीं और ऑनलाइन सर्विस प्रोवाइड नहीं कराती थीं। इसके बाद वेडिंग वेबसाइट्स और मैट्रिमोनियल ऐप्स की बाढ़ सी आ गई। मैचमेकिंग का ऑनलाइन तरीका सबसे आसान और सस्ता था। जिसके चलते यह दिनोंदिन पॉपुलर होता गया।

'मैरिज इन साउथ एशिया' किताब में भारत में मैचमेकिंग के बदलते तौर-तरीकों की पड़ताल की गई है। इसके मुताबिक देश में फिलहाल 2600 से ज्यादा एक्टिव मैचमेकिंग वेब साइट्स और सैकड़ों ऐप मौजूद हैं। दिनोंदिन इनकी संख्या बढ़ती ही जा रही है।

मैट्रिमोनियल बेवसाइट आने के बावजूद आज भी देश में पुराने तौर-तरीकों से सामूहिक विवाह होते रहते हैं। ऐसा ही एक मेला बिहार के मिथिला में लगता है।

बिहार के मिथिला में 700 साल से लगता है दूल्हे का मेला

700 साल पुरानी बात है। बिहार के मिथिला इलाके में कर्णाट वंश के राजा हरिसिंह देव का राज था। उनका राज आधुनिक नेपाल के मैथिल इलाके तक फैला था। राजा साहब पुराने ख्यालात के थे। उनका मानना था कि गोत्र में शादियां नहीं होनी चाहिए। साथ ही गरीब घर के लड़के-लड़कियों को आसानी से रिश्ते मिलें, इसके लिए उन्होंने सौराठ सभागाछी की शुरुआत की। ये सभागाछी दरअसल, दूल्हों का मेला था। गुरुकुल से निकलने वाले लड़के यहां आते, जहां लड़की के घरवाले लड़के को देखते, मेले में मौजूद पंडितों के पास दोनों पक्षों की 7 पीढ़ियों का इतिहास होता; जिसे मिलाकर देखा जाता कि दोनों परिवारों के बीच पहले कोई रिश्ता तो नहीं हुआ। अगर सब कुछ ठीक लगता तो दोनों की शादी करा दी जाती। इसमें किसी भी तरह के दहेज का लेनदेन नहीं होता।

700 साल पुरानी ये सभागाछी आज भी लगती है; लेकिन अब यहां उतने रिश्ते तय नहीं होते। पहले मिथिला के राजा-महाराजा से लेकर आम लोगों तक को उनका जीवनसाथी यहीं मिलता था। अब बदलते परिवेश में लोग दूसरे तरीकों से भी रिश्ते ढूंढ़ने लगे हैं।

पुराने जमाने में मैच मेकिंग यानी रिश्ते बनाने के लिए लोग समाज के बड़े बुजुर्ग और पंडितों के भरोसे रहा करते। उत्तर भारत के कुछ इलाकों में यह महत्वपूर्ण काम नाइयों के जिम्मे था। नाई का पेशा ऐसा था कि उसके यहां समाज के हर वर्ग के लोग नियमित आते; जहां दूल्हा-दुल्हन के खानदान, गांव, उनके चाल-चलन और आर्थिक स्थिति की भी जानकारी ले ली जाती। नाई ही रिश्ते की शुरुआत कराता। मैथिली-भोजपुरी में कई लोकगीत हैं, जिसमें लड़कियां नाई (हज्जाम) से राम-लक्ष्मण और गेंदे के फूल की तरह सुंदर दूल्हा ढूंढने की गुहार करती हैं।

कहा जाता है कि पुराने समय में किसी की इज्जत बनाने और बिगाड़ने में नाई की बड़ी भूमिका होती थी। वह घर-घर जाकर शादियों का न्योता भी दिया करता था। मौखिक न्योते के साथ नाई लड़के की शादी की स्थिति में सुपारी और लड़की की शादी में पीले चावल देता था। बदले में उसे हर घर से अनाज और रुपए मिलते थे। कई जगह अब भी शादी के कार्ड नाई ही पहुंचाते हैं। इस दौरान उसकी पारखी नजर ब्याह करने लायक लड़के और लड़कियों की तलाश में रहती। जो नए रिश्ते तय करने में काम आता।

अंग्रेजों के जमाने में जब दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों की आबादी बढ़ी तो वहां रिश्ते ढूंढने के लिए पंडित-नाई और समाज के बड़े-बुजुर्ग नाकाफी पड़ गए। ऐसे में देश में मैरिज ब्यूरो खुलने शुरू हुए। जहां एक ऐजेंसी फीस लेकर वर-वधू ढूंढती थी। वैसे कह सकते हैं कि देश में मैरिज ब्यूरो अंग्रेज लेकर आए।

प्रेमी लेखक ने खोला था दुनिया का पहला मैरिज ब्यूरो

29 सितंबर 1650 को इंग्लैंड में दुनिया का पहला मैरिज ब्यूरो खुला। इसे खोलने वाले हेनरी रॉबिन्सन नाम के अंग्रेज राइटर थे। उस वक्त का यूरोप काफी दकियानूसी था। शादी से पहले लड़के-लड़कियों का मिलना और संबंध बनाना बड़ा अपराध समझा जाता। पूरे यूरोप में शुद्धतावादी नैतिकता का जोर था।

हेनरी खुद प्रेम और आध्यात्म पर लिखते थे। ऐसे में उन्होंने लंदन की लड़कियों के लिए कुछ करने का फैसला किया। उन्होंने लंदन में ही एक ब्यूरो खोला, जो लड़के-लड़कियों को प्रेम और शादी के लिए मिलवाने का काम करता था।

दस्ताने से शुरू होती थी प्यार की दास्तां

17वीं-18वीं सदी तक इंग्लैंड और यूरोप के दूसरे हिस्सों में बड़े पैमाने पर मैरिज या डेटिंग ब्यूरो खुलने लगे। आज के डेटिंग ऐप्स में जिस तरह मैच या स्ट्राइक बनते हैं; उससे इतर पुराने समय में रूमाल या दस्ताने का इस्तेमाल किया जाता था।

मैरिज ब्यूरो पर पुरुष अपनी पंसद की लड़की के लिए दस्ताना छोड़ कर जाता। अगर अगले संडे वह लड़की उस दस्ताने को पहनकर चर्च आती तो इसका मतलब था कि वह लड़के में 'इंट्रेस्टेड' है।

भारत का सामाजिक तानाबाना यूरोप के मुकाबले काफी मजबूत था। यही वजह है कि यूरोप में नाई-पंडित इतने काम नहीं आते। वहां जिस घर में शादी लायक लड़की होती, वहां कुछ ऐसे निशान लगा दिए जाते कि लड़केवाले खुद रिश्ते लेकर आए। उदाहरण के लिए स्पेन में बालकनी में रंगीन गमले लगाए जाते, तो फ्रांस में खिड़की पर चटख रंग का कपड़ा लटकाया जाता। वाइन की एक बढ़िया बॉटल लेकर लड़की के पिता से उसका हाथ मांगने वाले लड़के जवां मर्द समझे जाते थे। जो लोग मैरिज ब्यूरो को मोटी फीस नहीं दे पाते थे, उनके लिए अखबार का विज्ञापन काम आता। अखबार के छोटे से वर्गीकृत विज्ञापन में किस तरह के वर या वधू चाहिए; यह बताकर अपना नाम-पता और नंबर दिया जाता। जिसके आधार पर लोग आपस में संपर्क करते। ऐसे विज्ञापनों में उस समय के समाज की सोच भी देखने को मिलती। जिससें 'सिर्फ गोरी लड़कियों के लिए मान्य' जैसी शर्तें लिखी होतीं।

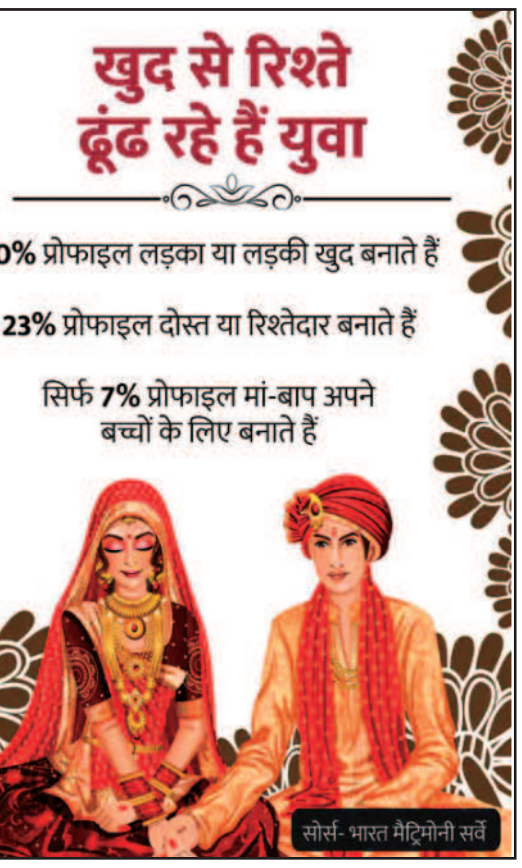

कोई किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है, या सिर्फ साथ के लिए शादी करना चाहे यानी असेक्शुअल या 60 की उम्र में शादी करना चाहे; ऐसे लोगों के लिए रिश्ता ढूंढने का कोई भी ट्रैडीशनल साधन मौजूद नहीं है। लेकिन ऑनलाइन मैच मेकिंग साइट अलग-अलग कैटिगरी में रिश्ते ढूंढ़ने में मदद करती हैं। देश में दर्जनों ऐसी वेबसाइट्स हैं जो कैंसर जैसी बीमारियों से जूझ रहे लोगों के बीच रिश्ता कराती हैं।

मैरिज वेबसाइट्स पर लॉगिन के लिए प्रोफाइल बनानी होती है। इस दौरान वेडिंग वेबसाइट्स भावी दूल्हे या दुल्हन से जुड़ी तमाम जानकारियां लेती हैं। वेबसाइट्स ये जानना चाहती हैं कि आप यह प्रोफाइल खुद अपने लिए बना रहे हैं या किसी रिलेटिव, बेटा-बेटी, भतीजा-भतीजी या दोस्त के लिए। उम्मीदवार की कुंडली और आदतों की पूरी छानबीन की जाती है। पूछा जाता है कि आप वेजेटेरियन या नॉनवेजटेरियन हैं। वाइन या बियर पीते हैं या नहीं। क्या आपको डॉगी या बिल्ली रखना पसंद हैं या नहीं। आपका अपना घर है या नहीं।

वेडिंग वेबसाइट्स आपके व्यक्तित्व की खासियतों और हुनर की भी जानकारी मांगती हैं। पढ़ाई, लिखाई, पेंटिंग, कढ़ाई, फोटोग्राफी जैसे शौक के बारे में जानकारी देनी होती है। यह भी पूछा जाता है कि आप गाते हैं या सिर्फ गुनगुनाते हैं। आप क्या पढ़ना पसंद करते हैं। आपको ज्योतिष पसंद है या अंकविज्ञान पर विश्वास है। आपको किस तरह की मूवी देखना पसंद है। शाहरुख पसंद है या सलमान। आप थियटर या ट्रैवल क्या पसंद करते हैं। क्या आप ट्रैकिंग करते हैं? आपकी पसंद के स्पोर्ट्स कौन से हैं? हेल्थ को लेकर आप कितने अलर्ट हैं; जिम जाते हैं या योग करते हैं? वेडिंग वेबसाइट्स आपका भाषा ज्ञान जानने के लिए प्रेमचंद और रस्किन बॉन्ड तक चली जाती हैं। उम्र से लेकर खाने तक आपकी कुंडली में झांकने के बाद परिवार का ब्योरा मांगा जाता है। परिवार के बारे में पूछकर आपका क्लास जानने की कोशिश की जाती है। पूछा जाता है कि आप लोअर मिडिल क्लास या अपर मिडिल क्लास किस फैमिली का हिस्सा हैं। आप न्यूक्लियर फैमिली में रहते हैं या जॉइंट फैमिली में रहना होता है। भाई-बहन की भी जानकारी ली जाती है। इन सबके बाद आपके गोत्र तक पूछा जाता है। यह भी पूछा जाता है कि आप पेरेंट के साथ रहते हैं या नहीं।

मुंबई के रहने वाले 65 साल के एक बुजुर्ग अकेलेपन से परेशान थे। उनकी पत्नी की मौत काफी पहले हो गई थी। लॉकडाउन में अकेलापन उन्हें काफी खला। जिसके बाद उन्होंने एक फेमस मैट्रिमोनियल साइट पर रजिस्ट्रेशन कराया। जहां एक युवती के साथ बुजुर्ग का मैच बना। दोनों में नबंर एक्सचेंज हुआ और बातें होने लगीं। धीरे-धीरे दोनों आपस में वीडियो कॉल भी करने लगे। इसी दौरान युवती ने बजुर्ग की अश्लील वीडियो बना ली। बाद में इस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर युवती ने बुजुर्ग से 65 लाख रुपए ऐंठ लिए। जीवन भर की कमाई लुटाने के बाद बुजुर्ग ने पुलिस में कंप्लेन दर्ज कराई।

कोर्ट का फैसलाः शादी की गारंटी नहीं मैच मेकिंग साइट्स

देश में चलने वाली मैचमेकिंग साइट्स प्रीमियम मेंबरशिप के नाम पर मोटी फीस भी लेती हैं। ऐसा ही एक मामला कर्नाटक में सामने आया, जहां 35 साल के एक शख्स ने 53 हजार रुपए में एक मैट्रिमोनियल साइट की मेंबरशिप ली, लेकिन इतने पैसे खर्च करने और तमाम कोशिशों के बाद भी उसका कहीं पर भी रिश्ता पक्का नहीं हुआ। नाराज होकर शख्स ने बेंगलुरु के एक कंज्यूमर कोर्ट में ऑनलाइन मैट्रिमोनियल सर्विस प्रोवाइडर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि कोई भी मैट्रिमोनियल सर्विस प्रोवाइडर शादी की सुविधा दे सकता है, गारंटी नहीं ले सकता।

दुल्हन कोई भी दिलवाए, लेकिन पुरानी कहावत आज भी सच है, जोड़े स्वर्ग में बनते हैं, लेकिन निभाए धरती पर जाते हैं। जोड़ी किसी भी जरिए से बने, लेकिन इतना ध्यान रखें कि इमोशंस की ठगी होने पर शादी नहीं चलती।

फाल्गुन अमावस्या मुहूर्त

फरवरी 19, 2023 को 4:21:09 से अमावस्या आरम्भ फरवरी 20, 2023 को 12:38:17 पर अमावस्या समाप्त

फाल्गुन अमावस्या

फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष में आने वाली अमावस्या को फाल्गुन अमावस्या कहते हैं। यह अमावस्या सुख, संपत्ति और सौभाग्य की प्राप्ति के लिए विशेष फलदायी है। जीवन में सुख और शांति के लिए फाल्गुन अमावस्या का व्रत रखा जाता है। इसके साथ ही इस दिन पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण व श्राद्ध भी किया जाता है। यदि अमावस्या सोम, मंगल, गुरु या शनिवार के दिन हो तो, यह सूर्यग्रहण से भी अधिक फल देने वाली होती है।

फाल्गुन अमावस्या व्रत और धार्मिक कर्म

धार्मिक मान्यता के अनुसार फाल्गुन अमावस्या के दिन किये जाने वाला व्रत और धार्मिक कर्म तुरंत फलदायी होते हैं। हर अमावस्या पर पितरों के तर्पण का भी विशेष महत्व है। इस दिन किये जाने वाले धार्मिक कार्य इस प्रकार हैं-

फाल्गुन अमावस्या का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार फाल्गुन अमावस्या पर पवित्र नदियों में देवी-देवताओं का निवास होता है, अतः इस दिन गंगा, यमुना और सरस्वती में स्नान का विशेष महत्व है। यदि फाल्गुन अमावस्या सोमवार के दिन हो तो, इस दिन महाकुम्भ स्नान का योग भी बनता है, जो अनंत फलदायी होता है।

इस दिन नदी, जलाशय या कुंड आदि में स्नान करें और सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद पितरों का तर्पण करें।

पितरों की आत्मा की शांति के लिए उपवास करें और किसी गरीब व्यक्ति को दान–दक्षिणा दें।

अमावस्या के दिन शाम को पीपल के पेड़ के नीचे सरसो के तेल का दीपक लगाएं और अपने पितरों को स्मरण करें। पीपल की सात परिक्रमा लगाएं।

रुद्र, अग्नि और ब्राह्मणों का पूजन करके उन्हें उड़द, दही और पूरी आदि का नैवेद्य अर्पण करें और स्वयं भी उन्हीं पदार्थों का एक बार सेवन करें

शिव मंदिर में जाकर गाय के कच्चे दूध, दही, शहद से शिवजी का अभिषेक करें और उन्हें काले तिल अर्पित करें।

अमावस्या शनिदेव का दिन भी माना जाता है। इसलिए इस दिन उनकी पूजा करना जरूरी है।

अमावस्या के लिए शनि मंदिर में नीले पुष्ण अर्पित करें। काले तिल, काले साबुत उड़द, कड़वा तेल, काजल और काला कपड़ा अर्पित करें।

05 मार्च तक शनिदेव रहेंगे अस्त

इस दौरान भूलकर नहीं करना चाहिए ऐसी गलतियां

शनि ग्रह का सभी ग्रहों में विशेष महत्व होता है। शनि ग्रह को न्याय और कर्मफलदाता माना गया है। यह सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह होते हैं। शनि की धीमी चाल से इनका असर ज्यादा दिनों तक रहता है। शनि किसी एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करने पर करीब ढाई वर्षों का समय लेते हैं। ज्योतिष में शनि को दुख, रोग, पीड़ा और गरीबी के कारक ग्रह माने जाते हैं। मकर और कुंभ राशि के स्वामी ग्रह शनि होते हैं। तुला राशि शनि की उच्च राशि होती है जबकि मेष राशि इनकी नीच होती हैं। शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या बहुत ही मारक होती है।

शनि के राशि परिवर्तन अलावा इनका उदय और अस्त होना भी काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। शनिदेव 30 जनवरी 2023 को अपनी स्वयं की राशि कुंभ में अस्त हो गए हैं। शनिदेव 33 दिनों तक अस्त रहेंगे। ग्रहों के अस्त होने का मतलब उनका प्रभाव सूर्य देव के नजदीक आने पर क्षीण हो जाता है। शनिदेव 5 मार्च 2023 को रात को करीब 8 बजकर 46 मिनट पर कुंभ राशि में उदय होंगे। शनि के अस्त होने पर जिन राशि के जातकों पर शनि की सीढ़ेसाती या ढैय्या या फिर शनिदोष चल रहा है उन्हें विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। ज्योतिष में शनिदेव को कर्मफलदाता माना गया है। यह व्यक्ति को उनके कर्मों के आधार पर फल देते हैं। ऐसे में शनि के अस्त होने पर लोगों को ऐसे करने से बचना चाहिए जिन वजह से शनिदेव नाराज हो जाते हैं।

– शनि के अस्त होने के दौरान जिन लोगों के ऊपर शनिदोष या साढ़ेसाती चल रही हो उन्हें मांस का सेवन नहीं करना चाहिए। जो लोग मांसाहारी होते हैं उन्हे शनि के अस्त होने के दौरान तक तामसिक भोजन करने से परहेज करना चाहिए। शनि के अस्त होने पर बुरे कर्म करने पर व्यक्ति को कार्यों में असफलता प्राप्त होती है।

– अगर आप चाहते हैं कि शनि आपके ऊपर नाराज न हो तो शनि के अस्त होने पर मदिरा का सेवन या फिर जुआ नहीं खेलना चाहिए।

– जो लोग अपने से बड़ों का सम्मान नहीं करते हैं। माता-पिता के साथ रूखा व्यवहार करते हैं शनिदेव की उनके ऊपर कृपा नहीं बरसती है।

– शनि के अस्त होने के दौरान बेजुबान जानवरों को किसी भी प्रकार की हानि नहीं पहुंचाना चाहिए। जो लोग जानवरों को कष्ट देते हैं शनि की अशुभ दृष्टि उन पर पड़ती है।

– जिन जातकों के ऊपर शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या लगी हुई होती है उन्हे कभी भी बीमार, असहायों और गरीबों के साथ बुरा बर्ताव नहीं करना चाहिए।

इन राशियों पर है शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या शनिदेव करीब ढाई साल के बाद अपनी राशि बदलते हैं। इस साल शनिदेव 17 जनवरी को मकर राशि की अपनी यात्रा को खत्म करके कुंभ राशि में प्रवेश कर चुके हैं। ऐसे में मकर,कुंभ और मीन राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है। वहीं मिथुन और तुला राशि वालों पर शनि की ढैय्या चल रही है।

द्रुपद ने किया था द्रोणाचार्य का अपमान

महाभारत में कौरव और पांडव छोटे थे, उस समय की घटना है। एक दिन सभी राजकुमार खेल रहे थे और उनकी कोई चीज कुएं में गिर गई। राजकुमार अपनी चीज को कुएं से निकालने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल रही थी। तभी वहां द्रोणाचार्य पहुंचे। द्रोणाचार्य ने अपनी धनुर्विद्या का उपयोग करते हुए कुएं से उनकी चीज निकाल दी। राजकुमार द्रोणाचार्य की धनुर्विद्या से बहुत प्रभावित हुए। सभी ने द्रोणाचार्य के बारे में भीष्म पितामह को बताया। भीष्म तुरंत ही द्रोणाचार्य के पास पहुंचे। द्रोणाचार्य ने भीष्म से कहा कि मैं भारद्वाज ऋषि का पुत्र हूं। मैंने और राजा द्रुपद ने अग्निवेश ऋषि से शिक्षा ली है। द्रुपद और मैं अच्छे मित्र बन गए थे। जब पढ़ाई पूरी हुई तो अपने राज्य लौटते समय द्रुपद ने मुझसे कहा था कि तुम मेरे मित्र हो और जब मैं राजा बनूंगा, मैं तुम्हारी मदद जरूर करूंगा।

द्रुपद अपने राज्य चला गया और मैं अपने घर लौट आया। विवाह के बाद मेरा एक पुत्र हुआ अश्वत्थामा। मैं बहुत गरीब था, मेरा बेटा मुझसे दूध मांगता था, लेकिन मेरे पास उसे देने के लिए दूध नहीं था। एक दिन कुछ बच्चों ने अश्वत्थामा को पानी में आटा घोलकर दे दिया। मेरे बेटे ने आटे का पानी दूध समझकर खुशी-खुशी पी लिया। ये देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। दुखी होकर मैं अपने मित्र द्रुपद से मदद मांगने के लिए पहुंचा। द्रुपद ने मुझे पहचानने से ही मना कर दिया और भरे दरबार में मेरा अपमान किया। उस दिन मैंने संकल्प लिया था कि मैं अपने अपमान का बदला लूंगा। अब मैं चाहता हूं कि मैं ऐसे शिष्य तैयार करूं जो द्रुपद को पराजित करें और मेरे सामने बंदी बनाकर ले आए।भीष्म ने द्रोणाचार्य की बातें सुनने के बाद कहा कि मैं आपसे बहुत प्रसन्न हूं। आप योग्य गुरु हैं, इसलिए अब से आप ही कौरव और पांडव राजकुमारों के गुरु होंगे।

द्रोणाचार्य ने कौरव-पांडवों को इतना योग्य बना दिया कि उन्होंने द्रुपद को युद्ध में पराजित कर दिया और बंदी बनाकर द्रोणाचार्य के सामने ले आए थे।

प्रसंग की सीख– इस किस्से में हमें दो संदेश मिल रहे हैं। पहला संदेश ये है कि हमें कभी भी अपने मित्र का अपमान नहीं करना चाहिए, वर्ना बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दूसरा संदेश ये है कि हमें अपनी योग्यता का उपयोग सही ढंग से करना चाहिए। इस किस्से में द्रोणाचार्य ने अपनी योग्यता का इस्तेमाल कौरव-पांडवों को अच्छा योद्धा बनाने में किया था। द्रोणाचार्य की वजह से ही सभी राजकुमार श्रेष्ठ योद्धा बने। द्रोणाचार्य ने अर्जुन को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर बनाया था।

मुश्किलें इंसान को मजबूत बनाती हैं, 5 बड़ी सीख

जब कभी भी आप मुश्किल में हों तो उससे उबरने के लिए हर किसी की मदद स्वीकार कर लीजिए लेकिन कभी भी किसी दुष्ट इंसान की मदद न स्वीकार करें।

जीवन में जो व्यक्ति अपनी कमजोरियों का दुःख मनाने की बजाय उन्हें अपनी ताकत बना लेता है, वह भविष्य में किसी भी मुश्किल से नही घबराता है।

मुश्किलें हमारे जीवन में बेवजह नहीं आती है, बल्कि इनका आना एक इशारा होता है कि हमें अपने जीवन में कुछ नया सीखते हुए कुछ बड़ा बदलाव लाना है।

हमारे जीवन में आने वाली मुश्किलें जितनी कठिन होती हैं, उससे उबरने पर मिलने वाली सफलता उतनी ही ज्यादा शानदार होती है।

मुश्किलों से भरा समय हमारे लिए उस आईने की तरह होता है, जो हमारी क्षमताओं का सही आभास हमें कराता है।

ब्रह्मकुंड घाट पर विराजे हैं ब्रह्माजी, यहां गंगा स्नान से मिलता है मोक्ष!

धर्मनगरी हरिद्वार विश्व में एक तीर्थ स्थल के नाम से विख्यात है। कुंभ नगरी हरिद्वार में गंगा किनारे कई प्राचीन घाट हैं। इन्हीं में प्रमुख ब्रह्मकुंड घाट है, जहां गंगा में डुबकी लगाने पर मोक्ष की प्राप्ति होने की धार्मिक मान्यता कई ग्रंथों में भी लिखी हुई है। मान्यता है कि ब्रह्मकुंड घाट पर स्नान करने से सभी पाप धुल जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

ब्रह्मकुंड घाट पर मुख्य रूप से रोजाना गंगा आरती की जाती है। ब्रह्मकुंड घाट पर स्नान कर रहे कई श्रद्धालुओं से घाट के महत्व को लेकर बातचीत की गई, तो उन्होंने कहा कि यह घाट काफी प्राचीन घाट है। यहां गंगा स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। उनका कहना यह भी था कि हरिद्वार में बहुत से घाट हैं, लेकिन ब्रह्मकुंड घाट पर स्नान करने का महत्व अलग है।

यहां विराजमान हुए ब्रह्माजी

श्री गंगा सभा के महामंत्री तन्मय वशिष्ठ ने जानकारी दी कि ब्रह्मकुंड घाट काफी पुराना और प्राचीन गंगा घाट है, जहां गंगा स्नान करने से कई फलों की प्राप्ति होती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ब्रह्मकुंड घाट को लेकर सबसे पहले राजा श्वेत द्वारा ब्रह्माजी को तपस्या से प्रसन्न कर यहां विराजमान होने के लिए वर मांगा गया, जिसमें सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी यहां पर विराजमान हुए और इस कारण इसका नाम ब्रह्मकुंड घाट हुआ।

वहीं दूसरी मान्यता के अनुसार, सगर के साठ हजार पुत्रों का कल्याण करने के लिए भगीरथ द्वारा घोर तपस्या की गई, जिसमें मां गंगा भगवान विष्णु के चरणों से ब्रह्मा के कमंडल, कमंडल से भगवान शिव की जटाओं और उनकी जटाओं से धरती लोक पर पहाड़ियों से होते हुए सबसे पहले मैदानी क्षेत्र हरिद्वार में आई थी, इसलिए यहां ब्रह्मकुंड घाट पर गंगा स्नान करने का महत्व बताया गया है।

घाट पर मिली थीं प्राचीन पैड़ियां

तन्मय वशिष्ठ ने आगे कहा कि वहीं राजा विक्रमादित्य द्वारा अपने भाई भरत हरी के लिए यहां पैड़ियों का निर्माण कराया गया। इसे भरत हरि की पैड़ी कहा जाता था, लेकिन अब इसे हर की पैड़ी या हर की पौड़ी कहा जाता है। वह बताते हैं कि कुछ समय पहले हर की पौड़ी पर जीर्णोद्धार कराया गया, जिस दौरान हर की पौड़ी पर खुदाई के दौरान प्राचीन पैड़ियां मिलीं, जिन पर ब्रह्म लिपि में लिखा हुआ था, जो इस बात का प्रमाण है कि यह प्रथम शताब्दी की पैड़ियां हैं। तन्मय वशिष्ठ कहते हैं कि ब्रह्मकुंड घाट पर गंगा स्नान करने, गंगाजल आचमन करने से तन और मन के सभी रोग नष्ट होने की धार्मिक मान्यता हैं।

यहां गिरी थी अमृत की बूंदें

श्री गंगा सभा सदस्य सिद्धार्थ चक्रपाणि ने बताया कि कथा के अनुसार, देव दानवों में समुद्र मंथन के दौरान निकले अमृत कलश के लिए युद्ध हुआ, जिसमें से अमृत की बूंदें छलक कर सबसे पहले हरिद्वार में गिरीं, जिस कारण यहां तीज-त्योहारों पर लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान करने आते हैं। हरिद्वार के ब्रह्मकुंड घाट पर स्नान करने से सभी पाप नष्ट होने की धार्मिक मान्यता है, जिसका जिक्र धार्मिक ग्रंथों में भी किया गया है।

भूलकर भी इस दिन न चढ़ाएं तुलसी पर जल मां लक्ष्मी हो जाएंगी क्रोधित

सनातन धर्म में वैसे तो सभी पेड़ पौधों को खास माना गया है लेकिन तुलसी का पौधा बेहद महत्वपूर्ण होता है, धार्मिक रूप से तुलसी को बेहद पवित्र और पूजनीय माना जाता है। बिना इसके धार्मिक कार्यक्रम पूर्ण नहीं होता है भगवान विष्णु को भी तुलसी बेहद प्रिय है, ऐसा कहा जाता है कि तुलसी पर देवी लक्ष्मी का वास होता है इसकी पूजा आराधना करने से भक्तों के जीवन में सुख समृद्धि आती है।

हिंदू धर्म को मानने वाले अधिकतर घरों में तुलसी का पौधा लगा होता है और लोग रोजाना सुबह शाम इसकी विधिवत पूजा करते है और व्रत आदि भी रखते है। वास्तुशास्त्र में भी तुलसी को को महत्वपूर्ण बताया गया है। इसमें तुलसी से जुड़े कई नियम बताए गए है जिनका अगर पालन न किया जाए तो माता लक्ष्मी क्रोधित हो जाती है तो आज हम आपको उन्हीं के बारे में बता रहे है, तो आइए जानते है।

जानिए तुलसी से जुड़े नियम–

धार्मिक शास्त्र के अनुसार तुलसी के पौधे में कभी भी रविवार के दिन जल नहीं अर्पित करना चाहिए मान्यता है कि ऐसा करने से माता लक्ष्मी नाराज़ हो जाती है। क्योंकि इस दिन देवी तुलसी भगवान विश्णु के लिए निर्जला उपवास करती है इस दिन अगर तुलसी पर जल अर्पित किया जाए तो माता का व्रत टूट जाता है जिससे साधक को कंगाली व कष्टों का सामना करना पड़ सकता है।

वही रविवार के अलावा एकादशी की तिथि पर भी तुलसी पर जल अर्पित नहीं करना चाहिए इस दिन जल देने से तुलसी माता का व्रत खंडित हो जाता है जिससे जातक को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हिंदू धर्म में तुलसी विवाह का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है ऐसे में इस दिन भी तुलसी पर जल नहीं चढ़ाना चाहिए माना जाता है कि इस दिन देवी तुलसी का विवाह हुआ था। ऐसा कहा जाता है कि इन निर्धारित दिनों पर अगर तुलसी पर कोई जल अर्पित करता है तो उसके जीवन में नकारात्मकता बढ़ने लगती है और मां लक्ष्मी व श्री हरि की नाराज़गी भी सहनी पड़ती है।

मदद करने के लिए धन नहीं अच्छे मन की जरूरत होती है

जीवन में जब कभी भी किसी व्यक्ति की मदद की बात आती है तो उस समय आपके धन से ज्यादा आपके मन का बड़ा रोल होता है। यदि आपने मन से किसी व्यक्ति की मदद करने की ठान ली तो निश्चित तौर पर आप उसे किसी न किसी तरह से मदद पहुंचा देंगे, लेकिन जिस पल आपका मन कमजोर हुआ तो आप उस भाव या फिर कहें ताकत से मदद नहीं पहुंचा पाएंगे जो अगले की जरूरत होगी। आइए जीवन में मदद के मायने और उससे जुड़े अनमोल विचार को जानने के लिए पढ़ते हैं सफलता के मंत्र।

किसी भी व्यक्ति की मदद कुछ इस तरह से करनी चाहिए कि वह शुक्रगुजार तो हो लेकिन कभी शर्मिंदा न हो।

किसी को दिखाने के लिए मदद नहीं बल्कि राजनीति होती है।

असली मदद तो वो होती है कि एक हाथ से मदद करें और दूसरे को पत भी न चले।

ईश्वर ने आपको सामर्थ्यवान इसलिए नहीं बनाया है कि आप किसी को नीचा दिखाएं, बल्कि उन्हें स्वयं की तरह ऊपर उठाने के लिए यह ताकत दी है।

किसी व्यक्ति की मदद और एहसान करने में बहुत बड़ा अंतर होता है। एहसान को जहां बार-बार याद दिलाया जाता है, वहीं मदद करने के बाद उसे भुला दिया जाता है।

जब आप किसी पर एहसान करते हैं तो वह आपकी लोगों के सामने इज्जत करता है, लेकिन जब आप किसी की मदद करते हैं तो वह आपकी पीठ पीछे भी इज़्ज़त करेगा।

मेरी फिल्म देख देव आनंद ने कहा था-तुम्हारे पास मुझसे ज्यादा फिल्में हैं, अब मैं तुम्हें कॉपी करूंगा

सदाबहार हीरो देव आनंद के एक हमशक्ल को आपने भी कई फिल्मों में देखा होगा। आमिर खान की दिल से लेकर टीवी सीरियल भाबीजी घर पे हैं तक, देव साहब जैसी शक्ल और अदाओं वाले इस कलाकार का नाम है किशोर भानुशाली। किशोर मुंबई के ही हैं। जब कोई 10 साल की उम्र थी तब एक दोस्त ने इन्हें बताया कि इनकी शक्ल देव आनंद से मिलती-जुलती है।

तब तक इन्होंने देव आनंद की फिल्में नहीं देखी थी। पहली बार अपनी सूरत उनकी शक्ल से मिलाने के लिए फिल्म देखने गए। तब समझ आया कि सुपर सितारे से उनका चेहरा कितना मिलता है। लिहाजा उम्र के साथ देव आनंद की अदाएं और अंदाज भी अपना लिया। करीब 200 फिल्मों में नजर आ चुके किशोर का यहां तक का सफर खासा मुश्किल रहा।

पिता का टाट की बोरियां बेचने का बिजनेस था। किशोर ने 12-13 की उम्र से ही ये काम सीखना शुरू कर दिया, लेकिन मन एक्टिंग में था। पढ़ाई के साथ-साथ चोरी-छिपे देव आनंद के गानों पर शो करते। लोग देव आनंद की नकल उतारने पर मजे तो खूब लूटते थे, लेकिन कोई काम नहीं देता। पिता के बोरियों वाले बिजनेस में उनकी मदद करते तो लोग ताना मारते थे कि बोरियां बेचने वाला क्या खाक एक्टर बनेगा।

लेकिन, किस्मत बॉलीवुड तक ले ही आई। एक दिन अचानक आमिर खान की फिल्म दिल में इन्हें रोल मिल गया। इसमें जब देव आनंद ने किशोर का काम देखा तो उन्हें अपने ऑफिस बुला लिया। पूछा- कितनी फिल्मों में काम कर रहे हो। किशोर ने जवाब दिया- 10-12 फिल्में। देव आनंद ने कहा- तेरे पास तो मुझसे ज्यादा फिल्में हैं। अब तो मुझे तेरी कॉपी करनी पड़ेगी।

ये बात मजाक की थी, लेकिन खुद देव आनंद ने इन्हें साथ काम करने का वादा किया था। हालांकि, ऐसा कभी हो नहीं पाया कि दोनों एक साथ पर्दे पर दिख पाएं। किशोर ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कई स्टूडियोज के चक्कर लगाए। प्रोड्यूसर्स से मिले। शोज किए। आज देव आनंद के डुप्लीकेट के रूप में स्थापित हैं।

बचपन में पढ़ाई के साथ बोरी बेचने का काम किया

देश के बंटवारे के बाद मेरा परिवार पाकिस्तान से कच्छ (गुजरात) आया और वहां से फिर मुंबई आ गया। मेरा जन्म 13 मार्च 1962 को मुंबई में हुआ था। हम लोग मुंबई स्थित जोगेश्वरी (पूर्व) में एक चॉल के छोटे-से रूम में रहते थे।

मैं चौथी में पढ़ता था। एक दिन मेरे सहपाठी परेश ने मुझसे बोला कि तुम्हारी शक्ल देव आनंद से मिलती है। मैंने पूछा- क्या बोला? उसने दोहराया- देव आनंद। मैंने पूछा कि यह देव आनंद कौन हैं? उसने बताया कि एक फिल्म आई है- 'जॉनी मेरा नाम', उसके हीरो हैं। मेरा दोस्त भी फिल्मों का बड़ा शौकीन था। उसकी ये बात मेरे दिमाग में घर कर गई।

जब देव आनंद को फिल्मी पर्दे पर पहली बार देखा।

देव आनंद के गाने पर परफॉर्म करने पर 4-5 रुपए मिल जाते थे।कुछ समय बाद मैंने रिकॉर्ड डांस पार्टी जॉइन कर ली, जिसमें देव आनंद के गाने पर परफॉर्म करता था। गाने का छोटा रिकॉर्ड 12 रुपए का और बड़ा रिकॉर्ड 22 या 25 रुपए में मिलता था, लेकिन सवाल 12 रुपए लाएं कहां से?

मैं अंदर गया। कुछ समय बाद हेमा जी आईं। मैंने बोला- हेमा जी नमस्ते! हेमा जी पीछे मुड़ीं और बोलीं- नमस्ते। वे नमस्ते बोलकर आगे जाने लगीं, तब मैं भी उनके पीछे-पीछे चलने लगा। गाने का सेट लगा था। गाना था- 'हमको भी गम ने मारा, तुमको भी गम ने मारा'। फिल्म के डायरेक्टर जे. ओम प्रकाश थे। सुरेश भट्ट डांस मास्टर थे।

वे लोग मुझ से रोज डायलॉग बुलवाते थे, लेकिन जे. ओमप्रकाश जी नहीं मिलते थे। कई दिनों बाद एक बार वे सीढ़ियों पर मिल गए। मैंने कहा- ओम जी! मैं किशोर। पूछे कौन किशोर? मैंने याद दिलाया- देव आनंद। आपने बोला था कि 'अर्पण' में नौकर का एक रोल है। उन्होंने कहा- अरे! हां-हां। 'अर्पण' की शूटिंग शुरू हो गई है, लेकिन मैंने वो रोल ही काट दिया। अब वह रोल नहीं है। हालांकि, इस तरह के किस्से बहुत हैं। मैं काफी चक्कर काटता रहा, पर मुझे किसी ने काम नहीं दिया।

देव आनंद की एक्टिंग करने की वजह से फ्री में फिल्म देखने का मौका मिलने लगा

एक बार मैं फिल्म बनारसी बाबू

देखने बहार टाकीज गया था। वहां पर मेरी मुलाकात टिकट काउंटर के मालिक कुलकर्णी से हुई। इससे पहले भी मेरी एक बार उनसे मुलाकात टॉकीज में हुई थी। उन्हें मैंने फिल्म जॉनी मेरा नाम का डायलॉग सुनाया। इस पर उन्होंने बोला- फिल्म देखने के बाद मेरे पास आना। पिक्चर खत्म होने के बाद मैं उनके पास गया और वो मुझे सीधे टॉकीज के मालिक मनोज देसाई के पास ले गए।

मनोज देसाई मुझसे इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने थिएटर में पिक्चर देखने की न सिर्फ छूट दी, बल्कि नाश्ता भी फ्री देने का ऐलान किया। यहां से टॉकीज में सब लोग मुझे पहचान गए। इसके साथ उन्होंने एक शर्त भी रखी कि जब तू पिक्चर देखने आए, तब इधर ऑफिस में आना और देव आनंद की एक्टिंग करके दिखाना। फिर बहार टॉकीज में पिक्चर देखने का सिलसिला शुरू हो गया।

किस्सा देव आनंद से मिलने का

देव साहब का घर चंदन टॉकीज के पीछे था। एक दिन मैं पांच-छह बजे सुबह उनके घर ही पहुंच गया। वॉचमैन बोला- अभी साहब निकलने वाले हैं। देव आनंद जैसे निकले मैंने चिल्ला कर बोला- सर! मुझे मनोज देसाई ने भेजा है। इतना सुनकर वो बोले- 'मनोज मेरा दोस्त है। हां, कहो।'

मुझे मालूम पड़ा कि सन एंड सन होटल में देव आनंद के नाम पर 202 रूम नंबर बुक रहता है, वहां पर वो आते रहते हैं। मैं वहां पर रोज शाम जाने लगा, सारे वॉचमैन मुझे पहचानने लगे थे। एक दिन वहां देव आनंद से मुलाकात हुई। मैंने उन्हें याद दिलाया, तब पूछने लगे कि क्या करते हो। मैंने कहा स्कूल जाता हूं। देव साहब कहने लगे- 'देखो, इस वक्त तुम न तो बड़े हो और न ही बच्चे हो। तुम्हारे लिए अभी क्या कैरेक्टर सोचूं। तुम पढ़ाई करके बड़े हो जाओ। फिर लगेगा कि तुम्हारे लिए कुछ बन सकता है, तब मैं जरूर तुम्हें काम दूंगा, लेकिन इस वक्त पढ़ाई पर ध्यान दो।' उनकी इतनी बात सुनकर मैं वापस चला आया।

किस्सा पहली वीडियो फिल्म और पहली बड़ी कमाई का

मैं हताश निराश होकर शो वगैरह छोड़कर एक बार फिर उसी बारदान के काम पर लग गया। एक दिन मशहूर कॉमेडियन मोहन चोटी के यहां से मुझसे मिलने एक आदमी आया। मैंने ये कहते हुए उन्हें मना कर दिया- अभी सब कुछ भूल गया। एक-दो साल हो गए। अब मैं धंधे पर ध्यान दे रहा हूं। मेरी शादी हो गई, एक बच्चा भी हो गया। इसके बाद भी वो मुझे मनाते रहे। फिर हां-ना, हां-ना करते हुए मैंने उनका एक शो कर दिया। उनका शो किया, तब उन्होंने वीडियो फिल्म 'पागल खाना' में काम करने के लिए ऑफर दिया। मैंने सोचा कि चलो 2 साल बाद कोई बुला रहा है, तब कर लेता हूं।

रजा मुराद साहब बोले- ऐसा लग रहा है कि देव आनंद मेरे सामने खड़े हैं। किस की फिल्म कर रहे हो। एक दिन रजा मुराद साहब को फोन किया, तब उन्होंने सबसे पहले मुझे गाली दी- 'अबे तू कहां है, साले। मैं तुझे ढूंढ रहा हूं। तू कहां है? कल तू सीधे जुहू मिलने आ जा। मैं तुझे बी. सुभाष से मिलवाता हूं। ऐसे तू गायब मत हुआ कर। मैं तेरे लिए काम देख रहा हूं।'

इसके बाद रजा साहब ने मुझे बी. सुभाष, महेश भट्ट आदि से मिलवाया। ऐसा करते-करते फिल्मिस्तान में सुमित सहगल से मुलाकात हो गई। वो इतना प्रभावित हुए कि सीधे डायरेक्टर- प्रोड्यूसर गौतम भाटिया से मिलवाने ले गए। इसके बाद मैंने जूनियर महमूद के साथ फिल्म "कसम धंधे की" में काम किया। उन दिनों डायरेक्टर इनायत शेख की एक फिल्म बन रही थी- 'जलवे फिल्मी मियां बीवी के'। इसमें मुश्ताक मर्चेंट ने मुझे एक दिन का काम दिलवाया। इसके बाद मैंने फिल्म गैंग में जैकी श्रॉफ के साथ काम किया।

मुश्ताक, मजहर खान की फिल्म 'गैंग' लिख रहे थे, जिसमें जैकी श्रॉफ, जूही चावला, नाना पाटेकर आदि स्टार थे। मुश्ताक मर्चेंट मुझे लेकर मजहर खान के पास गए। मुश्ताक ने मेरे लिए सिफारिश की, तब उन्होंने अगले दिन जैकी श्रॉफ के साथ शूट करने के लिए बैंड स्टैंड पर बुला लिया, लेकिन उसके लिए पैसे वगैरह कुछ मिला नहीं। मुझे पैसे की नहीं, काम की पड़ी थी।

अफसोस कि कभी देव आनंद के साथ फिल्में नहीं कीं

'दिल' देखने के बाद देव आनंद साहब ने मुझे बुलाया था। मैं खीरा नगर स्थित उनके ऑफिस मिलने गया, तब कहने लगे- किशोर, यही नाम है। मैंने कहा- जी हां। वे कहने लगे- मैंने 'दिल' देखी। ऐसा लगता है कि आज के बाद मुझे आपकी कॉपी करनी पड़ेगी। मुझसे ज्यादा तो आप देव आनंद लग रहे हो। कितनी फिल्में कर रहे हो। मैंने कहा कि 10-12 फिल्में कर रहा हूं। उन्होंने कहा- वेरी गुड। मेरे पास तो दो फिल्में हैं। मैंने कहा कि सर! आपके साथ काम करना चाहता हूं।

35 साल के करियर में लगभग 200 फिल्मों में काम किया

अब ज्यादातर लोग मुझे सिर्फ सिंगिंग के लिए बुलाते हैं। मैं ट्रैक पर गाता हूं। बैंड पर भी गाता हूं, पर ट्रैक पर गाने में मजा आता है। मेरे 35 साल के करियर में गुजराती, हिंदी, भोजपुरी, राजस्थानी फिल्मों को मिलाकर 150 से 200 फिल्में हो गई होंगी। फिल्मों के लिए उन दिनों ढाई हजार से तीन हजार पर-डे मिल जाता था। आज 60 साल की उम्र में मेरे पास मुंबई में दो फ्लैट, गाड़ी सहित दो बेटे-बहू से भरा-पूरा परिवार है। बेटे भी मनोरंजन जगत में सक्रिय हैं।

'मैं परिवार में अलगाव नहीं चाहती थी': हेलन

सलीम और मेरी वजह से सलमा बुरे दौर से गुजरी हैं

अरबाज खान इन दिनों अपने चैट शो 'द इन्विन्सिबल्स विद अरबाज खान की वजह से काफी सुर्खियों में हैं। इस बीच 16 फरवरी को शो के अपकमिंग एपिसोड का टीजर रिलीज किया गया है, जिसमें अरबाज की स्टेप मॉम यानी फेमस डांसर हेलन बतौर गेस्ट पहुंची थीं।

वीडियो में हेलन अरबाज से बातचीत करते हुए इमोशनल हो जाती हैं और कहती हैं कि उन्हें अहसास है कि सलीम और उनके रिश्ते का शुरुआती दौर अरबाज की मां सलमा के लिए बेहद बुरा रहा होगा। इतना ही नहीं हेलन कहती हैं कि वो कभी भी फैमिली में अलगाव नहीं चाहती थीं। अपने जमाने की टॉप डांसर कहे जाने वाली हेलन हाल ने चैट शो में अपने, सलीम और सलमा के रिश्तों पर खुलकर बात की।

तुम्हारी मां ने उस समय बहुत कुछ सहा होगा- हेलन

दरअसल, करियर से जुड़ी बातचीत के दौरान अरबाज पूछते हैं कि क्या ये वही समय था, जब आप मिस्टर सलीम यानी हमारे पिता से मिली थीं। हेलन ने इस पर कहा- 'उन्होंने मुझे एक रोल ऑफर किया था, हम दोस्त बन गए। मम्मी बहुत अच्छी थीं।' अरबाज कहते हैं- 'वो वक्त आपके लिए काफी मुश्किल भरा रहा होगा। हेलन ने जवाब दिया- हां, तुम्हारी मां ने उस समय बहुत कुछ सहा होगा।'

मैं कभी भी फैमिली से अलग नहीं होना चाहती थी- हेलन

हेलन ने आगे कहा- लगता है कि मुझे किस्मत ने आप सभी के करीब ला दिया। मुझे आप सभी का शुक्रिया करना चाहिए। मैं कभी भी परिवार (सलीम की फैमिली)को अलग नहीं करना चाहती थी।

सलीम-हेलन ने 1980 में की थी शादी

1950 से 1960 के दशक के बीच हेलन को कई बॉलीवुड प्रोजेक्ट दिलाने में सलीम ने उनकी मदद की थी। कुछ सालों बाद दोनों को प्यार हो गया। 1980 में सलीम और हेलन ने शादी कर ली। उस वक्त सलीम की उम्र 45 और हेलन की उम्र 42 साथ थी। इसके अलावा सलीम 5 बच्चों के पिता भी थे। कहा जाता है कि जब हेलन-सलीम ने शादी का फैसला किया था, तब सलीम के पूरे परिवार ने दोनों विरोध किया था। तमाम मुश्किलों के बाद आज हेलन और सलमा के बीच अच्छे रिश्ते हैं। 1990 में फिल्म फेयर को दिए एक इंटरव्यू में सलमान ने बताया था कि सलीम और हेलन की शादी ने उनकी पहली उनकी मां सलमा को बुरी तरह तोड़ दिया था। उन्होंने ये भी कहा था कि तमाम मुश्किलों के बावजूद हेलन आंटी हमारे परिवार का करीबी का हिस्सा बन गईं।

ऋषभ पंत हमारे देश के लिए कीमती हैं : उर्वशी रौतेला

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला को अक्सर भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत के नाम पर ट्रोल किया जाता है। अब एक बार फिर उर्वशी ने ऋषभ के बारे में बात की, जिसका एक वीडियो सामने आया है।

दरअसल, उर्वशी को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां उनसे पैपराजी ने क्रिकेटर की हेल्थ को लेकर सवाल पूछा। मीडिया पर्सन ने कहा, 'क्या आपने पंत की रिकवरी की फोटो देखी है? जिस पर उर्वशी ने जवाब देते हुए कहा, 'वो हमारे देश के लिए कीमती हैं, इंडिया का गर्व हैं। मेरी दुआएं उनके साथ हैं।

लोगों का आया रिएक्शन

वहीं, इस वीडियो के सामने आते ही एक बार फिर सोशल मीडिया पर लोगों ने मजेदार कमेंट्स करने शुरू कर दिए हैं। कमेंट बॉक्स में कई यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना भी शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, 'जैसे उन्होंने कहा कि हमारी भी, पंत

भाई का तो दिन ही बन गया होगा'। तो वहीं, दूसरे ने लिखा, 'देखो यहां कितनी अनजान बन रही हैं'।

बता दें, कुछ दिन पहले ऋषभ पंत कार एक्सीडेंट का शिकार हो गए थे। इस एक्सीडेंट में पंत को कई चोटें आई थी। लेकिन सड़क हादसे के बाद अब पंत ठीक हो रहे हैं और अपनी रिकवरी की एक तस्वीर पंत ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर की है। उर्वशी रौतेला पंत के एक्सीडेंट के बाद से ही सुर्खियों में हैं। उन्होंने पंत के एक्सीडेंट के बाद अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर उस अस्पताल के बाहर की फोटो शेयर की थी, जहां पंत एडमिट थे। इसके बाद उर्वशी की मां ने भी पंत की सलामती के लिए दुआ की थी, तभी से उर्वशी का नाम ऋषभ के साथ जोड़ा जा रहा है।

कार्तिक आर्यन तेलुगू रीमेक का शहजादा

मूवी रिव्यू शहजादा

कलाकार : कार्तिक आर्यन , कृति सेनन , परेश रावल , मनीषा कोइराला , सचिन खेडेकर और रोनित रॉय

लेखक :रोहित धवन (मूल लेखक त्रिविक्रम श्रीनिवास)

निर्देशक :रोहित धवन

निर्माता : भूषण कुमार , कृष्ण कुमार , अमन गिल , अल्लू अरविंद , एस राधा कृष्णा और कार्तिक आर्यन

हिंदी फिल्में बनाने वाले समाज से कितने कटे कटे हैं, ये जानना है तो डेविड धवन के बेटे रोहित धवन की बनाई नई फिल्म 'शहजादा' जरूर देखनी चाहिए। जमाना इक्कीसवीं सदी के 23वें साल में है और फिल्म का निर्देशक अपने एक किरदार का नाम अब भी 'वाल्मीकि' रखने की हिम्मत रखता है। हिंदी सिनेमा के ये धुरंधर न जमाने को समझने की कोशिश करते हैं और न ही इसमें हो रहे बदलाव को। उनको बस एक हिट फिल्म को अपने हिसाब से बदलना आता है। अल्लू अर्जुन की सुपरहिट फिल्म 'अला वैकुंठपुरमुलु' की इस आधिकारिक हिंदी रीमेक में रोहित धवन ने जो कुछ भी अपने पास से जोड़ा है, उसने मूल फिल्म का मजा ही खराब कर दिया है। फिल्म 'अला वैकुंठपुरमुलु' का यूट्यूब पर जो हिंदी संस्करण उपलब्ध है, वह फिल्म 'शहजादा' से कहीं बेहतर है।

बीते जमाने की खर्च हो चुकी कहानी

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'अला वैकुंठपुरमुलु' जिस किसी ने भी देखी है वे सब फिल्म की कहानी से अच्छी तरह से वाकिफ होंगे। तेलुगू में अब भी मेलोड्रामा चलता है लेकिन हिंदी सिनेमा में बच्चों की अदला बदली पर फिल्में 70 और 80 के दशक में बना करती थीं। 'शहजादा' कहानी के स्तर पर ही फेल हो गई फिल्म है। कहने को कहानी ये है कि जिंदल इंटरप्राइजेज के मालिक रणदीप जिंदल और उनकी कंपनी में काम करने वाले क्लर्क की पत्नी को एक ही दिन हॉस्पिटल में बच्चे पैदा होते हैं। अपने बच्चे की मालिक के घर परवरिश होने का ख्वाब देख रहा बाबू दोनों बच्चों को अदल बदल देता है। और, जब राज से पर्दा उठता है तब क्या होता है, यही फिल्म 'शहजादा' की बित्ता भर कहानी है।

फिल्म 'शहजादा' का प्रचार फैमिली एंटरटेनर के तौर पर किया गया है। ओटीटी काल में परिवार वाले साथ बैठकर किस तरह की फिल्में देखते रहे हैं, इस पर रिसर्च शायद रोहित धवन ने की नहीं। ऐसा लगता है कि उन्होंने पूरी फिल्म अपने भाई वरुण धवन को ध्यान मे रखकर रिराइट की है और फिर लगा कि वरुण से बड़े स्टार तो अब कार्तिक आर्यन हैं तो फिल्म उनके हिसाब से यहां वहां बदल दी। लेकिन, दिक्कत यहां कार्तिक आर्यन की है। वह परदे पर वरुण धवन ही बने दिखते हैं। वैसा ही चलने का अंदाज, वैसा ही मुस्कुराने का अंदाज और फिल्म के कोरियोग्राफर ने नाच भी उनसे वैसा ही करा दिया है। फिल्म शुरू से लेकर आखिर तक कुछ खास ऐसा दिखा नहीं पाती कि जिन लोगों ने फिल्म 'अला वैकुंठपुरमलु' देख ली हो, उनको कुछ बेहतर दिख जाए। कहानी वहां भी खास नहीं थी, कहानी यहां उससे भी कमजोर हो गई है।

कलाकारी के मामले में भले कार्तिक आर्यन की जोड़ी कृति सेनन के साथ जमती हो, लेकिन एक वकील बनी कृति अपने पेशे की गरिमा के हिसाब से फिल्म में कुछ भी करती नजर नहीं आती। दोनों की केमिस्ट्री फिल्म रिलीज होने से पहले ही लोग सोशल मीडिया पर बीते महीने भर से देख सुन रहे हैं। अब ये देखने तो वे फिल्म देखने आने से रहे। रोहित धवन ने ऐसा कुछ नहीं दिखाया जो फिल्म 'शहजादा' देखने के लिए दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच लाए। इंटरवल तक तो फिल्म अच्छा खासा पकाती है, इंटरवल के बाद फिल्म की रफ्तार तो बनती है लेकिन उसमें भी राजपाल यादव को छोड़ कोई कमाल सीन नजर नहीं आता। अदाकारी का पूरा विभाग परेश रावल ने अकेले संभाला है लेकिन उनकी अदाकारी में भी अब दोहराव नजर आने लगा है। उनको जब भी कॉमेडी करनी होती है, वह अपने जीवन का एक सेट टेम्पलेट खोल लेते हैं। हां, मनीषा कोइराला को एक कमर्शियल फिल्म में देखकर जरूर खुशी होती है।

फिल्म देखते समय सबसे चौंकाने वाला काम इसके सिनेमैटोग्राफर सुदीप चटर्जी और संजय एफ गुप्ता का नजर आता है। मूल फिल्म देख चुके लोगों को लगेगा कि फिल्म के कुछ दृश्यों की शूटिंग हू ब हू उसी तरीके से कर दी गई है। गणेश आचार्य और बॉस्को सीजर की कोरियोग्राफी में भी कुछ नया नहीं है। सब वन टू थ्री फोर है। हुक स्टेप बस उतने ही दिनों तक याद रहने वाले हैं जितने दिनों तक इन गानों पर रील्स बनती रहेंगी। और, हां गानों से याद आया कि इस फिल्म में म्यूजिक प्रीतम का है। मयूर पुरी के लिए टाइटल सॉन्ग के अलावा फिल्म का कोई दूसरा गाना फिल्म देखकर निकलने के बाद याद नहीं रह पाता। टी सीरीज जैसी म्यूजिक कंपनी की फिल्म का म्यूजिक इतना भी कमजोर होना नहीं चाहिए।

'शहजादा' में कार्तिक आर्यन ने क्यों नहीं ली फीस?

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की मच अवेटेड फिल्म 'शहजादा' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। एक्टर ने इस फिल्म से निर्माता के रूप में नई शुरुआत की। कार्तिक ने 'शहजादा' से खुद को बतौर निर्माता स्थापित किया है। कार्तिक ने हाल ही में एक इंटरव्यू में निर्माता बनने का अपना अनुभव भी साझा किया। अभिनेता ने बताया कि कैसे उन्हें अपनी फीस वापस करनी पड़ी। फिल्म 'शहजादा' आज यानी 17 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। कार्तिक आर्यन की इस फिल्म में एक्ट्रेस कृति सेनन और दिग्गज अभिनेता परेश रावल अहम भूमिका में हैं। फिल्म के रिलीज डेट में बदलाव किया गया। दरअसल, 'शहजादा' पहले 10 फरवरी को रिलीज होने वाली थी, लेकिन शाहरुख की फिल्म 'पठान' की सफलता को देखते हुए फिल्म की

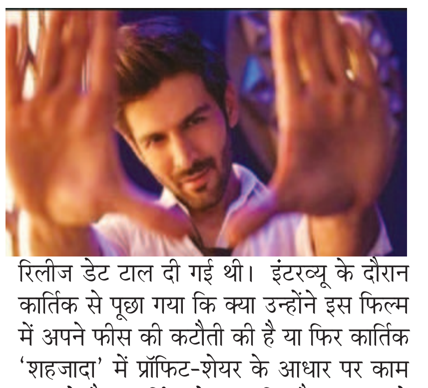

रिलीज डेट टाल दी गई थी। इंटरव्यू के दौरान कार्तिक से पूछा गया कि क्या उन्होंने इस फिल्म में अपने फीस की कटौती की है या फिर कार्तिक 'शहजादा' में प्रॉफिट-शेयर के आधार पर काम कर रहे है? कार्तिक ने कहा कि मैं शुरुआत में 'शहजादा' के लिए निर्माता के रूप में ऑनबोर्ड नहीं था। मैंने फिल्म के लिए अपनी फीस ली थी, लेकिन फिर फिल्म के बजट को लेकर समस्या थी। फिल्म का बजट काफी कम था। ऐसे में मैंने अपनी फीस फिल्म के मेकर्स को लौटा दी और फिर बतौर को-प्रोड्यूसर काम किया। कार्तिक ने फिल्म के निर्माता होने के नाते 'शहजादा' के ट्रेलर लॉन्च पर कहा था कि फिल्मों में काम करते समय आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। फिल्मों की समस्याएं आपकी अपनी समस्या होती हैं। मैं अक्सर अपनी फिल्मों में पूरी तरह से शामिल रहता हूं।

इसका पूरा श्रेय मेरे निर्माताओं को जाता है, जिन्होंने मुझे निर्माता बनने का मौका दिया। बता दें कि फिल्म 'शहजादा' में मनीषा कोइराला और रोनित रॉय भी मुख्य भूमिका में हैं। 'शहजादा' तेलुगू फिल्म 'अला वैकुंठपुरमुलु' की हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

इस हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट:गोल्ड 901 रुपए लुढ़का, चांदी भी 1,807 रुपए फिसली

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 13 फरवरी को सोना 57,076 रुपए पर था जो अब 18 फरवरी को 56,175 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 901 रुपए कम हुई है। आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में 1,800 रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 66,307 रुपए पर थी, जो अब 64,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,807 रुपए कम हुई है। इस महीने की शुरुआत में चांदी 69,445 रुपए पर थी। 2 फरवरी को सोना अपने ऑल टाइम हाई पर था। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, तब सोना 58 हजार 882 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। हालांकि इसके बाद सोने में गिरावट देखने को मिली है। आप सोना और चांदी का भाव आसानी से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देना है और आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा। इसमें आप लेटेस्ट रेट्स चेक कर सकते हैं।

कैसे 5 बिलियन डॉलर होगा भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट

पुर्जों और गोलियों में ट्रेड सीक्रेट84 देश हमारे ग्राहक

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार और डिफेंस उपकरणों का आयात करने वालों में से एक है। 2017 से 2021 के बीच के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में हुए डिफेंस इम्पोर्ट्स में भारत की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 11% थी। लेकिन भारत की एक तस्वीर और भी है। भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट पिछले 5 साल में 334% बढ़ गया है। जी हां, हम डिफेंस इक्विपमेंट्स का एक्सपोर्ट करते हैं और बहुत तेजी से बढ़ा रहे हैं। 2021-22 में हमारा एक्सपोर्ट करीब 13 हजार करोड़ रुपए का रहा था। अब सरकार का लक्ष्य 2025 तक ये एक्सपोर्ट बढ़ाकर 5 बिलियन डॉलर यानी करीब 42 हजार करोड़ रुपए तक ले जाना है।

सबसे बड़ा सवालक्या ये संभव है?

जो देश खुद दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार और डिफेंस इक्विपमेंट आयात करता हो, वो दूसरे देशों को कौन से हथियार बेचेगा? जवाब बड़े जंगी जहाजों, लड़ाकू विमानों और तोपों में नहीं हैं। इन सवालों का जवाब उन छोटी-छोटी चीजों में है जिनका जिक्र अखबारों की सुर्खियों में नहीं आता। बंदूकों के पुर्जों से लेकर विमानों के कॉम्पोनेंट्स तक, गोलियों से लेकर तोपों के गोलों तक डिफेंस सेक्टर का ये वो बाजार है जहां अमेरिका, रूस और फ्रांस जैसे बड़े खिलाड़ी मुनाफा नहीं देखते। भारत डिफेंस सेक्टर के इसी बाजार में खुद को बड़ा खिलाड़ी बनाना चाहता है। जानिए, कैसे भारत छोटी चीजों के बाजार के रास्ते ग्लोबल डिफेंस ट्रेड में बड़ी जगह बना सकता है दुनिया का सबसे बड़ा डिफेंस एक्सपोर्टर अभी अमेरिका है। 2017 से 2021 के बीच के आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका ने कुल 103 देशों को निर्यात किया है। जबकि दूसरे सबसे बड़े एक्सपोर्टर रूस ने 45 देशों को निर्यात किया। इनके मुकाबले देखा जाए तो भारत अभी 84 देशों और क्षेत्रों को डिफेंस इक्विपमेंट एक्सपोर्ट करता है। ज्यादा से ज्यादा देशों को डिफेंस इक्विपमेंट निर्यात करने का मतलब है बिजनेस का दायरा बढ़ाना। भारत से डिफेंस इक्विपमेंट्स खरीदने वालों में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस जैसे बड़े देश हैं तो मॉरिशस, केन्या, मोजाम्बिक और सेशेल्स जैसे छोटे देश भी हैं।

बड़े हथियार नहीं, कॉम्पोनेंट्स पर फोकसयानी लागत कम, मुनाफा ज्यादा

भारत अभी करीब 14 या 15 तरह के अलग-अलग डिफेंस उत्पादों का निर्यात करता है।

इनमें से दो तरह के हेलिकॉप्टर और चार तरह बोट्स और छोटे जहाज छोड़कर बाकी सभी चीजें कॉम्पोनेंट्स बेस्ड हैं। यानी ये उत्पाद किसी बड़े डिफेंस सिस्टम में इस्तेमाल होने वाले छोटे कॉम्पोनेंट्स हैं। उदाहरण के लिए हम पूरा लड़ाकू विमान के बजाय उसमें इस्तेमाल होने वाले टारगेटिंग सिस्टम का उत्पादन करें। इनके लिए दो तरह के ग्राहक भी हैं। एक तो वो देश हैं जो इस तरह के डिफेंस सिस्टम्स बनाते हैं। वो इन पुर्जों को खुद बनाने के बजाय भारत से खरीदना ज्यादा फायदेमंद समझते हैं। दूसरे ग्राहक वो देश जो इन डिफेंस सिस्टम्स का इस्तेमाल करते हैं और इनकी सर्विसिंग या मेंटेनेंस के लिए उन्हें कॉम्पोनेंट्स की जरूरत पड़ती है।

इन कंपोनेंट्स को बनाने की लागत पूरे डिफेंस सिस्टम को बनाने से बहुत कम है। जबकि इसमें मुनाफा ज्यादा है।

हमारे उत्पाद वो जो डिफेंस सिस्टम जो ग्राहकों की निर्भरता बढ़ाते हैं

बंदूक एक बार खरीदी जाती है, लेकिन गोलियां खरीदने की जरूरत बार-बार पड़ती है। भारत की डिफेंस एक्सपोर्ट स्ट्रैटजी भी अभी कुछ इसी सिद्धांत पर चल रही है। भारत ने एयरो कॉम्पोनेंट्स यानी जहाजों के पुर्जों से लेकर बंदूकों के पुर्जों, बैटरी और ऐसे सब-सिस्टम्स के प्रोडक्शन पर ज्यादा फोकस रखा है, जिनकी जरूरत बार-बार पड़ सकती है। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स और इंजीनियरिंग सर्विस का इस्तेमाल 9 बड़े देश करते हैं। डिफेंस सिस्टम्स या हथियार बेचने वाले देश अक्सर इनकी सर्विसिंग का कॉन्ट्रैक्ट भी करते हैं। मगर इस सर्विसिंग के लिए जरूरी कॉम्पोनेंट्स वे खुद बनाने के बजाय भारत जैसे देशों से खरीदने में ज्यादा फायदा देखते हैं।

इंडिगो ने टर्किश एयरलाइन से हाथ मिलाया:एयर इंडिया के बाद अब इंडिगो ने एयरबस-बोइंग को दिया 500 विमानों का ऑर्डर

एअर इंडिया के बाद अब देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने 500 विमानों का ऑर्डर दिया है। दरअसल, इंडिगो ने टर्किश एयरलाइंस के साथ एक नई साझेदारी की अनाउंसमेंट की है, जो उसकी विस्तार योजनाओं का हिस्सा है। इंडिगो ने एयरबस और बोइंग को लगभग 500 विमानों का ऑर्डर पहले ही दे दिया था। एयरलाइन के इस कदम से भारत से इस्तांबुल और उसके बाहर पैसेंजर्स सर्विसेस में सुधार होने की उम्मीद है। इंडिगो के इंटरनेशनल सेल्स के हेड विनय मल्होत्रा ने कहा, 'वर्तमान में इंडिगो की एक दिन में 1,800 फ्लाइट्स हैं और उनमें से 10% इंटरनेशनल रूट्स पर चलती हैं। सबसे दूर हम तुर्किये और इस्तांबुल की जर्नी करते हैं। आगे हम और दूर तक फ्लाइट्स चलाने के इच्छुक हैं।' तुर्किये एयरलाइंस के साथ अपनी नई कोड-शेयर पार्टनरशिप के तहत इंडिगो पैसेंजर्स को भारत से इस्तांबुल और फिर यूरोप के 27 से ज्यादा डेस्टिनेशन तक ले जाने में सक्षम होगी। इन डेस्टिनेशन में यूके, फ्रांस, इटली, आयरलैंड, ऑसट्रिया और स्विट्जरलैंड के प्रमुख शहर शामिल हैं।

ट्विटर की नई पॉलिसी,यूजर्स को अब ट्विटर अकाउंट सिक्योर करने के लिए देने होंगे पैसे, 1 महीने के लगेंगे 910 रुपए

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। ट्विटर ने टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) मेथड को लेकर एक नई अनाउंसमेंट की है। शुक्रवार को ट्विटर ने कहा कि अब वो केवल अपने पेड सब्सक्राइबर्स को ही अकाउंट्स को सिक्योर करने के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन मेथड के तहत टेक्स्ट मैसेजेस को यूज करने की परमिशन देगा।

20 मार्च से ब्लू सब्सक्राइबर ही कर पाएंगे 2एफए का यूज

कंपनी ने ट्वीट कर लिखा, '20 मार्च के बाद से केवल ट्विटर ब्लू सब्सक्राइबर ही टेक्स्ट मैसेजेस को अपने टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) मेथड के तौर पर यूज कर पाएंगे।'टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन के जरिए अकाउंट्स को ज्यादा सिक्योर बनाने के लिए अकाउंट होल्डर को पासवर्ड के अलावा सेकेंड ऑथेंटिकेशन मेथड का यूज करने को मिलता है। ट्विटर अभी टेक्स्ट मैसेज, ऑथेंटिकेशन ऐप और एक सिक्योरिटी-की के जरिए 2एफए की परमिशन देता है।

11 डॉलर में मिलेगा ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन

इससे पहले कंपनी ने बुधवार को ब्लॉग पोस्ट में कहा था कि उसका मानना है कि फोन-नंबर-बेस्ड 2एफए का हैकर्स द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है। ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने हाल ही में एक यूजर के ट्वीट का रिप्लाई करते हुए कहा था कि कंपनी ने अपनी पॉलिसी बदल दी है। पिछले महीने ट्विटर ने कहा था कि वह एंड्रॉयड के लिए ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन की कीमत 11 डॉलर (910 रुपए) प्रति माह रखेगी, जो कि आईओएस सब्सक्राइबर्स के लिए भी है।

पहले फ्री में मिलता था ट्विटर का ब्लू चेक मार्क

ट्विटर में पहले ब्लू चेक मार्क पॉलिटिशियंस, फेमस पर्सनालिटीज, जर्नलिस्ट्स और अन्य पब्लिक फिगर्स के वेरिफाइड अकाउंट के लिए फ्री था। अब कोई भी यूजर पैसा देकर ट्विटर का ब्लू सब्सक्रिप्शन खरीद सकता है, जिसमें उसे चेक मार्क मिल जाएगा।

भारत में इतनी है ट्विटर के ब्लू सब्सक्रिप्शन की कीमत

बता दें कि मस्क 2023 के अंत तक ट्विटर को फाइनेंशियल रूप से मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने रेवेन्यू बढ़ाने के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन जैसी कुछ सर्विस को मॉडिफाई भी किया है। भारत में वेब यूजर्स के लिए इस सर्विस का मंथली सब्सक्रिप्शन 650 रुपए का है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में टैक्स से थोड़ी राहत

पेंसिल और शार्पनर पर अब 18% की जगह 12% टैक्स, राज्यों को मुआवजा देने की भी घोषणा

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) काउंसिल की बैठक में राज्यों को जीएसटी मुआवजा देने की घोषणा की गई। बैठक में राज्यों को जून के लिए कुल 16,982 करोड़ रुपए का फैसला लिया गया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में शनिवार को काउंसिल की 49वीं बैठक हुई। बैठक में राब (लिक्विड गुड) पर लगने वाले टैक्स में कटौती की गई है। इस जीएसटी की दर को 18% से घटाकर शून्य कर दिया गया। अगर यह प्री-पैकेज्ड और ले बलेड है, तो इस पर 5% की दर से टैक्स लगेगा।

पेंसिल-शार्पनर पर अब कम टैक्स

जीएसटी काउंसिल की बैठक में पेंसिल और शार्पनर पर जीएसटी की दरें घटाने का फैसला हुआ है। पेंसिल और शार्पनर पर जीएसटी दरें 18% से घटाकर 12% कर दिया गया है।

जनवरी में 1,55,922 करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन

जनवरी 2023 में 1,55,922 करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन हुआ। जनवरी में में लगातार 11वें महीने में 1.55 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी कलेक्शन हुआ है। वहीं बीते साल 2022 दिसंबर के महीने में 1,49,507 करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड किया गया था।

पिछली बैठक में एसयूवी और किराएदारों के मामले में स्पष्टीकरण दिया था

इससे पहले दिसंबर में हुई बैठक में एसयूवी और किराएदारों के मामले में स्पष्टीकरण जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में एसयूवी गाड़ियों की परिभाषा तय की गई थी। मीटिंग में बताया गया है कि एसयूवी पर 28% जीएसटी और 22% सेस लगेगा। ऐसे में इस पर इफेक्टिव टैक्स रेट 50% हो जाएगा। वहीं बायो फ्यूल पर जीएसटी 18% फीसदी से घटाकर 5% किया गया था। दालों के छिलकों पर जीएसटी अब 5% से घटाकर शून्य किया गया।

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम की लिमिट बढ़ी तो कई बैंकों ने भी बढ़ाया एफडी पर ब्याज रिटर्न

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने अपने बजट 2023 के भाषण में देश के हर वर्ग के लिए कई ऐलान किए थे।

वरिष्ठ नागरिकों को तोहफा देते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम की डिपॉजिट लिमिट को बढ़ाकर 15 लाख से बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दिया है। इस बढ़ोतरी के बाद पोस्ट ऑफिस की यह स्मॉल सेविंग स्कीम ग्राहकों के लिए और आकर्षक बन गई है। इस ऐलान के बाद से कई बैंकों ने भी अपने एफडी की ब्याज दरों में लगातार इजाफा किया है। कई बैंक एफडी स्कीम पर सीनियर सिटीजन्स को 9 फीसदी तक ब्याज दर ऑफर कर रहे हैं।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि 60 साल से अधिक के लोगों को लिए एससीएसएस या बैंक एफडी में से कौन सी स्कीम ज्यादा बेहतर है। आइए जानते हैं इस बारे में-सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम के तहत 60 वर्ष से अधिक का कोई भी भारतीय नागरिक अधिकतम 30 लाख रुपये तक निवेश कर सकता है।

एयरो इंडिया 2023 में मिधानि ने नए विकसित पांच उत्पाद लॉन्च किए

हैदराबाद, 18 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। येलहंका, बेंगलुरु, भारत में आयोजित एयरो शो 'एयरो इंडिया 2023' का 14वां संस्करण मिधानि के लिए बहुत ही गत्यात्मक रहा। एयरो इंडिया 2023 के दौरान मिधानि द्वारा विकसित नए पांच स्वदेशी उत्पाद - गैस टर्बाइन के लिए सुपरको 783 फास्टनर; सुपरनी 76 गैस टर्बाइन इंजन घटकों के लिए जाली बार्स; सुपरनी 10003 भारतीय मोल्टेन साल्ट ब्रीडर रिएक्टर के लिए फोर्ज्ड बार्स; एमडीएन 6758ए फोर्ज्ड, हॉट रोल्ड बार्स व फ्लैट्स; और कंप्रेसर रोटर ब्लेड के लिए टाइटेनियम मिश्र धातु का पर उद्घाटन किया गया।

मिधानि ने विभिन्न फर्मों के साथ ग्यारह समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। फर्म जैसे कि जैसे कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, नासिक, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, कोरापुट, हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल), विशाखापत्तनम, वेलस्पन स्पेशलिटी स्टील्स लिमिटेड, माइक्रोन इंस्ट्रूमेंट्स, चंडीगढ़, जय जगदंबा, मुंबई, बे फोर्ज, चेन्नई, ऊर्जा अभियान प्रा. लि., हैदराबाद, तमिलनाडु औद्योगिक निगम, आईआईटी, रुड़की और आईआईटी, बॉम्बे।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी की उपस्थिति में सभी समझौता ज्ञापन आदान-प्रदान किए गए। डॉ. एसके झा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेश, मिधानि ने कहा कि ये नए विकसित स्वदेशी उत्पाद आत्म-निर्भर भारत और प्रत्यक्ष आयात विकल्प की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे और जिन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनके भागीदारों के बीच अधिक सहयोग के लिए मार्ग आसान होगा। उत्पादों के उद्घाटन और बंधन समारोह के अवसर पर श्री एन. गौरी शंकर राव, निदेशक (वित्त), टी. मुत्तुकुमार, निदेशक (उ. एवं वि.) और कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

ग्रामीण व असंगठित क्षेत्र की मांग में सुधार से एक बार फिर झटका दे सकती है महंगाई

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। ग्रामीण मांग में सुधार एवं असंगठित क्षेत्र के कोरोना के झटकों से उबरने की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था में महंगाई का एक और दौर देखने को मिल सकता है।

एचएसबीसी सिक्योरिटीज एंड कैपिटल मार्केट (इंडिया) के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि महंगाई के मुकाबले वेतन वृद्धि महामारी पूर्व स्तर के पार पहुंच गई है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था से निकटता से जुड़े असंगठित क्षेत्र में भी सुधार दिख रहा है। इसके अलावा, सर्दियों के सीजन में बुवाई अच्छी रहने से आय के मोर्चे पर मदद मिलेगी। अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी एवं

आयुषी चौधरी ने बढ़ती ग्रामीण आय का महंगाई पर असर की ओर इशारा करते हुए कहा, खाद्य महंगाई पर पहले से ही दबाव बना हुआ है। खासकर अनाज और दूध की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। आगे भी खाद्य कीमतों में वृद्धि का अनुमान है। उत्पादक भी मार्जिन बढ़ाने के लिए मजबूत मांग का इस्तेमाल करेंगे। इससे महंगाई का जोखिम बढ़ेगा। 2022 के अधिकांश महीनों में खुदरा महंगाई 6 फीसदी से ज्यादा रही है अर्थशास्त्रियों ने कहा कि सर्दियों की फसल भले ही अच्छी हुई है, लेकिन ग्रामीण मांग ने कीमतों के मोर्चे पर दबाव बढ़ा दिया है। अगर आखिरी समय में मौसम की गड़बड़ी के कारण सर्दियों की फसल कमजोर होती है तो ग्रामीण आय और मुख्य महंगाई में गिरावट के बावजूद खाद्य महंगाई उच्च बनी रह सकती है। एचएसबीसी ने कहा कि 2023-24 में खुदरा महंगाई औसतन 5.4 फीसदी रह सकती है। ऐसे में आरबीआई रेपो दर में एक बार फिर 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकता है। इससे नीतिगत दर बढ़कर 6.75 फीसदी पर पहुंच जाएगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ -	06-23	बजे
चंद्र-	मकर	में	मीन...	08-02	बजे
मंगल	वृष	में	मेष--	09-38	बजे
बुध-	मकर	में	वृष--	11-22	बजे
गुरु-	मीन	में	मिथुन..	13-23	बजे
शुक्र-	मीन	में	कर्क...	15-35	बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	17-47	बजे
राहु-	मेष	में	कन्या..	19-54	बजे
केतु-	तुला	में	तुला..	21-59	बजे
			वृश्चिक.	00-09	बजे
			धनु.....	02-23	बजे
			मकर..	04-33	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1443
ऋतु-बसंत दिशाशूल- पश्चिम • पान खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी -16 -18 तक उपरान्त, अमावस्या
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , रविवार Feb 19
नक्षत्र -श्रवण - 14 -43 तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - वरियान-15 - 18 - तक उप परिघ
करण- शकुनि- 16 - 18 - तक उप- चतुष्पाद
विशेष:-
व्रत -त्योहार - स्वामि दयानन्द बोधोसत्व

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:51 से 18:18 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:44 - 08:09	अशुभ	शुभ.	18:15 - 19:51	शुभ
चंचल	08:09 - 09:36	शुभ	अमृत	19:51 - 21:24	शुभ
लाभ	09:36 - 11:03	शुभ	चंचल	21:24 - 22:57	शुभ
अमृत.	11:03 - 12:30	शुभ	रोग	22:57 - 00:30	अशुभ
काल.	12:30 - 13:57	अशुभ	काल	00:30 - 02:03	अशुभ
शुभ..	13:57 - 15:24	शुभ	लाभ	02:03 - 03:36	शुभ
रोग	15:24 - 16:51	अशुभ	उत्पात	03:36 - 05:09	अशुभ
उत्पात	16:51 - 18:15	अशुभ	शुभ	05:09 - 06:44	शुभ

आपका राशिफल

मेष (धू धे धो ला ली लू ले लो अ)
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है |आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं |अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है |

वृष (ई उ ए जो वा वी वू वे वो)
आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा | आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है | अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा | पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है |

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है |आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे |किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा |समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है |

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही | सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें |जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा |लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है |अपना काम कुशलता से पूरा करें और आपको भविष्य में इसका फल अवश्य मिलेगा |

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा | लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे | यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है |आप आज ध्यान से उन परिवर्तनों के बारे में सोचेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी |लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे | शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें | आपको सफलता मिलेगी |परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगे |

तुला (र री रु रे से ता तू ते)
आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें | बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें | जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें |दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं | इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा |

वृश्चिक (तो मा मी मू मे मो य यी यू)
आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं |आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं | आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा | हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है ।आप आज छोटी लेकिन बार बार हो जाने वाली स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से परेशान महसूस कर रहे हैं ।

धनु (ये यो भा भी मू धा फा ढा भे)
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी | अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते | इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ |इधर -उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है | आप कुछ तनाव में लग रहे हैं।

मकर (भे जे जी खी खू खो मा मी)
आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है | आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे |इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे | आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा |लोगों ने आपको बुरा आदमी समझ लिया है |उन्हें समझने दें ।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा | आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए | अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं,लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें | आपकी महत्वकांक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके,पूरे कर लेना चाहते हैं |

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो च ची)
पिछले काफी समय से जिस अटके काम को करने की सोच रहे हैं वह आज होने की उम्मीद है |खासी शारीरिक मेहनत करनी पड़ सकती है |आज सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से भी लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है| अपने प्रियजनों से किसी भी प्रकार के टकराव से बचें |सितारे कहते हैं की यदि आज कोई भी टकराव हुआ तो तुरंत बात बढ़ जायेगी । आज आपकी सेहत में कोई अप्रत्याशित बदलाव आ सकता है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

आईपीएस त्रिवेणी सिंह ने वीआरएस के लिए किया आवेदन, स्वास्थ्य का दिया हवाला

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक करने और अपराधियों पर लगाम लगाने में माहिर साइबर कॉप आईपीएस त्रिवेणी सिंह ने वीआरएस के लिए आवेदन किया है. त्रिवेणी सिंह ने स्वास्थ्य खराब होने की वजह से वीआरएस मांगा है. आईपीएस त्रिवेणी सिंह का दो साल बाद यानी 2025 में रिटायरमेंट होना है. साल 1994 में त्रिवेणी सिंह का प्रांतीय पुलिस सेवा में चयन हुआ था. योगी सरकार बनने पर त्रिवेणी सिंह का आईपीएस के पद पर प्रमोशन हुआ और उन्हें 2011 बैच अलॉट हुआ था. उनकी आईपीएस के तौर पर पहली तैनाती आजमगढ़ में थी, लेकिन वहां दलित प्रधान की हत्या होने पर हटाकर साइबर का एसपी बनाया गया था. उन्हें राष्ट्रपति का वीरता पदक भी मिल चुका है.

'कहीं से चुनाव लड़कर देखें सीएम',

सुधाकर सिंह ने नीतीश कुमार पर फिर बोला हमला

पटना, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व कैबिनेट मंत्री और आरजेडी विधायक सुधाकर सिंह ने एक बार फिर नीतीश कुमार पर हमला बोला है. सुधाकर सिंह ने बिहार सीएम को ओपन लेटर लिखकर कई गंभीर सवाल उठाए हैं. आरजेडी विधायक ने लेटर में लिखा कि अगर सीएम जनता का फैसला देखना चाहते हैं तो उन्हें किसी भी क्षेत्र से चुनाव लड़कर देखें. नीतीश कुमार को लिखे ओपन लेटर में सुधाकर सिंह ने नीतीश कुमार पर ईमानदार नहीं होने का आरोप लगाया है. सुधाकर ने कहा कि नीतीश के राजनीतिक जीवन में कर्तव्य और निष्ठा का अस्तित्व नहीं है. वह नीतिगत मुद्दों पर घिसा-पिटा जवाब देते हैं. पूर्व कृषि मंत्री ने पूछा कि नीतीश बताएं क्या दूसरे और तीसरे कृषि रोड मैप के बाद बिहार में किसानों की आमदनी बढ़ी है?

चुनाव लड़कर देखें नीतीश: आरजेडी विधायक

सुधाकर सिंह ने कहा कि अगर नीतीश जनता का फैसला देखना चाहते हैं तो किसी भी क्षेत्र से चुनाव लड़कर देखें. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विधानसभा के आगामी सत्र में कृषि मंडी कानून पर फिर से निजी विधेयक पेश करेंगे.

पिछले दरवाजे से राजनीति करते हैं नीतीश: सुधाकर

इससे पहले सुधाकर सिंह ने नीतीश कुमार पर आरोप लगाया था कि वो पिछले दरवाजे से राजनीति करते हैं. पूर्व कृषि मंत्री ने कैमूर में कहा था, नीतीश कुमार के साथ मेरा अनुभव बहुत ही खराब रहा. वह अधिकारियों, भ्रष्टाचारियों और गुंडों के लिए सरकार चलाते हैं. बिहार के किसानों और मजदूरों के लिए नहीं चलाते हैं, यह बात सबको मालूम है. पिछले दरवाजे से राजनीति करते हैं. चुनाव जीतकर नहीं आते, ऐसे लोगों को राजनीति में प्रतिबंधित करना चाहिए.

पूर्व सपा विधायक रामस्वरूप सिंह गौर का निधन

कानपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सपा के पूर्व विधायक रामस्वरूप सिंह गौर का लंबी बीमारी के कारण शनिवार को निधन हो गया. सपा विधायक रामस्वरूप सिंह गौर मुलायम सिंह यादव और अखिलेश के सबसे करीबी थे. अकबरपुर रानियां विधानसभा सीट बनने के बाद इस सीट से सबसे पहले सपा विधायक बने थे. इससे पहले जब अकबरपुर रानियां विधानसभा सीट नहीं थी तो सरवनखेड़ा विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक बने थे. सपा विधायक रामस्वरूप सिंह का कार्यकाल 2017 तक था.

साढ़े तीन किलो सोने के बिस्किट के साथ दो गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में विदेश से तस्करी कर लाए गए साढ़े तीन किलो सोने के बिस्किट को डीआरआई की टीम ने जब्त किया है. इस मामले में दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है. रिपोर्ट के मुताबिक म्यांमार से तस्करी कर लाई गई साढ़े तीन किलो सोने के बिस्किट को राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) की मुजफ्फरपुर क्षेत्रीय यूनिट ने जब्त किया है. जब्त किए गए सोने की कीमत दो करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जा रही है. इस मामले में गिरफ्तार दोनों तस्करों से मुजफ्फरपुर के माड़ीपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में गहनता से पूछताछ की गई. पूछताछ पूरी होने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. जानकारी के मुताबिक डीआरआई की मुजफ्फरपुर क्षेत्रीय यूनिट को सोने की बिस्किट की

तस्करी होने की सूचना मिली थी. डीआरआई को पता चला था कि सिलीगुड़ी से पटना जाने वाली एक बस में सोना ले जाया जा रहा है. सूचना मिलते ही एक टीम बनाकर पश्चिम बंगाल के जयगांव भेजा गया और बस में यात्रियों की तलाशी ली गयी. इस दौरान दो यात्रियों के बैग से करीब साढ़े तीन किलो गोल्ड बिस्किट बरामद किया गया. इसे उत्तर प्रदेश भेजा जा रहा था. शुरुआती पूछताछ में तस्करों ने बताया कि उन्हें पटना तक का सफर बस से करना था. फिर वहां से दूसरे नेटवर्क के हवाले गोल्ड बिस्किट कर दिया जाता. सोने के बिस्कुट को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक धंधेबाज को सौंपना था.

हनीट्रैप गैंग की महिला समेत 4 सदस्य गिरफ्तार, वीडियो बनाकर करते थे ब्लैकमेल

इटावा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की इटावा पुलिस ने हनीट्रैप के जरिये लोगों को शिकार बनाने वाले गैंग का भंडाफोड़ किया है. पुलिस ने महिला सहित गैंग के चार लोगों को गिरफ्तार किया है. उनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं. उसमें आपत्तिजनक वीडियो और फोटो भी मिले हैं. पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपी बहुत शातिर हैं. उनके खिलाफ पहले से ही औरैया और जालौन में कई मामले दर्ज हैं.

पिता-पुत्र की आई ऐसी तस्वीर, देखकर आप भी कहेंगे 'वाह'

इलाहाबाद, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बेटा जब पढ़ लिख कर ऊंचे पोस्ट पर नौकरी पाता है, तो हर पिता को खुशी होती है. लेकिन जब बेटा इतनी ऊंची पोस्ट पर पहुंच जाए कि पिता के प्रमोशन होने पर उसके कंधे पर बैज भी वही लगाए तो सोचिए उस पिता को कितनी खुशी होगी. यही खुशी महसूस कर रहे हैं, यूपी के जनार्दन सिंह. जनार्दन सिंह लखनऊ में दीवान थे. अब उनका प्रमोशन सब इंस्पेक्टर पद पर हुआ है. प्रमोशन होने पर उनके कंधे पर सितारे उनके बेटे अनूप सिंह ने लगाए. जो कि खुद एक आईपीएस हैं. अनूप सिंह वर्तमान में लखनऊ में टेक्निकल सर्विसेज में एसपी के पद पर तैनात हैं. पिता पुत्र की अनोखी कहानी निश्चित ही समाज में एक मिसाल पैदा करती है. जनार्दन सिंह बचपन से ही बेटे अनूप को आईपीएस बनाना चाहते थे. अनूप ने भी उन्हें निराश नहीं किया और उनका सपना पूरा किया. बता दें कि अनूप सिंह ने अपना ग्रेजुएशन इलाहाबाद विश्वविद्यालय से किया है. इसके बाद उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से एमए किया. 2014 में उन्होंने यूपीएससी परीक्षा भी क्लियर कर ली.

'भाजपा भारत को नाथूराम गोडसे का देश बनाना चाहती है'

तेजस्वी यादव का तीखा हमला

पटना, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बीबीसी के ऑफिस पर आयकर सर्वे को लेकर भाजपा पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा केंद्रीय जांच एजेंसी का दुरुपयोग कर रही है और भारत को नाथूराम गोडसे का देश बनाने की कोशिश कर रही है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि ऐसा कर केंद्र यह संदेश देना चाहता है कि जो कोई भी सरकार के खिलाफ बोलेगा, उससे निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि बीबीसी के साथ क्या हुआ। गुजरात में क्या हुआ सब जानते हैं। वे महात्मा गांधी के देश को नाथूराम गोडसे का देश बनाना चाहते हैं। वे हिंदू राष्ट्र की बात करते हैं लेकिन हमारी विविधता ही हमारी सुंदरता है।' उपमुख्यमंत्री ने उक्त बातें एक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान कही। इससे पहले जदयू नेता सुनील सिंह ने बीबीसी के दफ्तरों में करीब 60 घंटे तक चले आयकर सर्वे के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह कार्रवाई बदले की राजनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 'बीबीसी पर आईटी की छापेमारी दर्शाती है कि केंद्र सरकार राजनीतिक बदले की भावना से आयकर, सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करती है।' सुनील सिंह ने आगे कहा कि 'बीबीसी एक प्रेस है, और प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। यह ऑपरेशन लोकतंत्र पर हमला है और इसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है।' इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि देश में हर धर्म, संप्रदाय के लोग रहते हैं। यदि कोई भारत को 'हिंदू-राष्ट्र' बनाना चाहता है तो वो देश को बर्बाद करना चाहता है। भारत में यह संभव है क्या? मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई अगर उल्टा-पुल्टा बात करना चाहता है तो वह देश को खत्म करना चाहता है। इस तरह की बात करने वाले लोगों को चुनाव के बाद पता चलेगा। कोई कुछ बोलेगा पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को छोड़कर किसी की बात को नहीं सुनना है। देश को बापू ने कितना बताया है। देश के बारे में बापू ने जो कहा, उसी पर ध्यान देना चाहिए। हम लोग तो उन्हीं की बातों को साथ लेकर काम को आगे बढ़ाते रहे हैं।

अवैध संबंध के शक में ससुराल में की पत्नी की हत्या, गिरफ्तार

गाजियाबाद, 18 फरवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद में पति ने अपनी ससुराल में पहुंचकर पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। वारदात के वक्त पत्नी के घरवाले वहां मौजूद थे। हत्या करके आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने देर रात उसे गिरफ्तार कर लिया। हत्याकांड के पीछे अवैध संबंध के शक की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना घंटाघर कोतवाली क्षेत्र की है। एसीपी अंशु जैन ने बताया, ये वारदात घंटाघर कोतवाली क्षेत्र के आर्यनगर में शुक्रवार रात करीब 8 बजे के आस-पास हुई। मृतका का नाम वंशिका कश्यप है, जिसकी उम्र करीब 22 साल थी।

सपा में नंबर दो कौन? चाचा शिवपाल या राम गोपाल यादव

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी में प्रसपा का विलय होने के बाद से शिवपाल सिंह यादव अपने पुराने अंदाज में नजर आ रहे हैं. उन्होंने संगठन से लेकर कार्यकर्ताओं तक अपनी पुरानी धाक फिर से दिखानी शुरू कर दी है. अब सपा में उन्हें राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है. लेकिन एक सवाल अब भी सबके मन में बढ़ा हुआ है कि सपा में नंबर दो कौन है? इस सवाल का जवाब तलाशने के लिए बीते कुछ दिनों के घटना क्रम पर एक नजर डालते हैं. पहले मैनपुरी उपचुनाव के दौरान अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल यादव को हर वक्त अपने बगल में जगह दी. जिसके बाद प्रसपा का सपा में विलय

हुआ. हालांकि विलय के दौरान मैनपुरी में चाचा 'कर्तव्य पथ' पर दिखे. वहां उन्होंने अखिलेश यादव का परिचय पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं से कराया. लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती है, जब पार्टी में सगंठन विस्तार का वक्त आया तो अखिलेश यादव खुद चाचा शिवपाल यादव के घर गए. उनसे चर्चा की और उसके बाद राष्ट्रीय कार्यकारिणी का एलान हुआ. अभी प्रदेश कार्यकारिणी का एलान बाकी है लेकिन इससे पहले अखिलेश फिर से चाचा के घर पहुंचे और उनसे चर्चा की.

सपा के एक्शन के पीछे का संदेश

अब बात बीते दिनों से चल रहे रामचरितमानस विवाद पर डालते हैं. जिसमें स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान के बाद अखिलेश यादव ने 'शूद्र' वाला बयान दिया था. लेकिन इस पूरे विवाद के दौरान शिवपाल यादव ने पार्टी को स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान से अलग कर दिया.

इसके बाद राम गोपाल यादव ने भी शिवपाल यादव की तरह ही स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान से पार्टी को अलग कर दिया. दोनों ने इसे उनका निजी बयान बताया. लेकिन अब सपा ने अपने दो नेताओं रोली तिवारी मिश्रा और ऋचा सिंह पर एक्शन लिया है. तब फिर से कहा जा रहा है कि अखिलेश यादव का ये एक्शन चाचा के बयानों के बाद आया है. दरअसल, शिवपाल और राम गोपाल यादव इस विवाद से खुद को अलग करते नजर आए. जबकि पार्टी में इसपर एक गुट नाराज नजर आ रहा था. इसके बाद अखिलेश यादव ने एक्शन लिया. जिससे स्पष्ट हो गया कि सपा में इन दोनों दिग्गजों के लिए बराबर की जगह है.

हालांकि राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शिवपाल यादव को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया, जबकि चाचा राम गोपाल यादव को राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव की जिम्मेदारी मिली. यहां पद तो चाचा शिवपाल से बड़ा राम गोपाल यादव को मिला. लेकिन अगर बात संगठन और कार्यकर्ताओं के बीच शिवपाल यादव के एक्टिव होने की करें, तो उनका कद को राम गोपाल यादव से ऊपर नजर आता है.

शर्मनाक! लंच में चिप्स का पैकेट ले गए बच्चे, स्कूल डायरेक्टर ने बेरहमी से पीटा; अरेस्ट

राजनगर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन के एम एल पब्लिक स्कूल के अंदर नाबालिक की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है. आरोप है कि केवल चिप्स का पैकेट स्कूल में ले जाने पर कई बच्चों को पीटा गया. बच्चों के परिजनों ने प्रिंसिपल के ऊपर भी आरोप लगाए हैं. थाना नंदग्राम क्षेत्र में स्थित एक स्कूल में दो छात्रों को स्कूल के डायरेक्टर द्वारा पिटाई किये जाने का मामला संज्ञान में आया है. बच्चों के परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने थाना नंदग्राम में केस दर्ज किया है. पुलिस ने डायरेक्टर को गिरफ्तार कर लिया है

गांधी मैदान में दिव्यांगों का प्रदर्शन, समर्थन देने पहुंचे नेता प्रतिपक्ष को झेलना पड़ा आक्रोश

पटना, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी पटना के गांधी मैदान में पिछले 10 दिनों से राज्य के तमाम दिव्यांगों ने दिव्यांग आयोग और पेंशन बढ़ोतरी को लेकर प्रदर्शन किया. ऐसे में नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा दिव्यांगों के प्रदर्शन में शिरकत की. उन्होंने दिव्यांगों से मिलकर कहा कि उनकी मांग को लेकर सरकार को सदन में घेरने का काम करेंगे, इन लोगों की मांग जायज है. दिव्यांगों को उचित पेंसन मिलना चाहिए और आयोग बनाने से राज्य के दिव्यांगों को लाभ मिलेगा. महागठबंधन की सरकार दिव्यांगों के प्रति हमदर्दी नहीं दिखा रही है. जिसका नतीजा है राज्य में 71 लाख दिव्यांग है किसी कारण से यह दिव्यांग हुए हैं लेकिन इनके प्रति सभी लोगों की सहानुभूति होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि दिव्यांगों की हम सदन में दिव्यांगों को नौकरी में सहूलियत मिले इसके लिए भी मांग रखेंगे. नेता दिव्यांगों की मांगों को लेकर के सदन में सरकार को दबाव बनाएंगे अगर महागठबंधन की सरकार में दिव्यांगों के हित में पहल नहीं की जाती है तो हम और हमारी सरकार है.

बारात की गाड़ी से उतरकर प्रेमी संग दुल्हन भागी

फिरोजाबाद, 18 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में एक दुल्हन विदाई के बाद बीच रास्ते में दूल्हे को छोड़ कर प्रेमी के साथ फरार हो गई। इसके बाद दूल्हे ने कार से पीछा करके दोनों को पकड़ लिया। दोनों को पुलिस स्टेशन लाया गया। लड़की के परिवार वालों को भी मौके पर बुलाया गया। थाने में लड़की और लड़के की परिवार के बीच काफी बहस हुई। लड़के ने थाने में साफ कह दिया कि वो अब लड़की के साथ नहीं रह सकता है। दुल्हन ने भी अपने प्रेमी के साथ रहने की ही बात कही। इसके बाद दुल्हन को उसके प्रेमी के साथ भेज दिया गया। फिरोजाबाद के उत्तर थाना क्षेत्र की रहने वाली लड़की की बारात बुधवार को आगरा के बमरौली से आई थी। बुधवार को शादी की सारी रस्में हुईं। गुरुवार सुबह दुल्हन की विदाई हुई। दूल्हा अपने परिवार वालों के साथ दुल्हन को घर ले जा रहा था। रास्ते में दुल्हन ने उल्टी आने की बात कहकर कार रुकवा दी। दुल्हन कार से उतरी तभी पीछे से एक बाइक आई। कोई कुछ समझ पाता इससे पहले दुल्हन प्रेमी के साथ बाइक पर बैठकर मौके से फरार हो गई। दुल्हन को किसी के साथ जाते देख दूल्हे और उसके परिवार वालों ने हंगामा शुरू कर दिया। दूल्हे ने गाड़ी से पीछा कर दुल्हन और उसके प्रेमी को पकड़ लिया।

कानपुर की घटना के बाद डांस वाले वायरल वीडियो पर छलका डीएम का दर्द

कानपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। जिले में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान एक महिला और उसकी बेटी की मौत के कुछ दिनों बाद जिलाधिकारी नेहा जैन ने कहा कि दुखद घटना के बाद उनका चरित्र हनन किया जा रहा है. जैन ने यह भी दावा किया कि वह अपने कार्यालय में आने वाले लोगों की शिकायतें सुनती हैं. अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान झोपड़ी में मां-बेटी द्वारा कथित तौर पर आग लगाकर आत्मदाह किये जाने के मामले और कानपुर देहात महोत्सव में जिलाधिकारी का नृत्य करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर सामने

आने पर जैन ने कहा, ''इस दुखद घटना के बाद मेरा चरित्र हनन किया जा रहा है जो किसी भी अधिकारी विशेष रूप से महिला अधिकारी के लिए सही नहीं है.'' जिलाधिकारी ने संवाददाताओं से कहा, ''12 फरवरी को कानपुर देहात महोत्सव था जबकि उसके अगले दिन 13 फरवरी (मां-बेटी के आत्मदाह) को हुई घटना हम सभी के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन इन दोनों को एक साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए.''

विधानसभा में गर्माएगा मामला

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कानपुर देहात में एक अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान एक महिला और उसकी बेटी की मौत की मजिस्ट्रियल जांच का आदेश दिया था. इस घटना को लेकर विपक्षी दल सरकार पर आक्रामक हैं और 20 फरवरी से शुरू होने जा रहे विधानसभा के बजट सत्र में यह मामला गर्माने के आसार नजर आ रहे हैं.

महोत्सव 12 फरवरी को-डीएम

गौरतलब है कि कानपुर देहात की जिलाधिकारी नेहा जैन का पिछले सोमवार को अतिक्रमण हटाने की घटना के बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच पर नृत्य करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया. जिलाधिकारी पर संवेदनहीनता का आरोप लगा कि घटना के बाद वह महोत्सव में नृत्य कर रही थीं. हालांकि जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि महोत्सव 12 फरवरी को था जबकि घटना 13 फरवरी को हुई.

क्या थी कानपुर देहात की घटना

कानपुर देहात जिले के रूरा थाना इलाके के मडौली गांव में 13 फरवरी की शाम अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान प्रमिला दीक्षित (45) और उनकी बेटी नेहा दीक्षित (20) ने कथित तौर पर अपनी झोपड़ी में खुद को आग लगा ली जिससे दोनों की मौत हो गयी थी. उनकी झोपड़ी कथित रूप से ग्राम समाज की जमीन पर बनी थी. दोनों का बुधवार को पुलिस की मौजूदगी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यहां पर अंतिम संस्कार किया गया.

अब्दुल्ला आजम को तगड़ा झटका, अब तो वोट भी नहीं दे पाएंगे

इलाहाबाद, 18 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता और आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान को तगड़ा झटका लगा है। वे अब वोट नहीं दे सकेंगे। अब्दुल्ला आजम खान का नाम शुक्रवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद रामपुर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची से काट दिया गया है। रामपुर के भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने मतदाता सूची से अब्दुल्ला आज़म खान का नाम हटाने के लिए पत्र लिखा था जिसके बाद निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने ये फैसला सुनाया है और ईआरओ, रामपुर द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब्दुल्ला आजम का नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), रामपुर ने कहा कि जारी आदेश में कहा गया है कि, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम

के प्रावधानों के अनुसार, किसी भी व्यक्ति का नाम जो पंजीकरण के बाद अयोग्य हो जाता है, उसे मतदाता सूची से तुरंत हटा दिया जाता है। आदेश पत्र में कहा गया है कि यह प्रावधान स्पष्ट करता है कि विधानसभा से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद अब्दुल्ला आजम खान का नाम तुरंत मतदाता सूची से हटा दिया जाए।

इलाहाबाद कोर्ट के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया था

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में, सुप्रीम कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम खान की समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए पूर्व विधायक को चुनाव की तारीख पर न्यूनतम योग्यता आयु प्राप्त नहीं करने के लिए अयोग्य ठहराया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा था, हम यह स्पष्ट करते हैं कि इस अदालत ने रामपुर जिले के 34, स्वार विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित उम्मीदवार (मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान) के चुनाव को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका के संदर्भ में जो देखा है उसमें चुनाव का परिणाम 11 मार्च, 2017 को घोषित किया गया था और वे तब तक 25 साल की उम्र को पूरी नहीं कर सके थे। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने 7 नवंबर, 2022 को दिए गए एक आदेश में कहा, अब्दुल्ला आलम खान के उम्र के आलोक में उम्र पूरी नहीं करने के संदर्भ में तदनुसार समीक्षा याचिकाएं खारिज की जाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा कोई प्रकट त्रुटि नहीं थी, जिसने समाजवादी पार्टी के नेता आज़म खान के बेटे अब्दुल्ला आज़म खान के उत्तर प्रदेश के विधायक के रूप में चुनाव को रद्द कर दिया था और इसमें शीर्ष अदालत द्वारा किसी भी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं थी। शीर्ष अदालत ने अब्दुल्ला आजम खान द्वारा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश द्वारा विधायक के रूप में उनकी अयोग्यता को चुनौती देते हुए दायर अपील को इस आधार पर खारिज कर दिया कि वह 2017 में चुनाव लड़ने के योग्य नहीं थे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने रामपुर जिले के स्वार विधानसभा क्षेत्र से आजम खां के पुत्र के चुनाव को शून्य घोषित कर दिया था क्योंकि उनकी आयु 25 वर्ष से कम थी। अब्दुल्ला खान 11 मार्च, 2017 को सपा के टिकट पर विधायक चुने गए थे

जॉर्ज सोरोस को जयशंकर की दो टूक

'ऐसे लोग सोचते हैं कि चुनाव सिर्फ तभी अच्छे हैं, जब उनकी पसंद के लोग जीतें'

सिडनी, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस अदाणी-हिंडनबर्ग मुद्दे पर पीएम नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी के बाद से ही चर्चा में हैं। मोदी सरकार के मंत्रियों ने सोरोस की भारतीय लोकतंत्र को लेकर की गई टिप्पणी पर नाराजगी जाहिर की है। वहीं, विपक्ष ने भी सोरोस पर निशाना साधा है। इस बीच अपने सीधे और स्पष्ट तर्कों से भारत की विदेश नीति का परिदृश्य रखने वाले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोरोस के बयान को लेकर टिप्पणी की है।

सोरोस पर क्या बोले जयशंकर?

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, सोरोस मानते हैं कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, लेकिन प्रधानमंत्री लोकतांत्रिक नहीं है। कुछ समय पहले ही उन्होंने हम पर आरोप लगाया था कि हम करोड़ों मुस्लिमों की नागरिकता छीनने की कोशिश कर रहे हैं, जो कि जाहिर तौर पर नहीं हुआ। मैं कह सकता है कि मिस्टर सोरोस एक बुजुर्ग, अमीर और राय रखने वाले व्यक्ति हैं, जो कि अभी भी न्यूयॉर्क में बैठे हैं और सोचते हैं कि उनके विचारों से फैसला होना चाहिए कि पूरी दुनिया कैसे चलेगी।

जयशंकर ने आगे कहा, मैं सोरोस को सिर्फ बुजुर्ग, अमीर और राय रखने वाला कहकर रुक सकता हूं। लेकिन वे बुजुर्ग, अमीर और राय रखने वाले के साथ खतरनाक भी हैं। जब ऐसे लोग और संस्थान विचार रखते हैं, तो वे अपने संसाधनों को नैरेटिव गढ़ने में लगा देते हैं।

जयशंकर ने कहा, सोरोस जैसे लोगों को लगता है कि चुनाव तभी अच्छे हैं, जब उनकी पसंद का व्यक्ति जीत जाए। लेकिन अगर चुनाव का नतीजा कुछ और होता है, तो वह उस देश के लोकतंत्र को त्रुटिपूर्ण कहने लगते हैं और यह सब एक खुले समाज की वकालत करने के नाम पर किया जाता है।

भारत के लोकतंत्र पर भी की टिप्पणी

भारत के विदेश मंत्री ने लोकतंत्र पर अपनी राय रखते हुए कहा, आज जब मैं अपने लोकतंत्र को देखता हूं। यहां पर मतदाताओं की भागीदारी, जो कि अभूतपूर्व है; चुनाव के नतीजे, जो कि निर्णायक हैं, चुनावी प्रक्रिया, जिस पर सवाल नहीं उठते। हम वह देश नहीं हैं, जहां चुनाव के बाद इसे चुनौती देने के लिए कोई कोर्ट जाता है।

क्या बोले थे जॉर्ज सोरोस?

अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस का कहना है कि गौतम अदाणी के कारोबारी साम्राज्य में मची उथल-पुथल से शेयर बाजार में बिकवाली आई है और इससे निवेश के अवसर के रूप में भारत में विश्वास हिला है। यह देश में लोकतांत्रिक पुनरुद्धार के दरवाजे खोल सकता है। सोरोस के इस बयान पर भाजपा ने भी पलटवार किया है।

सोरोस, जिनकी नेटवर्थ लगभग 8.5 बिलियन डॉलर है ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के संस्थापक हैं। यह फाउंडेशन लोकतंत्र, पारदर्शिता और बोलने की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने वाले समूहों और व्यक्तियों को अनुदान देता है।

दुनिया की टॉप एजेंसी एफबीआई का कंप्यूटर नेटवर्क हैक, जांच शुरू

न्यूयॉर्क, 18 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे टॉप मानी जाने वाली खूफिया एजेंसी एफबीआई का कंप्यूटर नेटवर्क हैक होने की खबर सामने आई है। एफबीआई मामले की जांच कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जांच में जो बात निकलकर सामने आ रही है वो ये है कि एफबीआई के न्यूयॉर्क ऑफिस के कंप्यूटर्स को निशाना बनाया गया है। जिन कंप्यूटर्स को हैक किया गया है, उनमें बाल यौन शोषण से जुड़े मामलों की जांच से संबंधित दस्तावेज हैं। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि हैकिंग की घटना को कब अंजाम दिया गया। साथ ही इस बात की भी जांच की जा रही है कि हैकिंग को कहां से अंजाम दिया गया है। गौरतलब है कि अमेरिका में हाई प्रोफाइल हैकिंग का यह पहला मामला नहीं है। हाल के सालों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां अमेरिकी सरकार से जुड़े अहम विभागों के कंप्यूटर नेटवर्क में सेंधमारी हुई है। साल 2020 के अंत में फेडरल नेटवर्क के कई सिस्टम्स में हैकिंग हुई थी। इस हैकिंग के आरोप रूसी खूफिया विभाग पर लगे थे।

पाकिस्तान सरकार को इमरान खान की चेतावनी

बोले- 22 फरवरी से शुरू होगा जेल भरो आंदोलन

कराची, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान ने 22 फरवरी से जेल भरो आंदोलन शुरू करने का एलान किया है। शुक्रवार को उन्होंने इसका एलान किया। इसकी शुरुआत लाहौर से होगी। टीवी पर अपने संबोधन के दौरान इमरान ने कहा, 'अल्लाह ने चाहा तो मैं अपनी 'जेल भरो तहरीक' की घोषणा कर रहा हूं। मैं आज अपनी पूरी पार्टी को तैयारी करने के लिए कह रहा हूं।' पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के दूसरों शहरों से पहले ये आंदोलन लाहौर में होगा।

इमरान ने और क्या कहा?

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, 'डर को पीछे छोड़कर पूरे देश को इसके लिए आगे आना चाहिए।' उन्होंने अपने समर्थकों को लाहौर स्थित घर के बाहर जुटने के लिए भी शुक्रिया कहा। वह भी तब जब इमरान पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी थी। इमरान ने आगे कहा, 'युद्ध-भूकंप किसी देश को नष्ट नहीं करते हैं, लेकिन अन्याय करता है। आज महंगाई, बेरोजगारी ने देश की कमर तोड़ रखी है। एक किलोग्राम घी 600 अरब किलो पहुंच गया है।

सरकार इसका इलाज नहीं कर रही है। ये ठीक उसी तरह हुआ जैसे कैंसर का इलाज डिस्प्रिन देकर किया जाता है। आज पाकिस्तान उसी जगह खड़ा है, जहां श्रीलंका था। पाकिस्तान और अधिक अराजकता में डूब रहा है और हालात नाजुक हो चुकी है।'

90 दिन में चुनाव नहीं हुए तो कार्यवाहक सरकार अवैध होगी

इमरान ने कहा कि मौजूदा गठबंधन सरकार पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में चुनावों में देरी करने की पूरी कोशिश कर रही है। बावजूद इसके की दोनों जगह प्रांतीय विधानसभाएं भंग कर दी गई हैं। इमरान बोले, 'हमने संविधान को ध्यान में रखते हुए विधानसभाओं को भंग कर दिया। अगर 90 दिन के अंदर चुनाव नहीं हुए तो 91 वें दिन कार्यवाहक सरकार अवैध होगी और वे संविधान के अनुच्छेद 6 का उल्लंघन करेंगे।'

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का चुनाव आयोग संविधान के अनुसार काम नहीं कर रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त अदालत में बहाने बना रहा है। इमरान ने कहा, 'वे (सरकार) हर संस्थान पर दबाव बना रहे हैं क्योंकि वे जानते हैं कि अगर चुनाव हो गए तो वे हार जाएंगे। वे संविधान का उल्लंघन करना चाहते हैं या कराची जैसी स्थिति बनाना चाहते हैं जहां वे चुनाव में देरी करते रहे और अंत में एक तारीख दी ताकि तैयारी के लिए कोई समय न हो। उन्हें लगता है कि कम मतदान से उन्हें धांधली में मदद मिलेगी।'

शैंपेन की बोतल मारकर की पिता की हत्या

भारतीय मूल के व्यक्ति को मिली उम्रकैद की सजा

दीकन पॉल सिंह

लंदन, 18 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को कोर्ट ने पिता की हत्या का दोषी पाए जाने के बाद उम्रकैद की सजा सुनाई है। आरोपी दीकन पॉल सिंह (54 वर्षीय) को उत्तरी लंदन की ओल्ड बैली कोर्ट ने बीते महीने दोषी ठहराया था। अब कोर्ट ने सजा का एलान किया है। बता दें कि कोर्ट के आदेश के मुताबिक दोषी व्यक्ति को जमानत पाने के लिए कम से कम 18 साल जेल में बिताने होंगे।

मामले की जांच करने वाले मेट्रोपोलिटिन पुलिस के मुख्य पुलिस अधिकारी वेन जॉली ने बताया कि दीकन पॉल सिंह की हरकत से परिवार सदमे में है और उन्हें हमेशा अपनों को खोने का दुख झेलना पड़ेगा। दीकन सिंह को अब लंबा वक्त जेल में बिताना पड़ेगा। बता दें कि दीकन पॉल सिंह अपने पिता अर्जन सिंह विज (86 वर्षीय) और मां दमनजीत विज (85 वर्षीय) के साथ उत्तरी लंदन के साउथगेट इलाके में रहता था। अक्टूबर 2021 को पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने अपने पिता पर हमला कर दिया है। पुलिस ने मौके पर जाकर देखा तो तब तक अर्जन सिंह की मौत हो चुकी थी।

जांच में पता चला कि आरोपी दीकन पॉल सिंह शराब का आदी था। घटना वाले दिन भी उसने करीब आधी बोतल शराब पी हुई थी। इसी दौरान शराब के नशे में उसने आपा खो दिया और शैंपेन की बोतल अपने पिता अर्जन सिंह के सिर में दे मारी। जिससे अर्जन सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अर्जन सिंह की मौत की वजह उनके सिर पर लगी प्राणघातक चोट को बताया गया। पुलिस जब दीकन सिंह के घर पहुंची तो उसके घर से शैंपेन की 100 बोतल बरामद की गईं थी। साथ ही अमेजन के 10 डिलीवरी बक्से भी वहां मौजूद थे, जिनमें व्हीस्की की बोतलें थी। दीकन सिंह ने बताया कि उसकी मंशा पिता की हत्या करने की नहीं थी लेकिन शराब के नशे में उसने अनजाने में अपने पिता की हत्या कर दी।

बता दें कि दीकन पॉल सिंह के पिता पेशे से एक अकाउंटेंट थे और उसकी मां जूलोजिस्ट थीं। दीकन जब पांच साल का था तो उनका परिवार यूगांडा से ब्रिटेन आया था। दरअसल यूगांडा में ईदी अमीन के शासनकाल में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोगों का यूगांडा से पलायन हुआ था। बड़ी संख्या में लोग ब्रिटेन पहुंचे थे। दीकन सिंह का परिवार भी उन्हीं परिवारों में से एक था।

टॉप अमेरिकी सीनेटर बोले : चीन को पछाड़ने के लिए अमेरिका, यूरोप को भारत जैसे देशों की है जरूरत

न्यूयार्क, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के शीर्ष सीनेटर चक शूमर ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि चीन को टक्कर देने के लिए अमेरिका और यूरोप को भारत जैसे देशों की जरूरत है। शूमर ने कहा कि तेजी से आक्रामक चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सामने लोकतांत्रिक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करने की जरूरत है। वार्षिक म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में यूरोपीय लोगों और अंतर्राष्ट्रीय नेताओं को शूमर ने बताया कि वह अगले सप्ताह भारत में सीनेटरों के एक शक्तिशाली द्विदलीय समूह का नेतृत्व कर रहे हैं।

सीनेटर ने और क्या-क्या कहा?

शूमर ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में कहा, 'हमें यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करना चाहिए कि एक तेजी से आक्रामक चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सामने लोकतांत्रिक अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था विघटित न हो।

यह काम केवल अमेरिका और यूरोप का नहीं है। हमें भारत जैसे देशों की आवश्यकता है, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत के अंदर वह क्षमता है कि वह एशिया में रहते हुए चीन को मजबूती से टक्कर दे सकता है।'

शूमर ने आगे कहा, 'मैं भारत की यात्रा करूंगा और उन्हें वही संदेश दूंगा जो हम इस उभरते खतरे का मुकाबला करने के लिए चाहते हैं। मैं यूरोप से भी ऐसा करने का आग्रह करता हूं। भारत, अपनी लोकतांत्रिक परंपराओं के साथ, चीन को मात देने में एक बहुत मजबूत भागीदार हो सकता है और भारत के शामिल होने से पश्चिमी साझेदारी लोकतंत्र को आगे बढ़ाने के उद्देश्य को पूरा कर सकती है।'

द वाशिंगटन पोस्ट में लिखे एक लेख में शूमर ने कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के उदय का सामना करने के लिए लोकतांत्रिक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूत होना चाहिए। उन्होंने लिखा, यह काम अकेले अमेरिका और यूरोप का नहीं है। हमें भारत जैसे देशों की जरूरत है, जो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और एशिया के अन्य लोकतंत्र हैं, ताकि वे चीन और उसके आक्रमणों को मात देने के लिए हमारे साथ काम कर सकें। उन्होंन कहा कि इस हफ्ते, मैं आठ अन्य सीनेटरों के साथ भारत की यात्रा करूंगा और अपने दोस्तों को भी यही संदेश दूंगा कि हम इस उभरते खतरे का मुकाबला करना चाहते हैं।

चीन पर खूब बरसे सीनेटर

म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में शूमर चीन पर खूब बरसे। उन्होंने अमेरिका के आसमान में छोड़े गए चीन के जासूसी गुब्बारे का मुद्दा भी उठाया। कहा कि अमेरिकी सेना ने अपनी सीमाओं के भीतर चीनी निगरानी गुब्बारों को मार गिराया। यह अमेरिकी संप्रभुता का खुला उल्लंघन था। यह इस बात का उदाहरण है कि कैसे चीन ने पश्चिम के खिलाफ अपनी आक्रामकता को लगातार बढ़ाया है।

शूमर ने कहा, चीनी निगरानी गुब्बारों ने दुनिया भर के 40 से अधिक देशों को निशाना बनाया है। लेकिन अमेरिका इकलौता ऐसा देश है, जिसने इसे मार गिराया। यह सिर्फ चीनी जासूसी नहीं है जिससे पश्चिम को खतरा है। चीन ने वैश्विक अर्थव्यवस्था और इस शताब्दी को आकार देने वाली उन्नत तकनीकों पर हावी होने के लिए सैकड़ों अरबों को समर्पित किया है।

भूकंप के बीच सीरिया में आतंकी हमले

7 पुलिसकर्मी सहित 69 लोगों की मौत, यूएस फोर्स ने आईएसआईएस लीडर हमजा-अल-होम्सी को मार गिराया

लेबनान, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भूकंप के बाद मची तबाही और रेस्क्यू ऑपरेशन के बीच सीरिया के अल-सोखना शहर में शुक्रवार को एक हमला हुआ। इसमें 53 लोगों की मौत हो गई और 5 लोग घायल हुए। हमले के लिए आईएसआईएस को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। शनिवार को भी इसी तरह के एक हमले में 16 लोगों की मौत हो गई। वहीं, आतंकियों ने कई लोगों को बंधक भी बनाया। इनमें ज्यादातर आम नागरिक ही थे। दो दिन में कुल 7 पुलिसकर्मी सहित 69 लोगों की मौत हुई।

पिछले 1 साल में ये जिहादियों का ये सबसे खतरनाक हमला है। दूसरी तरफ, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया है कि शुक्रवार को रेड में अमेरिकी सैनिकों ने आईएसआईएस लीडर हमजा-अल-होम्सी को मार गिराया। रेड के दौरान हुए एक ब्लास्ट में 4 अमेरिकी सैनिक घायल हुए।

हमले का शिकार हुए 53 लोग हंटिंग पर निकले थे। इसमें से 46 आम नागरिक और 7 पुलिसकर्मी थे। पल्मायरा अस्पताल ले जाए गए सभी शवों के सिर पर गोली के निशान थे। हमले में घायल हुए एक पीड़ित ने बताया कि आईएसआईएस के आतंकियों ने उनकी कार जला दी, जिससे वो भाग न पाएं।

रूस-सीरिया हेलिकॉप्टर्स कई बार कर चुकें हैं एयरस्ट्राइक

पिछले कुछ सालों में सीरिया में हुए इस तरह के हमलों में हंटिंग के दौरान महिलाओं और बच्चों सहित कई लोगों को निशाना बनाया गया है। अप्रैल 2021 में भी आईएस ने एक ऑपरेशन में हामा प्रांत में 19 लोगों को अपना शिकार बनाया था।

इसी बीच सीरिया और रूस के हेलिकॉप्टर्स लगातार आईएसआईएस हाइड-आउट्स पर एयरस्ट्राइक करते रहते हैं। हालांकि, इसके बावजूद सीरीया और इराक में आईएसआईएस के करीब 6-10 हजार जिहादी मौजूद हैं। ये ज्यादातर बॉर्डर पर मौजूद गांवों पर हमले करते हैं।

अफ्रीकी देश गिनी में फैला मारबर्ग वायरस

अब तक 9 लोगों की मौत, डब्ल्यूएचओ ने जारी किया अलर्ट

गिनी, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अफ्रीका के देश इक्वेटोरियल गिनी में मारबर्ग वायरस फैल रहा है। इससे अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है। देश में इसके 16 संदिग्ध मरीज पाए गए हैं। 200 से ज्यादा लोगों को क्वारंटाइन किया गया है। इससे पहले जुलाई 2022 में घाना देश में इस बीमारी का आउटब्रेक हुआ था। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो यह वायरस कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक है। इससे संक्रमित होने वाले 50% मरीजों की मौत हो जाती है। साल 2005 में अंगोला में यह बीमारी फैली थी, जिसमें 88% मरीजों ने अपनी जान गंवाई थी। मारबर्ग वायरस का इंसानों में पाया जाना दुर्लभ है। यह ज्यादातर चमगादड़ों में मिलता है। यह इबोला वायरस के परिवार से आता है। इसकी पहचान पहली बार 1967 में जर्मनी की मारबर्ग और फ्रैंकफर्ट शहरों की लैब्स में हुई थी। यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति या चीज को छूने से फैलती है।

मारबर्ग वायरस से संक्रमित होने पर इंसान को तेज बुखार, हरारत, नाक से खून, खून की उल्टी और डायरिया होता है। लक्षण में सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीलिया, सिर चकराना और पेट के निचले हिस्से में दर्द भी शामिल है।

भारतीय मूल की निक्की हेली पर किए नस्लभेदी कमेंट

अमेरिकी लेखिका बोली- वापस भारत क्यों नहीं लौट जाती? वहां सब भूखे मर रहे हैं

वॉशिंगटन, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल की रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली पर वहां की जानी मानी लेखिका और एक वकील एन कोल्टर ने नस्लभेदी कमेंट किए। एक पोडकास्ट के दौरान उन्होंने निक्की हेली को कहा, तुम वापस अपने देश भारत क्यों नहीं चली जाती हो?

निक्की हेली पर हमलावर होते हुए एन ने भारत के कल्चर पर भी आपत्तिजनक कमेंट किए। उन्होंने कहा, गायों की पूजा कौन करता है? भारत में सब भूखे मर रहे हैं। वहां चूहों के मंदिर हैं।

निक्की हेली की दावेदारी से चिढ़ी एन कोल्टर

भारतीय मूल की निक्की हेली ने 15 फरवरी को ही रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए अपनी दावेदारी पेश की थी। जिससे एन कोल्टर चिढ़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि निक्की हेली को 2% से ज्यादा वोट नहीं मिलेंगे। एन कोल्टर ने हेली के चरित्र को बेहूदा बताया । साथ ही कहा कि हेली का समर्थन करने वाले लोग महिलाओं से नफरत करने वाले हैं।

पहले भी हेली पर ऐसे कमेंट कर चुकी हैं एन कोल्टर

ऐसा पहली बार नहीं है जब एन कोल्टर ने निक्की हेली पर इस तरह के नस्लभेदी कमेंट किए हों। इससे पहले साल 2016 में एन कोल्टर ने ट्रंप से निक्की हेली को वापस भारत भेज देने को कहा था। वहीं साल 2015 में चार्लस्टन में हुई शूटिंग के बाद जब हेली ने साउथ कैरोलिना के स्टेटहाउस पर लगे झंडों को झुकाने का सुझाव दिया तो एन कोल्टर ने उन्हें बिंबो यानी बेवकूफ कहा था।

अमृतसर का रहने वाला है निक्की का परिवार

यूएन में राजदूत और दक्षिण कैरोलिना की गवर्नर रह चुकीं निक्की अमेरिका में ही 1972 में जन्मीं थीं। उनका असली नाम नम्रता निक्की रंधावा है। पिता अजीत सिंह रंधावा पत्नी राज कौर के साथ 1960s में पीएचडी करने के लिए अमृतसर से अमेरिका जाकर बस गए थे। निक्की के दो भाई मिट्ठी और सिमी और एक बहन सिमरन है।

अमेरिका की राजनीति में मंझी हुई नेता हैं निक्की हेली

निक्की को पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन का करीबी माना जाता है। हिलेरी ही उन्हें सियासत में लाई थीं। राजनीति में आने से पहले निक्की कॉर्पोरेट वर्ल्ड में नाम कमा चुकी थीं। परिवार की कंपनियां चलाने के बाद 1998 में ओरेंजबर्ग काउंटी चेंबर ऑफ कॉमर्स के निदेशक मंडल में शामिल हुईं। 2004 में नेशनल एसोसिएशन ऑफ वुमेन बिजनेस ऑनर की अध्यक्ष बनीं। सामाजिक कार्यों में शामिल होने लगीं। इसी से राजनीति में आने का रास्ता बना।

2004 में निक्की साउथ कैरोलिना की स्टेट रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर चुनी गईं। 2006 के चुनाव में उन्हें निर्विरोध जीत हासिल हुई। 2008 में तीसरी बार निक्की ने ये पद संभाला।

निक्की 2010 और 2014 में साउथ कैरोलिना की गवर्नर बनीं। अमेरिका में सबसे युवा (37 साल) गवर्नर बनने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

2017 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें यूएन में बतौर अमेरिकी ऐंबैस्डर के तौर पर नियुक्त किया। दिसंबर 2018 में निक्की ने पद से इस्तीफा दे दिया।

अमेरिका 150 गायों को मारने भेजेगा हेलिकॉप्टर

ये दूसरे जानवरों को पहुंचा रहीं नुकसान, कैटल एसोसिएशन दे सकता है लीगल नोटिस

न्यू मेक्सिको, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यू मेक्सिको में जंगली गायों को मारने के लिए हेलिकॉप्टर्स भेजे जाएंगे। साउथवेस्ट न्यू मेक्सिको में 4 दिन तक चलने वाले इस ऑपरेशन में अमेरिकी शूटर्स 150 आवारा गायों को निशाना बनाएंगे। ये गायें गिला की घाटियों में लुप्त हो रही प्रजातियों को नुकसान पहुंचा रही हैं। फॉरेस्ट एक्सपर्ट के मुताबिक, ये मवेशी जंगल में जाने वाले लोगों पर हमला कर देते हैं और वहां झरनों को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे इरोजन और सेडिमेंटेशन का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही इससे वहां के पानी की क्वालिटी भी खराब हो रही है। 23 फरवरी से शुरू हो रहे ऑपरेशन के लिए गिला के जंगलों को 3 दिन पहले से पब्लिक के लिए बंद कर दिया जाएगा। फिर 160 स्क्वायर मील के एरिया में मौजूद जंगली गायों को ढूंढकर उन्हें शूट किया जाएगा। हालांकि, कई पशुपालक इस अभियान को लीगली चैलेंज कर सकते हैं।

मेक्सिको के कैटल ग्रोअर्स एसोसिएशन (एनएमजीसीए) के प्रेसिडेंट लॉरिन पैटरसन ने कहा- जानवरों पर इस तरह की क्रूरता गैरकानूनी है। ये परेशानी का समाधान नहीं है। हेलिकॉप्टर से गोली चलाने के चलते कई गायें मरने की जगह गंभीर रूप से घायल हो जाती हैं, जो उनके लिए काफी दर्दनाक होता है। वहीं गायों को मारने के बाद उनके शवों को देखने वाला भी कोई नहीं होता है।

अरुणाचल पर भारत के समर्थन में अमेरिका

सीनेट में राज्य को भारत का अभिन्न अंग बताने वाला बिल पेश, चीन ने बताया खतरा

न्यूयार्क, 18 फरवरी (एजेंसियां)। चीन और पाकिस्तान के मामले में भारत के रुख को दुनिया से समर्थन मिल रहा है। अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताते हुए अमेरिकी सीनेट में एक बिल पेश किया गया है। सीनेटर जैफ मर्कले और बिल हैगर्टी ने मिलकर यह बिल रखा है। अरुणाचल प्रदेश को लेकर हाल में दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। चीन अक्सर अरुणाचल प्रदेश को लेकर दावा करता रहा है। चीन पर सीनेट की समिति के अध्यक्ष मर्कले ने कहा कि बिल यह साफ करता है कि अमेरिका अरुणाचल को भारत के हिस्से के रूप में देखता है, न कि चीन के। हम मैक्मोहन लाइन को मान्यता देते हैं। दोनों देशों के बीच इसमें यथास्थिति को बदलने के लिए चीन की सैनिक दखल, विवादित क्षेत्रों में गांव बसाने और इलाके के मंदारिन नाम के साथ नक्शे जारी करने की निंदा की गई है। दोनों सीनेटर ने कहा कि चीन मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए खतरा पैदा कर रहा है। ऐसे में हमारे लिए अपने रणनीतिक सहयोगियों के साथ खड़े रहना जरूरी है। ब्लैकमैन ने बीबीसी की विवादित डॉक्यूमेंट्री को प्रोपेगंडा वीडियो बताया और कहा कि यह घटिया किस्म की पत्रकारिता है। इस डॉक्यूमेंट्री में इस तथ्य की अनदेखी की गई है कि सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगों के सिलसिले में पीएम मोदी पर आरोपों की जांच की थी और उनको खारिज कर दिया था। ब्रिटेन के कंजर्वेटिव सांसद बॉब ब्लैकमैन ने पाकिस्तान से खासकर पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी अड्डों को नष्ट करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान यह पहल करते हुए क्षेत्र में शांति कायम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को संभाले।

राजस्थान में पीएफआई के ठिकानों पर एनआईए के छापे

जयपुर, बूंदी, सवाई माधोपुर और कोटा में संगठन के कई सदस्यों को पकड़ा

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। टेरर फंडिंग मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के ठिकानों पर छापेमारी की है। एनआईए ने शनिवार सुबह राजस्थान में 7 जगहों पर फ्रंट के सदस्यों के घरों पर रेड की और कई मेंबर्स को पकड़ा है। जयपुर, बूंदी, सवाईमाधोपुर और कोटा में कार्रवाई चल रही है। कोटा में तीन जबकि जयपुर, सवाईमाधोपुर, बूंदी व भीलवाड़ा में एक-एक पीएफआई सदस्य के यहां छापे मार गए।

भीलवाड़ा में रात को मारी रेड, सुबह कोटा पहुंची टीम

एनआईए ने देर रात करीब एक बजे भीलवाड़ा की गुलनगरी में रहने वाले वाले इमरान रंगरेज के घर पर छापा मारा। इमरान रंगरेज एसडीपीआई का सोशल एक्टीविस्ट है और पीएफआई का पूर्व कार्यकर्ता भी है। सबसे बड़ी बात यह है कि एनआईए की टीम ने लोकल पुलिस को इस संबंध में कोई अपडेट ही नहीं दी। कोटा में एनआईए की टीम सुबह जल्दी पहुंची। इस दौरान टीम ने रामपुरा थाना क्षेत्र में दबिश दी है। कोटा में कुल तीन जगह छापे मारे गए।

तलाशी में मिल चुके हथियार, आपत्तिजनक डॉक्यूमेंट

एनआईए के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राजस्थान में पहले की गई रेड में बारां के रहने वाले आरोपी सादिक सर्राफ पुत्र समर निवासी और मोहम्मद आसिफ पुत्र अशफाक मिर्जा को पकड़ा गया था। तब पूछताछ में सामने आया कि दोनों पीएफआई के पदाधिकारियों, मेंबर्स और कैडर के साथ पीएफआई के कोटा जिले में गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल हैं। एनआईए की ओर से 19 सितंबर 2022 को मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद एनआईए की ओर से पीएफआई पदाधिकारियों के संदिग्ध आवासीय और व्यावसायिक परिसरों पर छापेमारी की गई। उस समय तलाशी में डिजिटल डिवाइस, एयर गन, धारदार हथियार और आपत्तिजनक डॉक्यूमेंट जब्त किए गए थे। उसी कड़ी में आज की कार्रवाई की गई है।

2007 में बना, 20 राज्यों में फैला पीएफआई

पीएफआई की जड़ें 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद मुसलमानों के विभिन्न आंदोलनों से जुड़ी हुई हैं। दरअसल, 1994 में केरल में मुसलमानों ने नेशनल डेवलपमेंट फंड (एनडीएफ) की स्थापना की थी। धीरे-धीरे एनडीएफ ने केरल में अपनी जड़ें मजबूत कर लीं और समय-समय पर इस संगठन की सांप्रदायिक गतिविधियों में संलिप्तता भी सामने आई है। 2003 में कोझिकोड के मराड बीच पर 8 हिंदुओं की हत्या में एनडीएफ के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था। इस घटना के बाद बीजेपी ने एनडीएफ के आईएसआई से संबंध होने के आरोप भी लगाए। हालांकि, यह कभी साबित नहीं किया जा सका।

केरल के अलावा दक्षिण भारतीय राज्यों में मुसलमानों के लिए काम कर रहे संगठन सक्रिय थे। कर्नाटक में कर्नाटक फोरम फॉर डिग्निटी यानी केएफडी और तमिलनाडु में मनिथा नीति पसाराई (एमएनपी) नाम के संगठन जमीनी स्तर पर मुसलमानों के लिए काम कर रहे थे।

इन संगठनों का नाम भी हिंसक गतिविधियों में सामने आता रहा। इसी क्रम में नवंबर 2006 में दिल्ली में एक बैठक हुई। इस बैठक में एनडीएफ, केएफडी और एमएनपी ने विलय कर नया संगठन पीएफआई बनाया। ऐसा भी कहा जाता है कि यह प्रतिबंधित संगठन सिमी जैसा ही है। यह फ्रंट आज देशभर के 20 राज्यों में एक्टिव है।

जयपुर में पुलिसकर्मियों की हत्या की कोशिश

गाड़ी में टक्कर मारी और पिस्टल दिखाकर धमकाया

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में बदमाशों के हौसले दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। एक बदमाश ने बैखोफ पुलिस वाहन को अपनी कार से टक्कर मारकर तोड़ दिया। जान से मारने के लिए कार चढ़ाकर दो पुलिस कांस्टेबल को घायल कर दिया। कार से हाथ बाहर निकालकर पिस्टल दिखाकर धमकाया, मेरा पीछा करोगे तो जान से मार दूंगा। धमकी देकर कार सवार बदमाश फरार हो गया। घायल कांस्टेबलों को इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया गया। सदर थाने में बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस बदमाश की तलाश में दबिश दे रही है। एसएचओ (सदर) रायसल सिंह ने बताया कि सीकर कोतवाली निवासी हेड कांस्टेबल होशियार सिंह (34) ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करवाया है। वह करणी विहार थाने में तैनात है। शिकायत में बताया कि 14 फरवरी को वह कांस्टेबल कमलेश कुमार, रामवतार, विकास और दिनेश के साथ गश्त पर थे। शाम करीब 7:40 पर करणी विहार से रवाना होकर पुलिस गश्त टीम 200 फीट बाइपास पहुंची। उसके सामने अचानक वाइट कलर की स्विफ्ट डिजायर कार आई। कार में ड्राइवर के साथ एक लड़की बैठी दिखाई दी। पुलिस को देखकर ड्राइवर ने कार को तेज रफ्तार से दौड़ाया। शक होने पर पुलिस टीम ने कार का पीछा किया। कार श्याम नगर इलाके से होते हुए हसनपुरा की तरफ चली गई। ट्रैफिक ज्यादा होने के कारण पुलिसकर्मियों की आंखों से कार ओंझल हो गई।

लव मैरिज के 4 साल बाद पत्नी को मारी गोली

फिर पति खुद अस्पताल लेकर घूमता रहा, मौत हुई तो भाग गया

कोटा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा संभाग के बारां में एक युवक ने अपनी पत्नी को गोली मार दी। फिर खुद एक दिन उसे अस्पतालों में लेकर घूमता रहा। हर जगह झूठी कहानी बताता रहा। आखिर महिला की कोटा मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद आरोपी भाग निकला। इसके बाद महिला के परिवार ने केस दर्ज करवाया है। घटना मांगरोल के बमोरी कला की है। मांगरोल एसएचओ रामस्वरूप ने बताया- 17 फरवरी को कोटा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्थित पुलिस चौकी से सूचना मिली थी कि एक महिला शीला बाई(27) को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उसके शरीर में गोली लगी थी। ऑपरेशन के बाद उसकी मौत हो गई। इस सूचना पर मांगरोल थाने से पुलिसकर्मी कोटा के मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। एसएचओ रामस्वरूप ने बताया- मामले की जानकारी करने पर सामने आया कि महिला शीला बाई को उसका पति दीपक प्रजापत(31) अस्पताल लेकर आया था।

अजमेर में शिवालयों में गूंजे हर हर महादेव के जयकारे

अजमेर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर शहर सहित जिले भर में महाशिवरात्रि पर्व परम्परा और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। शिवालयों में हर-हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं। लोग विधि-विधान से भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर रहे है। मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। शिवालयों में विशेष रूप सजावट की गई है।

प्राचीन श्री अर्द्ध चंद्रेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी ने बताया कि यह मंदिर मराठा कालीन मंदिर है। यह मन्दिर सन 1790 से यहां स्थापित है। रानी अहिल्याबाई की ओर से इसका निर्माण कराया गया था। उनके जो सूबेदार थे उनकी ओर से 5 मंदिरों के निर्माण कराए गए थे। जिसमें से एक जनेश्वर महादेव, राजराजेश्वर महादेव, शांतेश्वर और श्री अर्द्ध चंद्रेश्वर महादेव मंदिर हैं। शिवरात्रि महादेव की शादी का दिन है। मैया गौरी और शिव जी की इसी दिन शादी हुई थी। और सबसे बड़ी बात यह है कि आज के दिन जो भी भक्तगण अपनी मनोकामना लेकर के पूजा करते हैं उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

महाशिवरात्रि पर्व-सीएम अशोक गहलोत ने की भगवान शिव की आराधना

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मां राजराजेश्वरी मंदिर में सपत्नीक पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं प्रगति की कामना की।

गहलोत ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा की और आरती उतारी। इस अवसर पर शिक्षा राज्य मंत्री जाहिदा खान, पूर्व मंत्री एवं विधायक गोविन्द सिंह डोटासरा, हरीश चौधरी तथा विधायक संयम लोढ़ा सहित मुख्यमंत्री निवास पर नियोजित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। मन्दिर परिसर में आर.ए.सी. कार्मिकों ने गहलोत को बजट में वेतन विसंगतियां दूर करने के लिए भगवान गोविन्द देव जी की तस्वीर भेंट की एवं साफा पहनाकर उनका स्वागत किया।

'जब तक जनता के दिल में हैं, क्या जरूरत...'

पोस्टर विवाद पर वसुंधरा राजे का तंज

अजमेर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एक दिवसीय अजमेर दौरे पर रहीं। ब्यावर जाते समय राजे का जगह-जगह स्वागत किया गया। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने राजे को अलग-अलग स्थानों पर 101 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया। जगह-जगह राजे को चुनरी ओढ़ाई गई और लोगों ने तलवार भी भेंट की। ग्रामीण महिलाओं में राजे के साथ सेल्फी खिंचवाने की होड़ मची रही, राजे से साथ अलग-अलग स्थानों पर सेल्फी खिंचवाने का क्रेज नजर आया। राजे के अजमेर जिले के दौरे पर बीजेपी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। अजमेर जिले में प्रवेश पर बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो बीपी सारस्वत ने दुप्पटा पहनाकर स्वागत किया।

बांदर सिंदरी स्थित होटल भंवर सिंह पैलेस पर खो-खो संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भंवर सिंह पलाड़ा, बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चे के मुंसिफ अली खान, एमडीएस यूनिवर्सिटी अजमेर के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष मोहित जैन, युवा नेता शिवप्रताप पलाड़ा, जिला परिषद सदस्य नंदाराम मुंड और बीजेपी नेत्री सीमा अखावत ने राजे का स्वागत किया। ग्रामीण महिलाओं ने लोक गीत गाकर राजे की गर्म जोशी से अगुवानी की। किशनगढ़ टोल पर बीजेपी नेता विकास चौधरी सहित सैकड़ों लोगों ने राजे का स्वागत किया। गेगल टोल पर पुष्कर एमएलए सुरेश रावत, पुष्कर चेयरमैन कमल पाठक, मुंसिफ अली खान, पूर्व प्रधान अशोक सिंह रावत, प्रधान अर्जुन सिंह रावत, मनोज बैरवा, जिला परिषद सदस्य जितेन्द्र सिंह और जगपाल सिंह इत्यादि ने राजे का स्वागत किया।

प्रदेश में खुशहाली और अमन की प्रार्थना की...

मांगलियावास स्थित कल्प वृक्ष की वसुंधरा राजे ने परिक्रमा कर पूरी रीति-रिवाज से मन्नत का मौली धागा बांधा और प्रदेश में खुशहाली और अमन की प्रार्थना की। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो. बीपी सारस्वत ने राजे को कल्प वृक्ष के ऐतिहासिक महत्व से अवगत करवाया और कल्प वृक्ष के इतिहास की जानकारी दी। मांगलियावास में नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा द्वारा स्वागत किया गया और कल्प वृक्ष मंदिर में उपस्थित बीजेपी कार्यकर्ताओं ने राजे से भेंटकर स्वागत सत्कार किया। दूरदराज से आए ग्रामीणों ने भी राजे का फूल मालाओं से स्वागत सत्कार किया। राजे ने मांगलियावास कल्प वृक्ष मंदिर में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, राजनीति आती है और जाती रहती है, कई बार जीते भी हैं। कई बार हारे भी हैं, पोस्टर लगे हैं कभी शक्ल के साथ लगे हैं, कभी शक्ल के बिना लगे हैं। लेकिन जब तक जनता का प्यार है, हमें किसी की जरूरत नहीं।

परिवारजनों को सांत्वना देकर ढांढस बंधाया...

मांगलियावास में विधायक रामस्वरूप लांबा व केकड़ी विधानसभा से बीजेपी नेता राजेंद्र विनायका, प्रधान होनहार सिंह राठौड़, बीजेपी के सभी मंडल अध्यक्ष इत्यादि ने राजे का स्वागत किया।

ब्यावर एमएलए शंकर सिंह रावत के पैतृक गांव किशनपुरा पहुंचते ही रावत के आवास पर जाकर एमएलए के परिवारजनों को सांत्वना देकर ढांढस बंधाया। एमएलए शंकर सिंह रावत के माता जी के देहांत पर वसुंधरा राजे ने शोकसभा में एमएलए शंकर सिंह रावत को ढंडास बंधाया, राजे ने कहा कि रावत की माता जी 108 साल की आयु पूरी कीं, आप भाग्यशाली हो की इतने साल तक माता जी का आशीर्वाद मिला।

'25 सितंबर की घटना के कारण महेश जोशी का इस्तीफा'

प्रभारी रंधावा बोले-इस्तीफे का कारण वो कार्रवाई और दो पद भी, आगे भी होगी

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। जलदाय मंत्री महेश जोशी के सरकारी मुख्य सचेतक के पद से इस्तीफे के बाद कांग्रेस की सियासत गर्मा गई है। महेश जोशी के इस्तीफे के पीछे 25 सितंबर की घटना मुख्य कारण है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने महेश जोशी के इस्तीफे के पीछे एक व्यक्ति एक पद और 25 सितंबर की घटना पर कार्रवाई का परिणाम बताया है। महेश जोशी ने 25 सितंबर की घटना के एक्शन के रूप में इस्तीफा दिया या दो पदों के कारण दिया, इस सवाल पर रंधावा ने कहा- इस्तीफा का कारण वो कार्रवाई भी है। दो पद भी हैं। इस मामले में आगे भी कार्रवाई होगी। रंधावा जयपुर के सर्किट हाउस में मीडिया से बात कर रहे थे। रंधावा ने कहा-यह मामला क्योंकि मेरी नियुक्ति से पहले का है, ऐसे में आलाकमान जो मुझे निर्देश देगा। मैं वही कार्रवाई करूंगा। इस मामले में मुझे कोई रिपोर्ट नहीं भेजनी, लेकिन आलाकमान अगर मुझे कोई कार्रवाई करने को कहेगा तो मैं तुरंत प्रभाव से कर दूंगा। मुझे जो आलाकमान ने कार्रवाई करने को कहीं वह मैंने कर दी है।

कांग्रेस नेताओं में मनमुटाव लेकिन करेंगे दूर, पायलट की नाराजगी नहीं

प्रदेश प्रभारी रंधावा ने मीडिया से बातचीत में यह माना कि नेताओं के बीच मनमुटाव है। रंधावा ने मनमुटाव के सवाल पर कहा- राजस्थान में जो भी नेताओं में एक दूसरे के साथ मनमुटाव है। उसे समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। कार्रवाई हाईकमान को करनी है।

जो मुझे करना था, वो मैंने कर दिया। पायलट की कोई नाराजगी नहीं है। यह तो केवल मीडिया की बातें हैं।

25 सितंबर को विधायक दल की बैठक के बहिष्कार का मुद्दा फिर जिंदा

बता दें कि 25 सितंबर को सीएम हाउस पर बुलाई गई विधायक दल की बैठक का गहलोत खेमे के विधायकों ने बहिष्कार करते हुए यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के बंगले पर पैरेलल बैठक की थी। इस मामले में शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ को नोटिस जारी करके जवाब तलब किया था। तीनों नेता नोटिस का जवाब दे चुके थे। कांग्रेस अनुशासन कमेटी के पास मामला पैंडिंग है। अब तक कमेटी ने सीधा एक्शन नहीं लिया है।

रंधावा के बयान के बाद सियासी चर्चाएं, नोटिस एक साथ लेकिन कार्रवाई अलग अलग

प्रदेश प्रभारी रंधावा ने महेश जोशी के इस्तीफे को 25 सितंबर की घटना के कारण कार्रवाई का भाग बताकर सियासी चर्चाएं छेड़ दी हैं। अब यह सवाल उठाया जा रहा है कि जब तीनों नेताओं को नोटिस एक साथ दिया गया था तो एक्शन भी साथ ही होता है, लेकिन यहां एक्शन में अलग अलग टाइम चुनने को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं हैं।

सचिन पायलट खेमा 25 सितंबर की घटना के लिए जिम्मेदार तीनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग लगातार कर रहा है। खुद सचिन पायलट हाल ही कई बार इस मुद्दे पर बयान दे चुके हैं। कल महेश जोशी के सरकारी मुख्य सचेतक पद से इस्तीफे को 25 सितंबर की घटना पर कार्रवाई की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है।

बाड़मेर में 45 किलोमीटर दौड़े एमएलए बलजीत

पेपरलीक और बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार का विरोध; 75 किमी करेंगे कवर

बालोतरा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। गहलोत सरकार को समर्थन देने वाले निर्दलीय विधायक बलजीत यादव ने काले कपड़े पहनकर अपनी मांगों को लेकर आज पचपदरा में दौड़ लगाई। पचदरा के गुलाब सर्कल 15 किलोमीटर दौड़ लागर से रिफाइनरी गेट तक पहुंचे। कांग्रेस विधायक मदन प्रजापत के विधानसभा क्षेत्र में सुबह 8 बजे विधायक ने समर्थकों के साथ दौड़ शुरू की थी। 9 बजे रिफाइनरी गेट तक रनिंग पूरी करने के बाद बायतू के लिए निकल गए।

हरिश चौधरी के विधानसभा क्षेत्र बायतू में 15 किलोमीटर की दौड़ लगाने के बाद आमीन खान के विधासनसभा क्षेत्र शिव में 15 किलोमीटर दौड़ लगाई। इसके बाद बाड़मेर में शाम 4 बजे से चौहटन तक दौड़ लगाएंगे। ऐसे शाम तक 75 किलोमीटर दौड़ेंगे। दरअसल, बलजीत प्रदेश की 200 विधानसभाओं में दौड़ लगाएंगे। इसकी शुरुआत उन्होंने आज जैसलमेर के प्रसिद्ध तीर्थस्थल रामदेवरा से की थी। दो दिन पहले बाबा रामदेव के दर्शन कर बहरोड़ (अलवर) विधायक ने पोकरण तक करीब 12 किलोमीटर तक रनिंग की थी। वहीं, एक दिन पहले मुख्यमंत्री के गृह जिले जोधपुर के फलौदी में बलजीत ने करीब 10 किलोमीटर की दौड़ लगाई थी। बलजीत पेपरलीक और बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर वे लगातार सरकार के विरोध में खड़े हैं।

यादव दावा कर रहे हैं कि वे डेली करीब 70 किलोमीटर दौड़ लगाते हुए तीन विधानसभा कवर करेंगे। इससे पहले उन्होंने 6 फरवरी को दूसरी बार जयपुर के सेंट्रल पार्क में 100 किलोमीटर की दौड़ लगाई थी। इसके बाद विधानसभा में उन्होंने अपनी मांग रखते हुए कहा था कि इस बार वे 200 विधानसभाओं में काले कपड़े पहन दौड़ लगाएंगे। ऐसे में दो दिन पहले उन्होंने इसकी शुरुआत कैबिनेट मंत्री सालेह मोहम्मद के विधानसभा क्षेत्र से की। सुबह वे करीब 9 बजे दौड़ लगाते हुए वे पोकरण के गांधी चौक पहुंचे और अपनी दौड़ पूरी की थी।

108 किलोमीटर भी दौड़े थे

करीब 10 महीने पहले यादव ने जयपुर के ही सेंट्रल पार्क के रनिंग ट्रैक पर सुबह से शाम तक दौड़ लगाई थी। तब वे सुबह से शाम 6.30 बजे तक कुल 108 किलोमीटर दौड़े थे। इसके बाद शाम 6.30 बजे बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया सेंट्रल पार्क पहुंचे थे और उनसे बात के बाद यादव ने अपनी दौड़ खत्म की थी। विरोध के इस अनोखे तरीके को देखते हुए बड़ी संख्या में विधायक समर्थक भी सेंट्रल पार्क में मौजूद थे।

एमएलए की सरकार से मांग...

विधायक यादव सरकार की नौकरियों में राज्य के युवाओं को 90 से 100% आरक्षण देने की मांग सहित गैर सरकारी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को 75% आरक्षण, 5 लाख पदों पर सीधी भर्ती निकालकर 6 महीनों में युवाओं को नियुक्ति देने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि परीक्षा प्रणाली को ठीक करने, प्राइवेट स्कूलों तथा कोचिंग संस्थानों द्वारा की जा रही लूट को रोकने के प्रयास हों। उनकी मांग है कि- केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के वादे अनुसार समुद्र का पानी नहर से राजस्थान में लाने, तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले पर लगी रोक हटाने, भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कदम उठाने, किसानों को संपूर्ण फसल का सरकार को उचित मूल्य पर खरीद, किसानों व गरीबों का मुफ्त व पूरी बिजली उपलब्ध कराई जाए।

लव मैरिज के 4 साल बाद पत्नी को मारी गोली

फिर पति खुद अस्पताल लेकर घूमता रहा, मौत हुई तो भाग गया

कोटा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा संभाग के बारां में एक युवक ने अपनी पत्नी को गोली मार दी। फिर खुद एक दिन उसे अस्पतालों में लेकर घूमता रहा। हर जगह झूठी कहानी बताता रहा।

आखिर महिला की कोटा मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद आरोपी भाग निकला। इसके बाद महिला के परिवार ने केस दर्ज करवाया है। घटना मांगरोल के बमोरी कला की है। मांगरोल एसएचओ रामस्वरूप ने बताया- 17 फरवरी को कोटा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्थित पुलिस चौकी से सूचना मिली थी कि एक महिला शीला बाई(27) को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उसके शरीर में गोली लगी थी। ऑपरेशन के बाद उसकी मौत हो गई। इस सूचना पर मांगरोल थाने से पुलिसकर्मी कोटा के मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। एसएचओ रामस्वरूप ने बताया- मामले की जानकारी करने पर सामने आया कि महिला शीला बाई को उसका पति दीपक प्रजापत(31) अस्पताल लेकर आया था। अब तक की जांच में सामने आया है कि दीपक प्रजापत ने 16 फरवरी को दिन में 2 बजे करीब घर पर पत्नी से कहासुनी होने के बाद गोली चला दी थी। इसके बाद वह उसे स्थानीय अस्पताल और बारां अस्पताल लेकर गया। उसके बाद कोटा लेकर आया जहां शीला बाई की इलाज के दौरान मौत हो गई।

शीला के भाई अर्जुन ने शिकायत दी है जिस पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

हार्टफुलनेस का योग महोत्सव अभियान 'हर दिल ध्यान, हर दिन ध्यान' एलबी स्टेडियम में शुरू

मंत्री श्रीनिवास गौड़ और पुलेला गोपीचंद ने योग महोत्सव का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हार्टफुलनेस द्वारा संस्कृति मंत्रालय (भारत सरकार) और भारत सरकार के सहयोग से तीन दिवसीय योग महोत्सव शुक्रवार को हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में शुरू हुआ।

कार्यक्रम स्थल पर 15 वर्ष से अधिक आयु के 5000 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। 'हर दिल ध्यान, हर दिन ध्यान' नामक अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं, कॉर्पोरेट और सरकारी निकायों के बीच योगासन, प्राणायाम, मुद्रा और ध्यान के बारे में जागरूकता और लाभों को बढ़ावा देना है। मद्य निषेध और उत्पाद शुल्क, खेल, युवा सेवाएं, पर्यटन तथा संस्कृति मंत्री तेलंगाना श्रीनिवास गौड और तेलंगाना के प्रसिद्ध भारतीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने हार्टफुलनेस के प्रतिनिधियों के साथ योग उत्सव का शुभारंभ किया। 19 फरवरी को बंद होने वाला योग उत्सव 10,000 से अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित करने के लिए तैयार है और कई लोग वर्चुअली इसमें शामिल हो रहे हैं। आयोजन में भागीदारी पूरी तरह नि:शुल्क है। यह श्री राम चंद्र मिशन के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, कॉरपोरेट्स, गांवों और आश्रमों के हिस्से के रूप में 7500 ध्यान शिविरों के साथ देश भर में अपनी 75 योग महोत्सव श्रृंखला में हार्टफुलनेस द्वारा योग महोत्सव का पहला चरण है। दूसरा जल्द ही 3-5 मार्च, 2023 से वारंगल में होने वाला है। 75 श्रृंखला भी भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्षों के साथ-साथ देश भर में आजादी के अमृत महोत्सव समारोह के साथ मेल खाना है।

इस मौके पर मंत्री श्रीनिवास गौड ने कहा कि आज के योग महोत्सव में इतनी बड़ी संख्या में लोगों को देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। चिंता सबसे अधिक में से एक है। आज लोगों के बीच प्रचलित स्थिति। व्यक्ति को अपने विचारों और कार्यों पर नियंत्रण रखना सीखना चाहिए जो योग और ध्यान द्वारा बहुत अच्छी तरह से समर्थित है। मुझे लगता है कि हार्टफुलनेस इस दिशा में एक सुंदर काम कर रही है। दुनिया भर में हार्टफुलनेस ध्यान के मार्गदर्शक कमलेश पटेल 'दाजी' ने कहा, "जब हम जीवन में संतुलन की बात करते हैं, तो संतुलन की शुरुआत भी भीतर से होनी चाहिए। यह हमेशा कार्य-जीवन संतुलन आदि के बारे में नहीं है। यह भीतर के संतुलन के बारे में होना चाहिए। आध्यात्मिक और भौतिकवादी दोनों पहलुओं को संतुलित होना चाहिए। यह ज्ञान योग और ध्यान से ही आता है। शीर्ष भारतीय बैडमिंटन कोच श्री पुलेला गोपीचंद ने कहा, "किसी भी खेल में सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक मैच से पहले चिंता को पीछे छोड़ना है। लेकिन ज्यादातर लोग ज्यादातर बार एंग्जायटी की चपेट में आ जाते हैं। इसे जाना चाहिए। संतुलन और नियंत्रण योग और ध्यान से आता है। मैं एक उत्साही योग और हार्टफुलनेस ध्यान का अभ्यासी रहा हूं और मैं देखता हूं कि यह खेल या जीवन के किसी भी क्षेत्र में अंतर ला सकता है।"

नराकास (कें.स.का-1) की 12वीं अर्धवार्षिक बैठक आयोजित

राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए पुरस्कार वितरित

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय राष्ट्रीय त्वचा रोग यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में आयोजित समिति की 12वीं अर्धवार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए राजभाषा विभाग, दक्षिण क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलुरू के सहायक निदेशक नरेंद्र सिंह मेहरा ने सभी कार्यालयों का राजभाषा के विधिवत्त कार्यान्वयन एवं अनुपालन के लिए मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन के अतिरिक्त तिमाही प्रगति रिपोर्ट भरकर संबंधित जानकारी प्रेषित करने के बारे में अभी भी कई कार्यालयों को सजगता के साथ कार्य करना ज़रूरी है। उन्होंने नराकास (कें.स.का-1), हैदराबाद द्वारा सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। श्री मेहरा ने नराकास के सभी सदस्य कार्यालयों की तिमाही रिपोर्ट के समय पर प्रेषण के बारे में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इससे पूर्व बैठक की शुरुआत केंद्रीय हिन्दी संस्थान की हिन्दी अधिकारी डॉ. राधा ने सभी के स्वागत के साथ की। तत्पश्चात उन्होंने समिति के अध्यक्ष और राष्ट्रीय त्वचा रोग यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के निदेशक एवं प्रभारी डॉ. अहमद मिन्हाजुद्दीन, मुख्य अतिथि एवं राजभाषा विभाग दक्षिण क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलुरू के निदेशक (कार्यान्वयन) नरेंद्र सिंह मेहरा, समिति की सदस्य सचिव डॉ. अर्जीना ज़बीन, एवं समिति के सलाहकार विष्णु भगवान को मंच पर आमंत्रित किया। मंचासीन पदाधिकारियों के सम्मान के बाद समिति की सदस्य सचिव डॉ. अर्जीना जबीन ने स्वागत भाषण देते हुए समिति के कार्यों पर संक्षेप में जानकारी दी।

तत्पश्चात समिति के सलाहकार डॉ. विष्णु भगवान ने समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सभी सदस्य कार्यालयों को राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन और रिपोर्ट भरने के बारे में आवश्यक सुझाव दिये। उन्होंने नराकास को मात्र 11 सदस्य कार्यालयों से अंशदान प्राप्त होने की सूचना देते हुए शेष सभी कार्यालयों से अंशदान की राशि जमा करने की अपील की। बैठक में वर्ष 2021-22 के दौरान राजभाषा हिन्दी का प्रभावी कार्यान्वयन करने वाले कार्यालयों के साथ ही उत्कृष्ट हिन्दी पत्रिकाओं का प्रकाशन करने वाले कार्यालयों को मुख्य अतिथि तथा समिति के अध्यक्ष एवं अन्य मंचासीन पदाधिकारियों के कर-कमलों से पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद को, द्वितीय पुरस्कार कर्मचारी राज्य बीमा निगम, हैदराबाद, तृतीय पुरस्कार भारती भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद तथा प्रोत्साहन पुरस्कार केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, हैदराबाद प्रोत्साहन पुरस्कार राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान, हैदराबाद तथा सर्वोत्तम प्रकाशित पत्रिका पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार केंद्रीय हिन्दी संस्थान, द्वितीय पुरस्कार महालेखाकार कार्यालय (लेखा परीक्षा) का कार्यालय को पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय त्वचा रोग यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की हिन्दी अनुवादक श्रीमती कविता को मुख्य अतिथि के हाथों पुरस्कृत किया गया। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद के सहायक निदेशक डॉ. एस.ए. शुकूर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

महाशिवरात्रि पर छावनी परिषद के वार्ड नं 6 पर स्थित श्री वीरांजनेय शिव पंचारूत आथदत्यादि नवग्रह मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप, पूर्व मंडल सदस्य पांडु यादव, मंदिर समिति के अध्यक्ष शंकरैया, सुधाकर राव, सत्यनारायण व अन्य।

आरपीएफ ने 60 अपराधियों को भेजा सलाखों के पीछे

आपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत 82 बच्चों को बचाया गया

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) का मुख्य उद्देश्य रेलवे संपत्ति की सुरक्षा में अपराधियों के खिलाफ निरंतर लड़ाई जारी रखना, यात्री सुरक्षा और सुरक्षा की सुविधा प्रदान करना है। रेलवे संपत्ति और यात्रियों के जीवन की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर भी आरपीएफ हमेशा सबसे आगे रहता है। सरकारी पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वित कार्रवाई करते हुए रेलवे संपत्ति की सुरक्षा, यात्री सुरक्षा और यात्रियों को सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, आरपीएफ ने कई ऑपरेशन शुरू किए हैं और उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज किया है। बीते जनवरी माह-2023 के दौरान आरपीएफ की कई उपलब्धियां रही है। ऑपरेशन 'रेल सुरक्षा' - जनवरी 23 के दौरान आरपीएफ/दमरे ने 60 अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उनके खिलाफ 50 मामले दर्ज करने के साथ 39.8 लाख की चोरी की संपत्ति बरामद की है। ऑपरेशन 'अमानत' के तहत लगेज रिट्रीवल और हैंडओवर-आरपीएफ कर्मियों ने जनवरी 23 के महीने में 49.3 लाख से अधिक मूल्य के यात्रियों के 208 से अधिक सामान को बरामद करने में सहायता प्रदान की। ऑपरेशन नार्कोस के दौरान आरपीएफ ने 23 जनवरी के दौरान 7 व्यक्तियों की गिरफ्तारी के साथ 32.5 लाख से अधिक मूल्य का गांजा जब्त किया है। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत आरपीएफ ने देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले उन बच्चों की पहचान करने और उन्हें बचाने का नेक काम किया। ये बच्चें विभिन्न कारणों से अपने परिवार से बिछड़ गए थे। जनवरी माह में 82 बच्चों (69 लड़के व 13 लड़कियों) को आरपीएफ/दमरे द्वारा सुरक्षा प्रदान की गई है।

ऑपरेशन एएएचटी के तहत मानव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई में 6 तस्करों के चंगुल से 18 लड़कों को छुड़ाया है। मिशन 'जीवन रक्षा' के तहत आरपीएफ कर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर 6 व्यक्तियों की जान बचाई। ऑपरेशन 'सतर्क' के तहत वर्जित/अवैध माल की ढुलाई के खिलाफ ट्रेनों से अवैध रूप से ले जाई जा रही 16,500 रुपए की शराब के एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के साथ जब्त कर आबकारी विभाग को सौंप दिया गया, जिसने अपराधी के खिलाफ 2 मामले दर्ज किए। ऑपरेशन 'उपलब्ध' के तहत दलालों की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगाने और आम आदमी को रेलवे टिकट उपलब्ध कराने के लिए 13 जनवरी को आरपीएफ/दमरे द्वारा 13 दलालों की गिरफ्तारी के साथ 106 लाइव टिकटों की जब्ती के साथ मामले दर्ज किए गए और कुल टिकटों का मूल्य रु. 17.08 लाख रुपए के टिकट जप्त किए गए।

सांसद बोले, ई-अदालतों के लिए सात हजार करोड़ खर्च कर दिए, लेकिन अभी भी सही से काम नहीं हो रहा

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। देशभर में संचालित ई-अदालतों पर एक संसदीय कमेटी ने चिंता जाहिर की है। राज्यसभा सांसद सुशील मोदी की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने शुक्रवार को बैठक की। इसमें शामिल सभी सदस्यों ने पार्टी लाइन से हटकर इलेक्ट्रॉनिक कोर्ट (ई-कोर्ट) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि संसदीय पैनल ने शुक्रवार को एक बैठक के दौरान चिंता व्यक्त की कि इलेक्ट्रॉनिक कोर्ट (ई-कोर्ट) काउंटी में अपनी क्षमता के अनुसार काम नहीं कर रहे हैं।

एनएमडीसी गवर्नेंस नाउ 9वें पीएसयू अवाड्र्स में सम्मानित

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने नई दिल्ली में आयोजित गवर्नेंस नाउ 9 वें पीएसयू अवाड्र्स में पांच पुरस्कार जीते। समारोह में विजेताओं को सम्मानित करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में भारत के उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री दीपक मिश्रा उपस्थिति रहे। गवर्नेंस नाउ पुरस्कार देश के लिए सामाजिक-आर्थिक मूल्यों के सृजन के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के मानक स्तरों को बढ़ाने में पीएसयू की प्रतिबद्धता को सम्मानित करते हैं।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सुमित देब को प्रतिष्ठित पीएसयू लीडरशिप अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया और एनएमडीसी ने सीएसआर लीडरशिप, सीएसआर प्रतिबद्धता (समग्र), मानव संसाधन उत्कृष्टता (समग्र) और राष्ट्र निर्माण के लिए भी पुरस्कार प्राप्त किए। ये सभी पुरस्कार एनएमडीसी की ओर से निदेशक (उत्पादन) डी.के. मोहंती ने प्राप्त किए। उन्होंने कंपनी के प्रयासों को मान्यता देने के लिए गवर्नेंस नाउ की टीम, जूरी सदस्यों और न्यायमूर्ति श्री दीपक मिश्रा को धन्यवाद दिया और कहा कि एनएमडीसी राष्ट्र निर्माण और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सतत रूप से प्रतिबद्ध है। हम समग्र दक्षता के लिए कंपनी की प्रक्रियाओं को उन्नत और मजबूत बनाना जारी रखेंगे। एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सुमित देब ने कहा, हम एक साथ मिलकर एक नए भारत के निर्माण की तैयारी कर रहे हैं, ऐसे में एनएमडीसी देश की बेहतर सेवा के लिए तकनीकी कौशल के लिए अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने में अग्रणी रहा है। लोगों के जीवन में सार्थक बदलाव लाकर राष्ट्र को सम्मान दिलाने के हमारे ईमानदार प्रयासों को मान्यता प्रदान करने के लिए हम गवर्नेंस नाउ को धन्यवाद देते हैं।

राजस्थानी ब्राह्मण समाज सोजत द्वारा हैदराबाद से ब्राह्मण के रामदेव नागला के आगमन पर उनका सम्मान करते हुए अध्यक्ष जगदीशचंद्र तिवारी, सचिव बालकिशन जोशी श्रीमाली, कैलाश चंद्र तिवाड़ी, शैलेंद्र तिवाड़ी।

कबूतरखाना स्थित माहेश्वरी भवन में आयोजित ब्रह्मकुमारीस, चेलापुरा द्वारा शिवरात्रि के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम द्वादश ज्योर्तिलिंग के दर्शन एवं पूजन का उद्घाटन करते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग, पी. साई चैतन्या, आईपीएस, डीसीपी साऊथ जोन, लक्ष्मीनारायण राठी, अमृतकुमार जैन, सम्पत तोषणीवाल, एडवोकेट दामोदरदास मून्दडा, रंजन ठाकुर एवं अन्य।

इंदिरा नेहरू नगर में अखंड हरि कीर्तन का शुभारंभ

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति के द्वारा आज दुर्गा माता मंदिर, इंदिरा नेहरू नगर, मलकाजगिरी में अखंड हरि कीर्तन का शुभारंभ किया गया। पहले भगवान की पूजा और आरती करने के पश्चाचात हरे राम हरे कृष्ण महामंत्र साम चार बजे मनोज भगत व्यास और सुनील भगत अपने पूरी टीम ने की।

यह कल साम चार बजे तक चलेगा। उसके बाद माही मुकेश कुमार द्वारा राम बिवाह कराया जाएगा। इस मौके पर समिति के वरिष्ठ प्रधाकारी जयनाथ सिंह, राजेश्वर भगत, रामबाबू सिंह, सुभाष चन्द्र यादव, शम्भू नाथ भगत, कामेश्वर सिंह, चंद्रदेव सिंह सभी आये हुए लोगों का स्वागत किया और सब युवा कार्यकर्ता मिलकर बहुत धूमधाम से हरि कीर्तन की शुरुआत की।

शनिवार को महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर गणेश मंदिर, वनस्थलीपुरम स्थित शिव पार्वती मंदिर में अपने परिवार के साथ रुद्राभिषेक करते हुए उत्तर भारती नागरिक संघ के अध्यक्ष एन.के. सिंह, मालती देवी, नंदकिशोर, दीपिका, अमरजीत, नेहा, सूर्यांश और अन्य।

महाशिवरात्रि पर तुलजा भवानी मंदिर, शंकरबाग में पूजा-अर्चना करते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल। साथ में हैं रत्नेश महाराज, रामकृष्णा, संदीप, हरिनाथ व अन्य।

शिवरात्रि पर जियागुड़ा सब्जी मंडी गंगा परमेश्वरी पंच लिंगेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना किये जाने का दृश्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

उद्धव बोले-पीएम ...

शुक्रवार को इलेक्शन कमीशन (ईसी) ने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना बताया था। ईसी ने शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और तीर-कमान का निशान इस्तेमाल करने की इजाजत दी थी। उद्धव ने इस पर आपत्ति जताई थी और इलेक्शन कमीशन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही थी।

इस पर शरद पवार ने कहा कि जब कोई फैसला आ जाता है, तो चर्चा नहीं करनी चाहिए। इसे स्वीकार करें, नया चिह्न लें। पुराना चिह्न खोने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि, एनसीपी नेता अजित पवार ने आयोग के इस फैसले को अप्रत्याशित बताया है। अजीत पवार ने पूछा कि ईसी ने फैसला सुनाने में जल्दबाजी क्यों की।

इसी मसले पर अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा ने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, जो राम का नहीं, हनुमान का नहीं, वो किसी काम का नहीं। एक निजी टीवी चैनल से बात करते हुए नवणीत ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जमीनी स्तर का नेता बताया।

नवणीत ने आगे कहा कि शिंदे जमीनी स्तर पर बाल ठाकरे के साथ रहे हैं। वे पूरी तरह से शिवसेना के निशान और उसकी विरासत के हकदार हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एक बार जब कोई पार्टी टूट जाती है, तो 90 प्रतिशत नए गुट के साथ चले जाते हैं और ईसी को नए गुट को पार्टी का नाम और चिन्ह देना पड़ता है।

ईसी ने कहा, शिवसेना का मौजूदा संविधान अलोकतांत्रिक :

इलेक्शन कमीशन ने शुक्रवार को पाया कि शिवसेना का मौजूदा संविधान अलोकतांत्रिक है। उद्धव गुट ने बिना चुनाव कराए अपनी मंडली के लोगों को अलोकतांत्रिक रूप से पदाधिकारी नियुक्त करने के लिए इसे बिगाड़ा।

कमीशन ने यह भी पाया कि शिवसेना के मूल संविधान में अलोकतांत्रिक तरीकों को गुपचुप तरीके से वापस लाया गया, जिससे पार्टी निजी जागीर के समान हो गई। इन तरीकों को 1999 में ईसी नामंजूर कर चुका था। पार्टी की ऐसी संरचना भरोसा जगाने में नाकाम रहती है। इसी के साथ महाराष्ट्र में शिवसेना से अब उद्धव गुट की दावेदारी खत्म मानी जा रही है।

ईसी के फैसले पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, यह हमारे कार्यकर्ताओं, सांसदों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों और लाखों शिवसैनिकों सहित बालासाहेब और आनंद दीघे की विचारधाराओं की जीत है। यह लोकतंत्र की जीत है।

महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना को शिवसेना का चिन्ह और नाम मिला है।

अभिनेता तारकरत्ना ...

तारक रत्न के चाचा और लोकप्रिय अभिनेता एन. बालकृष्ण ने उनसे अस्पताल में मुलाकात की थी। युवा अभिनेता को बाद में बैंगलोर के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। तारक रत्न टीडीपी के संस्थापक, दिग्गज अभिनेता और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव के पोते थे। वह जूनियर एनटीआर, कल्याण राम और लोकेश के चचेरे भाई थे। तारक रत्न ने 2002 में अपनी फिल्म की शुरुआत की थी और लगभग एक दर्जन फिल्मों और वेब श्रृंखलाओं में अभिनय किया, कथित तौर पर अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक थे।

दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 61/1, भारतीय टीम से 62 रन आगे

खेल डेस्क, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में दो दिन का खेल खत्म हो चुका है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 263 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम ने 262 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में एक रन की बढ़त मिली। वहीं, दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 61/1 है। कंगारू टीम भारत से 62 रन आगे और उसके नौ विकेट बचे हुए हैं, जबकि मैच में तीन दिन का खेल बाकी है। दिल्ली टेस्ट में दूसरे दिन का खेल खत्म हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में एक विकेट खोकर 61 रन बना लिए हैं और भारत से 62 रन आगे हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड 39 और मार्नस लाबुशेन 16 रन बनाकर खेल रहे हैं।

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने अब तक तेजी से रन बनाए हैं और मैच के तीसरे दिन भी कंगारू टीम बड़ा स्कोर खड़ा करना चाहेगी। अगर भारत के सामने 200 रन का लक्ष्य रहता है तो टीम इंडिया को चौथी पारी में इसे हासिल करने में परेशानी आ सकती है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उस्मान ख्वाजा (81) और पीटर हैंड्सकॉम्ब (72) के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 263 रन बनाए। भारत के लिए शमी ने चार और अश्विन-जडेजा ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके जवाब में भारत ने 262 रन बनाए। अक्षर पटेल ने 74 और विराट ने 44 रन बनाए। अक्षर और अश्विन ने शतकीय साझेदारी कर भारत को मुश्किल से निकाला। ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन लियोन ने पांच, टॉड मर्फी और कुह्नेमन ने दो-दो विकेट लिए। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को एक रन की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट पर 61 रन बना लिए हैं और कुल बढ़त 62 रन की हो गई है। हेड और लाबुशेन नाबाद हैं। अब टीम इंडिया तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया को छोटे स्कोर पर समेटने की कोशिश करेगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया भारत के सामने बड़ा लक्ष्य रखना चाहेगा।

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई टीम तेजी से रन बना रही है और भारत के सामने जल्द से जल्द बड़ा स्कोर खड़ा करने की कोशिश कर रही है। कंगारू टीम यह समझ चुकी है कि स्पिन पिच पर उनके बल्लेबाजों के लिए लंबी पारी खेलना मुश्किल है। इसी वजह से यह टीम तेजी से रन बनाकर भारत के सामने बड़ा लक्ष्य रखना चाहती है। एक विकेट के नुकसान पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 50 रन के पार जा चुका है।

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया का पहला विकेट 23 रन पर गिरा है। रवींद्र जडेजा की गेंद पर श्रेयस अय्यर ने शानदार कैच पकड़कर पहली पारी के हीरो उस्मान ख्वाजा को चलता किया। उस्मान ख्वाजा ने 13 गेंद में छह रन बनाए। अब ट्रेविस हेड के साथ मार्नस लाबुशेन क्रीज पर हैं। सात ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक विकेट पर 30 रन है। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी शुरू हो चुकी है। उस्मान ख्वाजा और ट्रेविस हेड की सलामी जोड़ी क्रीज पर है। इस मैच में पहली पारी में डेविड वॉर्नर ने ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत की थी, लेकिन वह सिर में गेंद लगने की वजह से मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह मैट रेनशॉ ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दो ओवर का खेल होने के बाद बिना विकेट खोए चार रन बना लिए हैं।

भारतीय टीम ने पहली पारी में 262 रन बनाए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 263 रन बनाए थे। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर एक रन की बढ़त मिली है। मैथ्यू कुह्नमन ने मोहम्मद शमी को क्लीन बोल्ड कर भारतीय पारी खत्म की। शमी ने नौ गेंद में दो रन बनाए। अब ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरी पारी में बड़ा स्कोर खड़ा कर भारत के सामने बड़ा लक्ष्य रखने की कोशिश करेगी। वहीं, भारत ऑस्ट्रेलिया को छोटे से छोटे स्कोर पर समेटना चाहेगा। चौथी पारी में टीम इंडिया के लिए 150 रन से ज्यादा के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होगा। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उस्मान ख्वाजा (81) और पीटर हैंड्सकॉम्ब (72) के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 263 रन बनाए। भारत के लिए शमी ने चार और अश्विन-जडेजा ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके जवाब में भारत ने 262 रन बनाए। अक्षर पटेल ने 74 और विराट ने 44 रन बनाए। अक्षर और अश्विन ने शतकीय साझेदारी कर भारत को मुश्किल से निकाला। ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन लियोन ने पांच, टॉड मर्फी और कुह्नेमन ने दो-दो विकेट लिए। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया के पास एक रन की बढ़त है।

आरसीबी की कप्तान बनी स्मृति मंधाना

कोहली और फाफ डुप्लेसिसस ने किया एनाउंसमेंट

खेल डेस्क, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम की टॉप ऑर्डर बल्लेबाज स्मृति मंधाना विमेंस प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु की कप्तान बनाई गई हैं। शनिवार सुबह फ्रेंचाइजी के पूर्व कप्तान विराट कोहली और वर्तमान कप्तान फाफ डुप्लेसी ने मंधाना को कप्तान बनाए जाने का ऐलान किया। 26 साल की भारतीय बल्लेबाज मंधाना को 2 दिन पहले आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल प्लेयर्स ऑक्शन में 3.4 करोड़ रुपए में खरीदा था। वे विमेंस प्रीमियर लीग के पहले सीजन की सबसे महंगी खिलाड़ी भी हैं।

टीम इंडिया की उपकप्तान स्मृति मंधाना तेजी से रन बनाने की क्षमता रखती हैं। उनमें लीडरशिप क्वॉलिटी भी हैं। मंधाना ने 112 टी-20 मैचों में 123.13 के स्ट्राइक रेट से 2651 रन बनाए हैं। उनके नाम 20 अर्धशतक भी हैं। टीम इंडिया की उपकप्तान स्मृति मंधाना तेजी से रन बनाने की क्षमता रखती हैं। उनमें लीडरशिप क्वॉलिटी भी हैं। मंधाना ने 112 टी-20 मैचों में 123.13 के स्ट्राइक रेट से 2651 रन बनाए हैं। उनके नाम 20 अर्धशतक भी हैं।

डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में सबसे महंगी मंधाना

डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में स्मृति मंधाना सबसे महंगी रहीं। उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 3.40 करोड़ रुपए में खरीदा। उसके अलावा टीम ने रेणुका सिंह , सोफी डिवाइन, एलीस पेरी और रिचा घोष को भी ख़रीदा। ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर और इंग्लैंड की नेटली सीवर ब्रंट सबसे महंगी विदेशी खिलाड़ी रहीं। दोनों को 3.20 करोड़ रुपए में खरीदा गया।

टीम इंडिया और ट्रेलब्लेजर के लिए कप्तानी कर चुकी है स्मृति मंधाना

भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम के लिए कप्तानी कर चुकी है। 22 साल की उम्र में वे टी-20 में नेशनल टीम की कप्तान करने वाली सबसे युवा खिलाड़ी थी। साथ ही वे विमेंस टी-20 चैलेंज में ट्रेलब्लेजर टीम की कप्तान रही है।

बैटर: स्मृति मंधाना, दिशा कसात

कीपर: रिचा घोष, इंद्राणी रॉय

बॉलर: रेणुका सिंह, मीगन शट, प्रीति बोस, कोमल जंजाड, शहाना पवार

ऑलराउंडर: एलिस पेरी, सोफी डिवाइन, हीथर नाइट, कनिका अहूजा, डेन वेन निकर्क, एरिन बर्न्स, आशा शोभना, पूनम खेमनार, श्रेयांका पाटिल

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु विमेंस टीम का फुल स्क्वॉड

4 मार्च से 26 मार्च तक चलेगा डब्ल्यूपीएल

विमेंस प्रीमियर लीग की शुरुआत 4 मार्च को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में गुजरात-मुंबई मैच के साथ होगी। जबकि फाइनल मुकाबला 26 मार्च को मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला जाएगा। इन्हीं दो स्टेडियम में पूरी लीग खेली जाएगी।

5 टीमें 23 दिन में 22 मुकाबले खेलेंगी। इनमें 20 लीग, एक एलिमिनेटर और एक फाइनल होगा। पहले सीजन में चार डबल हेडर मुकाबले खेले जाएंगे। लीग के पहले सीजन में 5 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात जायंट्स, मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और यूपी वॉरियर्ज शामिल हैं।

कोहली के आउट होने पर विवाद

अंपायर ने एलबीडब्ल्यू दिया, गेंद पहले बल्ले पर लगी या पैड पर टीवी अंपायर भी नहीं बता पाए

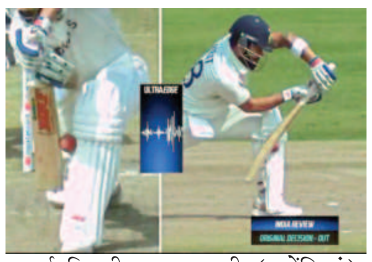

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली के आउट होने को लेकर कंट्रोवर्सी हो गई। कोहली 44 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। डेब्यू टेस्ट खेल रहे लेफ्ट आर्म स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन की बॉल कोहली बैट-पैड पर लगी। अंपायर नितिन मेनन ने कोहली को आउट करार दिया। भारतीय बल्लेबाज ने रिव्यू लिया, लेकिन री-प्ले से यह साफ नहीं हो रहा था कि गेंद पहले बैट पर लगी या पैड पर। थर्ड अंपायर ने ग्राउंड अंपायर के फैसले को बरकरार रखा और कोहली को पवेलियन लौटना पड़ा। सोशल मीडिया पर कुछ ही देर में यह वाकया ट्रेंड करने लगा। विराट कोहली अंपायर के डिसीजन से नाखुश दिखे। रिव्यू लेने के बाद कोहली ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ियों के पास जाकर बात करते भी नजर आए। ड्रेसिंग रूम में री-प्ले देखने के बाद वे नाराज नजर आए।

इस मामले में थर्ड अंपायर ने फील्ड अंपायर के डिसीजन को बरकरार रखा। जब थर्ड अंपायर के पास फील्ड अंपायर के डिसीजन को पलटने के लिए कोई पुख्ता सबूत नहीं होता है तब उसे फील्ड अंपायर के फैसले को कायम रखना पड़ता है और उनके निर्णय के साथ आगे बढ़ना पड़ता है।

अगर फील्ड अंपायर कोहली को नॉट आउट देते तो वे बच जाते। बॉल पहले कहा लगी यह स्पष्ट नहीं था। साथ ही बॉल स्टंप पर लगती या नहीं इस मामले में DRS अंपायर्स कॉल बता रहा था। इसलिए अगर नितिन मेनन नॉटआउट देते तो कोहली अपनी पारी जारी रख पाते।

फैंस और क्रिकेट पंडितों में कोहली के विकेट को लेकर गुस्सा देखने को मिला। कोहली के विकेट के डच देर बार ही विराट कोहली ट्विटर पर ट्रेंड करने लगे। भारतीय फंस ने अंपायर के डिसीजन को गलत बताया। भारत के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने भी अंपायर के फैसले का विरोध किया।

यूईएफए यूरोप लीग

मार्कस रैशफोर्ड का कमाल, यूनाइटेड और बार्सिलोना के बीच मैच 2-2 से बराबर

खेल डेस्क, मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए मार्कस रैशफोर्ड ने अपनी शानदार फॉर्म की झलक फिर से दिखाई और यह भी दिखाया कि क्यों कोच जावी हर्नांडेज उन्हें यूरोप का सबसे खतरनाक अग्रिम पंक्ति का खिलाड़ी बताते हैं।

बार्सिलोना और मैनचेस्टर यूनाइटेड ने यूरोपा लीग के नॉकआउट प्लेऑफ में 2-2 से ड्रॉ खेलकर पहले चरण में रोमांच बनाए रखा है। बार्सिलोना ने मार्कोस अलोंसो के हेडर की मदद से खाता खोला और जब टीम 1-2 से पिछड़ रही थी तब राफिन्हा ने 76वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया। मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए मार्कस रैशफोर्ड ने अपनी शानदार फॉर्म की झलक फिर से दिखाई और यह भी दिखाया कि क्यों कोच जावी हर्नांडेज उन्हें यूरोप का सबसे खतरनाक अग्रिम पंक्ति का खिलाड़ी बताते हैं।

मैच के श्रेष्ठ खिलाड़ी रैशफोर्ड ही थे जिन्होंने बार्सिलोना के अलोंसो के 50वें मिनट में किए गोल के तीन मिनट बाद ही टीम को 1-1 से बराबरी दिलाई और उसके बाद जूलेस कोंडे के आत्मघाती गोल से मैनचेस्टर यूनाइटेड एक समय 2-1 की बढ़त पर आ गई थी। दरअसल, कोंडे के आत्मघाती गोल में भी रैशफोर्ड की ही भूमिका थी। रैशफोर्ड ने पेनाल्टी क्षेत्र में घुसने के बाद कम ऊंचाई वाला क्रास फेंका। गेंद ब्रूनो फर्नांडीस के पांव से लगकर छिटकी और कोंडे के पांव से लगते हुए गोल में चली गई।

अगले हफ्ते निर्णायक टक्कर

दोनों टीमें दो बार चैंपियंस लीग के फाइनल में भिड़ चुकी हैं, जिसमें दोनों बार बार्सिलोना ने बाजी मारी थी। एक बार फिर दोनों टीमों के बीच उच्च स्तरीय खेल देखने को मिला। अब दोनों टीमों के बीच दूसरे चरण का मौच अगले गुरुवार को खेला जाएगा जिसमें प्री क्वार्टर का टिकट दांव पर होगा।

गोलकीपर डेविड की भूमिका रही अहम

अगर यूनाइटेड ने बार्सिलोना को बराबरी पर रोका तो इसके पीछे उसके पीछे गोलकीपर डेविड डि जिया को भी श्रेय मिलना चाहिए। बार्सिलोना के टेर स्टीगन के प्रयास भी सराहनीय रहे जिन्होंने पहले हाफ में रैशफोर्ड के अच्छे प्रयास को विफल किया। मैच के दौरान गोल पर 35 प्रयास किए। मैच में यूनाइटेड के पूर्व कोच 81 साल के एलेक्स फर्ग्यूसन भी मौजूद थे जिनकी टीम ने 1999 में चैंपियंस लीग फाइनल जीता था।

धर्मशाला में आईपीएल के 2 मैच

पंजाब किंग्स 17 मई को दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी, 19 को राजस्थान रॉयल्स से मुकाबला

धर्मशाला, 18 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम पर भले ही इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाने वाला टेस्ट मैच शिफ्ट हो गया, लेकिन क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर हैं। 31 मार्च से शुरू होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग के 2 मैच धर्मशाला स्टेडियम में होंगे। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रिटी जिंटा की टीम पंजाब किंग्स ये मैच दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी।

वर्ष 2019 के बाद पहली बार आईपीएल टूर्नामेंट भारत में अपने पुराने होम एंड अवे फॉर्मेट में लौटेगा। 31 मार्च से 12 मई तक चलने वाले आईपीएल में लीग चरण में 70 मैच खेले जाएंगे।

सभी 10 टीमों के होम ग्राउंड - मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, जयपुर, बेंगलुरु, चेन्नई, लखनऊ, अहमदाबाद और मोहाली - के अलावा कुछ मैच गुवाहाटी (राजस्थान का दूसरा होम) और धर्मशाला (पंजाब का दूसरा होम) में खेले जाएंगे।

शुक्रवार को जारी किए गए आईपीएल के शेड्यूल के मुताबिक 17 मई और 19 मई को पंजाब किंग्स के 2 मैच धर्मशाला में खेले जाएंगे। 17 मई को पंजाब किंग्स के खिलाड़ी दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैदान में उतरेंगे। 18 मई के रेस्ट के बाद 19 मई को पंजाब किंग्स की टीम राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी।

यह पहला मौका होगा जब वर्ष 2013 के बाद पहली बार धर्मशाला स्टेडियम में आईपीएल मैच होने जा रहे हैं। इससे क्रिकेट प्रेमियों में खुशी की लहर है।

धर्मशाला में कब -कब हुए आईपीएल मैच

16 अप्रैल 2010 पंजाब किंग्स- डेक्कन चार्जर

18 अप्रैल 2010 पंजाब किंग्स- चेन्नई सुपर किंग्स

15 मई 2011 पंजाब किंग्स- दिल्ली डेयरडेविल्स

17 मई 2011 पंजाब किंग्स- रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर

21 मई 2011 पंजाब किंग्स- डेक्कन चार्जर

17 मई 2012 पंजाब किंग्स- चेन्नई सुपर किंग्स

19 मई 2012 पंजाब किंग्स- दिल्ली डेयरडेविल्स

16 मई 2013 पंजाब किंग्स- दिल्ली डेयरडेविल्स

18 मई 2013 पंजाब किंग्स- मुंबई इंडियंस

नेपाल के क्रिकेटर संदीप लामिछाने के खिलाफ फील्ड पर विरोध

स्कॉटलैंड के खिलाड़ियों ने हाथ मिलाने से किया इनकार, रेप के आरोप में हुए थे गिरफ्तार

किर्तिपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। स्कॉटलैंड के खिलाड़ियों ने तीन विकेट से हार के बाद नेपाल के संदीप लामिछाने से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। मैच शुक्रवार को कीर्तिपुर में नेपाल और स्कॉटलैंड के बीच आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में खेला गया। इस दौरान पूरे मैच में लामिछाने के खिलाफ दूसरी टीम के प्लेयर्स में विरोध था, क्योंकि नेपाल क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान संदीप लामिछाने पर दुष्कर्म का आरोप लगा था। एक 17 साल की नाबालिग युवती ने उन पर आरोप लगाया था। फिलहाल वे जमानत पर बाहर हैं।

नेपाल क्रिकेट ने खेलने की अनुमति दी

क्रिकेट एसोसिएशन नेपाल ने लामिछाने को फिर खेलने की अनुमति दे दी है। हालांकि उनसे कप्तानी छीन ली गई है। इस मामले में आईसीसी भी चुप्पी साधे बैठा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्कॉटलैंड के खिलाडियों ने पहले ही लामिछाने को विरोध के बारे में अवगत कर दिया था। सितम्बर 2022 में कैरेबियन प्रीमियर लीग में खेलते समय लामिछाने के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था। इसके बाद उनके काठमांडू लौटने पर उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

संदीप लामिछाने का इंटरनेशनल करियर

	मैच	विकेट
वनडे	33	75
टी-20 इंटरनेशनल	44	85

लामिछाने 3 विकेट लिए

वनडे मैच में स्कॉटलैंड को नेपाल ने 3 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 9 विकेट खो कर 279 रन का लक्ष्य दिया। सांतवें नंबर पर आए माइकल लिस्क ने शतक लगाया और 107 रन बनाए। वहीं नेपाल की ओर से लामिछाने ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। नेपाल ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 47 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। नेपाल का अगला मुकाबला शनिवार को नामीबिया से होगा।

आईपीएल में ले चुके हैं 13 विकेट

संदीप लेग स्पिनर हैं। वे आईपीएल खेलने वाले नेपाल के पहले खिलाड़ी बने हैं। लामिछाने आईपीएल के 9 मुकाबलों में 13 विकेट चटका चुके हैं। लामिछाने ने साल 2018 में दिल्ली की ओर से भारतीय लीग में डेब्यू किया था। 2016 के अंडर-19 वर्ल्ड कप में संदीप ने शानदार प्रदर्शन किया था। तब नेपाल की टीम वर्ल्ड कप के 8वें नंबर पर रही थी।

5 साल के इंटरनेशनल करियर में 23 टीमों से खेल चुके हैं

संदीप अपने 4 साल के इंटरनेशनल करियर में 23 टीमों से खेल चुके हैं। इसमें भारत, पाकिस्तान, नेपाल और ऑस्ट्रेलिया की लीग के अलावा दुनियाभर की लीगों का अहम हिस्सा है।

मोहाली को 3 साल बाद आईपीएल की मेजबानी

5 मैच होंगे, पहला पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा

अमृतसर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 की शुरुआत 31 मार्च से शुरू होने जा रही है। 3 साल बाद मोहाली को आईपीएल की मेजबानी मिल गई है। मोहाली के साथ-साथ इस बार धर्मशाला में भी मैच आयोजित होने जा रहे हैं। पंजाब किंग्स ने मोहाली और हिमाचल में अपना होम ग्राउंड बनाया है। मोहाली में पांच मैच होंगे। जबकि हिमाचल में दो मैच खेले जाएंगे।

आईपीएल का पहला मैच गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाना है। आईपीएल के 16वें संस्करण में इस बार पंजाब और हिमाचल प्रदेश के प्रशंसकों के लिए यह सबसे बड़ी खुशखबरी है। प्रत्येक टीम को 7 मैच अपने होम ग्राउंड और 7 मैच दूसरे ग्राउंड पर खेलने होते हैं। शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईपीएल के सीजन का शेड्यूल जारी किया था।

मोहाली में 1 अप्रैल को पहला मैच

कब और कहां होगा मैच

1 अप्रैल- पंजाब किंग्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स 3:30 बजे मोहाली।

13 अप्रैल- पंजाब किंग्स बनाम गुजरात टाइटंस 7:30 बजे मोहाली।

20 अप्रैल- पंजाब किंग्स बनाम रॉयल चैलेंजर बैंगलोर 3:30 बजे मोहाली।

28 अप्रैल- पंजाब किंग्स बनाम लखनऊ सुपरजायंट्स 7:30 बजे मोहाली।

3 मई- पंजाब किंग्स बनाम मुबंई इंडियस 7:30 बजे मोहाली।

17 मई- पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स 7:30 बजे धर्मशाला।

19 मई- पंजाब किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स 7:30 बजे धर्मशाला।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.